MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 01 मई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-118

EVM स्ट्रॉन्ग रूम में खेला

ममता तिलमिलाई, टीएमसी-भाजपा आमने-सामने

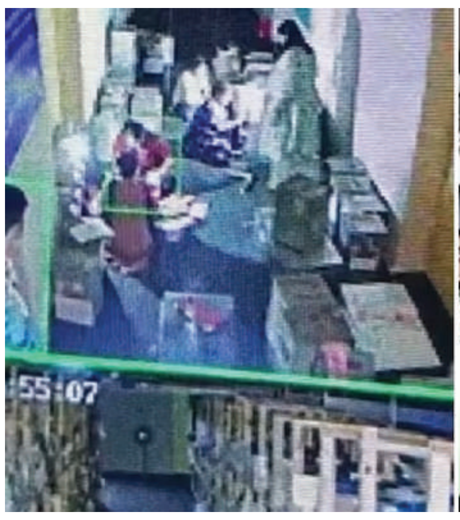

कोलकाता, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।
पश्चिम बंगाल में गुरुवार शाम उस समय हंगामा मच गया जब टीएमसी नेता स्ट्रॉन्ग रूम में गड़बड़ी का आरोप लगा धरने पर बैठ गए। इतना ही नहीं, देर शाम मौके पर बीजेपी कार्यकर्ता भी पहुंचे। इसके बाद टीएमसी और बीजेपी कार्यकर्ताओं में तीखी नोकझोंक भी हुई। सुरक्षाकर्मियों ने किसी तरह से दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर शांत कराया।

दरअसल, टीएमसी ने एक सीसीटीवी फुटेज जारी कर दावा किया कि कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम स्थित स्ट्रॉन्ग रूम में रखे बैलेट बॉक्स के साथ छेड़छाड़ की कोशिश हो रही है। इसको लेकर टीएमसी के दिग्गज नेता डॉ. शशि पांजा और कुणाल घोष स्टेडियम के बाहर ही पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ धरने पर बैठ गए। इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद सखावत मेमोरियल स्कूल में बने स्ट्रॉन्ग रूम पहुंचीं, जहां उनकी विधानसभा सीट भवानीपुर की इवीएम मशीनें रखी हैं। हालांकि चुनाव आयोग ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। आयोग ने कहा कि आरोप निराधार हैं। स्ट्रॉन्ग रूम में रखे बैलेट की छंटनी की जा रही थी। ये प्रक्रिया का हिस्सा है और इसे लेकर सभी पार्टियों को पहले से सूचित भी किया गया था। किसी तरह की कोई छेड़छाड़ बैलेट बॉक्स के साथ नहीं की गई है। आयोग ने कहा कि खुदीराम अन-शीलन केंद्र के सभी 7 स्ट्रॉन्ग रूम पूरी तरह सुरक्षित और सील हैं। दूसरे कमरे में पोस्टल बैलेट (डाक वोट) की छंटनी का काम चल रहा था, जिसे लेकर शायद भ्रम फैल गया। इस समय बीजेपी कार्यकर्ता भी मौके पर जमकर नारेबाजी कर रहे हैं और उनका साफ कहना है कि जब तक ममता बनर्जी वहां से नहीं हटेंगी, वे भी पीछे नहीं हटेंगे। स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर टीएमसी और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच मचे इस घमासान से माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया है।

टीएमसी का आरोप है कि बीजेपी और चुनाव आयोग मिलकर लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। पार्टी का कहना है कि उनकी जानकारी के बिना स्ट्रॉन्ग रूम के आसपास हलचल हो रही है, जो कि सरासर गलत है। सिर्फ कोलकाता ही नहीं, दुर्गापुर में भी माहौल गर्म है। वहां स्ट्रॉन्ग रूम से महज 200 मीटर की दूरी पर टीएमसी कार्यकर्ताओं ने अपना डेरा डाल दिया है। कड़कती धूप और भीषण गर्मी में करीब 100 कार्यकर्ता दिन-रात शिफ्ट लगाकर पहरा दे रहे हैं। इस बीच, मानिकतला में भी माहौल बिगड़ गया, जहां बीजेपी उम्मीदवार तापस रॉय और पुलिस के बीच तीखी झड़प हो गई। खबर तो ये भी है कि इस हंगामे के बीच नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी भी खुद मौके पर पहुंच सकते हैं। ▶8पर

टुडेज़ चाणक्य : भाजपा 192 सीटें

नयी दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।
पश्चिम बंगाल में ज्यादातर एग्जिट पोल्स में भाजपा की बंपर जीत का अनुमान लगाया गया है। एक और एग्जिट पोल में भाजपा के लिए खुशखबरी आई है। आज जारी न्यूज-18 और वोट वाइब एग्जिट पोल के अनुसार, भाजपा इस बार बंगाल में 143-163 सीटें जीत सकती है। तृणमूल कांग्रेस को 127-147 सीटों का अनुमान लगाया। वहीं, कांग्रेस दो से चार और आईएसएफ शून्य से दो सीट जीत सकती है। मिड प्वाइंट की बात करें तो भाजपा 153, टीएमसी 137 सीट जीत सकती है।

पहले फेज में भाजपा को 88-98, दूसरे फेज में 55-65 सीटें मिलने का अनुमान है। वहीं, टीएमसी को पहले फेज में 51-61, दूसरे फेज में 76-86 सीटें मिल सकती हैं। हालांकि, वोट शेयर में ज्यादा अंतर है। तृणमूल कांग्रेस को 43 फीसदी वोट, जबकि भाजपा को 44 फीसदी वोट मिल सकता है। 13 फीसदी वोट अन्य के खाते में जा सकता है। वहीं, एक और एग्जिट पोल (चुनाव बाद सर्वेक्षण) में संभावना जताई गई है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पश्चिम बंगाल और असम में प्रचंड जीत हासिल करेगी, जबकि द्रमुक तमिलनाडु में सत्ता बरकरार रखेगी। टुडेज चाणक्य ने पश्चिम बंगाल में भाजपा को 192 सीटें और तृणमूल कांग्रेस को 100 सीटें मिलने का अनुमान लगाया है। पश्चिम बंगाल में कुल 294 सीटें हैं और बहुमत का आंकड़ा 148 है।

पश्चिम बंगाल में बुधवार को दूसरे एवं अंतिम चरण में मतदान संपन्न हुआ। इससे पहले बीते 23 अप्रैल को राज्य की 152 सीटों पर मतदान हुआ था। प्रदेश में विधानसभा की कुल 294 सीटें हैं। केरल, असम और पुडुचेरी में नौ अप्रैल तथा तमिलनाडु में 23 अप्रैल को मतदान संपन्न हुआ था। चार मई को सभी राज्यों के नतीजे घोषित होंगे।

दीदी का दावा 226

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान पूरा हो चुका हैं। अब इंतजार है तो चार मई का। इसी दिन वोटों की गिनती होगी और चुनाव के परिणामों की घोषणा की जाएगी। इस बार दो चरणों में हुए मतदान में बंपर वोटिंग हुई। बीजेपी, तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस समेत सभी राजनीतिक दल जीत का दावा कर रहे हैं। इन सब के बीच बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में मुख्यमंत्री ममता ने जनता को संबोधित करते हुए उनके प्रति आभार जताया और चुनाव प्रक्रिया के दौरान हुए घटनाक्रम पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों और दबाव के बावजूद जनता ने लोकतंत्र में विश्वास दिखाते हुए भारी संख्या में मतदान किया। साथ ही उन्होंने दावा किया इस बार के चुनाव में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) 226 से ज्यादा सीटें जीतेगी। ममता बनर्जी ने अपने संबोधन की शुरुआत बंगाल की जनता को प्रणाम, सलाम और शुभकामनाएं देकर की। उन्होंने कहा कि तेज गर्मी और अत्याचार के बावजूद लोगों ने लाइन में खड़े होकर वोट दिया, जिसके लिए वे बेहद आभारी हैं। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने जीवन दाव पर लगाकर संघर्ष किया और ▶8पर

पवन खेड़ा मामले में सुप्रीम फैसला सुरक्षित

नयी दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।
सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। खेड़ा ने यह याचिका असम पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के सिलसिले में अग्रिम जमानत की मांग करते हुए दायर की थी। यह एफआईआर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा की शिकायत पर दर्ज की गई थी। शिकायत में खेड़ा पर यह आरोप लगाया गया था कि उन्होंने दावा किया था कि रिनिकी भुइयां सरमा के पास कई पासपोर्ट हैं। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस अतुल चंदुरकर की बेंच ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की उस याचिका पर सुनवाई की, जिसमें उन्होंने गुवाहाटी हाई कोर्ट द्वारा उनकी अग्रिम जमानत याचिका को खारिज किए जाने के फैसले को चुनौती दी थी। खेड़ा की ओर से पेश वरिष्ठ वकील डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने अपनी बात की शुरुआत यह कहते हुए की कि यह एक अभूतपूर्व मामला है, क्योंकि इसमें सरकारी वकील के भी बॉस के बॉस के बॉस के बयान शामिल हैं। उनका इशारा असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा सार्वजनिक रूप से दिए गए कुछ बयानों की ओर था।

सिंघवी ने कहा कि वह खुली अदालत में सरमा के कुछ बयानों को पढ़कर नहीं सुना सकते, क्योंकि उनमें कुछ ऐसे शब्द इस्तेमाल किए गए हैं जिन्हें छापा नहीं जा सकता। ▶8पर

...अगर हार गई ममता, तो...

पार्टी टूटने का डर, विपक्ष भी होगा कमज़ोर

नयी दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।
पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे तो 4 मई को आएंगे। लेकिन इससे पहले कई एजेंसियों के एग्जिट पोल सामने आए हैं, जिनमें बंगाल में बीजेपी की सरकार बनती दिख रही है। अगर ये एग्जिट पोल सही साबित होते हैं, तो ममता बनर्जी के लिए बड़ा झटका होगा। ममता बनर्जी देश में विपक्ष का सबसे बड़ा चेहरा है। अगर ममता की हार पूरे विपक्ष की हार मानी जाएगी। तेजस्वी और अखिलेश यादव ने भी ममता के लिए प्रचार किया था। इसके अलावा केजरीवाल ने भी बंगाल में ममता का प्रचार किया। अगर ममता हारीं तो सबकी हार मानी जाएगी। तृणमूल कांग्रेस पार्टी को बचाना ममता बनर्जी की बड़ी चुनौती होगी। हार से टीएमसी में बिखराव का खतरा बढ़ेगा। अगर ऐसा हुआ तो टीएमसी के बड़े नेता बीजेपी में जा सकते हैं। उदाहरण के लिए 2011 में ममता ने लेफ्ट को हराया था। हार के बाद लेफ्ट के कई नेता टीएमसी में आए थे। पार्टी में नए-पुराने नेताओं में टकराव का डर बढ़ जाएगा। चुनावी रणनीति में अभिषेक बनर्जी की भूमिका थी। ऐसे में अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व पर भी सवाल उठेंगे। पार्टी लीडरशिप पर अभिषेक के दावे का असर होगा। इसलिए ममता बनर्जी आसानी से मैदान नहीं छोड़ेंगी। अगर सत्ता गई तो वो स्ट्रीट फाइटर मोड में लौटेंगी।

बंगाल में हिंसा और टकराव बढ़ सकता है।

वहीं अगर ममता बनर्जी चुनाव जीत जाती हैं, तो वो विपक्ष का सबसे प्रमुख चेहरा बनकर उभरेंगी। यह माना जाएगा कि तमाम कोशिशों के बाद भी भाजपा ममता का किला नहीं ढहा पाई। देश में मैसेज जाएगा कि भले ही देश में कई जगह बीजेपी जीत गई, बिहार में भी पहली बार बीजेपी का मुख्यमंत्री बन गया, बीजेपी ने अखिलेश, तेजस्वी, केजरीवाल को हरा दिया लेकिन पश्चिम बंगाल में बीजेपी ममता को नहीं हिला पाई। विपक्षी गठबंधन में उन्हें किंगमेकर की तरह देखा जाएगा। जीत के बाद ममता के चेहरे पर विपक्ष एकजुट हो सकता है। ममता की जीत देश में क्षेत्रीय दलों की मजबूती का संकेत होगा। संदेश जाएगा कि अकेली पार्टी भी भाजपा से लड़ सकती है। सपा, राजद और द्रमुक जैसी पार्टियों का मनोबल बढ़ेगा। हाल ही में ममता ने दिल्ली को लेकर भी संकेत दिया है। ममता ने कहा था कि मुझे कुर्सी नहीं चाहिए, मैं ऐसे ही केंद्र से लड़ूंगी। बंगाल में जीत, उनकी केंद्र की राजनीति के लिए लॉन्चपैड होगी। केंद्र में मोदी सरकार के खिलाफ बड़ा गुट तैयार होगा।

अगर बीजेपी बंगाल जीत जाती है, तो यह इतिहास में पहला मौका होगा, जब बंगाल भगवामय होगा। भाजपा की जीत भारतीय राजनीति में ऐतिहासिक मोड़ होगी। बंगाल में जीत, 2014 की जीत जैसी बड़ी उपलब्धी होगी। यह प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता और कद बढ़ने का सीधा संकेत माना जाएगा। बंगाल को वामपंथ और टीएमसी का किला माना जाता रहा है। जीत हुई तो पहली बार बंगाल दक्षिणपंथी विचारधारा चुनेगा। ममता बनर्जी ने हमेशा से बीजेपी को बाहरी बताया है। यह जीत संकेत देगी कि बंगाल ने भाजपा को स्वीकार कर लिया है। हिंदी पट्टी के बाद बंगाल हिंदुत्व की राजनीति का नया केंद्र बनेगा। संदेश जाएगा कि अगर बीजेपी बंगाल जीत सकती है तो दक्षिण भी दूर नहीं।

उत्तर प्रदेश में 2012 के चुनाव में 13.40% वोटिंग बढ़ी। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 39°
न्यूनतम : 27°

केदारनाथ मार्ग पर सवाल

राजा सिंह ने धामी और प्रशासन को चेताया

हैदराबाद/केदारनाथ, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
केदारनाथ यात्रा मार्ग पर व्याप्त अव्यवस्थाओं और जोखिमपूर्ण हालात को लेकर तेलंगाना के गोशामहल से भाजपा विधायक टी. राजा सिंह ने उत्तराखंड सरकार और प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री, मंदिर समिति और स्थानीय प्रशासन को पत्र लिखकर यात्रा मार्ग की जर्जर स्थिति, संभावित दुर्घटनाओं और मूलभूत सुविधाओं की कमी पर गंभीर चिंता जताई है।

विधायक राजा सिंह ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि

केदारनाथ से गौरीकुंड तक पैदल यात्रा के दौरान कई स्थानों पर मार्ग अत्यंत खराब स्थिति में है। रास्ते में गहरे गड्ढे और असमतल सतह के कारण खच्चरों और घोड़ों के फिसलने की घटनाएं सामने आ रही हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि यह स्थिति विशेष रूप से महिलाओं, वृद्धजनों और बच्चों के लिए अत्यंत जोखिमपूर्ण है और किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। पत्र में आगे कहा गया है कि वर्तमान हालात को देखते हुए आगामी वर्षा ऋतु में स्थिति और भी भयावह हो सकती है। ऐसे में समय रहते मार्ग की मरम्मत और समतलीकरण अत्यंत आवश्यक है। ▶8पर

होर्मुज नहीं अब कहिए स्ट्रेट ऑफ ट्रंप

नयी दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।
दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण और रणनीतिक रूप से संवेदनशील समुद्री रास्तों में से एक होर्मुज जलडमरूमध्य अब एक नए नाम को लेकर चर्चा में है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार देर रात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट साझा की, जिसमें इस जलमार्ग का नाम बदलकर स्ट्रेट ऑफ ट्रंप करने का प्रस्ताव दिया गया है। ट्रंप की ओर से शेयर की गई इस पोस्ट में एक नक्शा भी दिखाया गया है, जिसमें इस प्रमुख समुद्री चोकपॉइंट को नए नाम के साथ लेबल किया गया है।

होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है। यह वैश्विक तेल व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि दुनिया के कुल कच्चे तेल के शिपमेंट का एक बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से होकर गुजरता है। भारत भी अपनी तेल जरूरतों का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से आयात करता है। यह पोस्ट ट्रंप की उन पिछली टिप्पणियों को और बल देती है, जिनमें उन्होंने सांकेतिक रूप से नाम बदलने का संकेत दिया था। ▶8पर

इजराइल ने फ्लोटिला समूह के राहत सामग्री लेकर गाजा जा रहे जहाजों को ग्रीस में रोका

क्रीट (ग्रीस)

इजराइल के रक्षा बलों ने राहत सामग्री लेकर गाजा जा रहे जहाजों के एक बड़े बेड़े को यूनानी द्वीप क्रीट के पास अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में आगे बढ़ने से रोक दिया है। संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के दूत डैनी डैनन ने इसकी पुष्टि की है। डैनी डैनन ने एक्स पर कहा, जहाजों के बेड़े में इजराइल के इलाके में पहुंचने से पहले ही रोक दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, दूत डैनन ने कहा कि इजराइली सैनिकों ने पूरी दृढ़ता के साथ काम किया है। इस बीच फ्रीडम फ्लोटिला समूह (ग्लोबल सुमुद फ्लोटिला) ने इजराइल की चेतावनी की रिकार्डिंग जारी की है। समूह का कहना है कि यह चेतावनी उनके गाजा जा रहे जहाजों के लिए जारी की गई है। इसमें कहा गया है कि राहत सामग्री लेकर गाजा की ओर जाने की कोई भी और कोशिश आपकी सुरक्षा को खतरे में डाल देगी। इजराइली सेना के पास कानूनी समुद्री सुरक्षा नाकाबंदी को लागू करने के लिए सभी विकल्प मौजूद हैं। चेतावनी में कहा गया है, गाज़ा पट्टी की कानूनी समुद्री सुरक्षा नाकाबंदी को तोड़ने की कोशिशें अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन मानी जाएंगी। अगर आप मानवीय सहायता ले जा रहे हैं, तो आपको अशदोद बंदरगाह पर जाने के लिए आमंत्रित किया जाता है, जहां सहायता की सुरक्षा जांच की जाएगी और उसके बाद उसे गाजा पट्टी भेज दिया जाएगा। इस संबंध में ग्लोबल सुमुद फ्लोटिला के जनसंपर्क अधिकारी गुर त्सबार का कहना है कि गाजा जा रहे मानवीय सहायता वाले जहाजों के काफिले पर इजराइल का हमला अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत गैरकानूनी है। उन्होंने कहा, यह अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में आम नागरिकों पर सीधा हमला है। इजराइल से सैकड़ों मील दूर निहत्थे नागरिकों की नावों को घेरा जा रहा है और बंदूक के बल पर धमकाया जा रहा है। इस जलक्षेत्र में इजराइल का कोई अधिकार नहीं है। त्सबार ने दुनिया भर की सरकारों से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने बेड़े में शामिल 400 से ज्यादा लोगों की सुरक्षा बेहद जरूरी है। उल्लेखनीय है कि इजराइल की नाकाबंदी 2007 से जारी है। हालांकि 2008 के बाद दो नाव इजराइली नौसेना की नाकाबंदी को तोड़कर गाजा पहुंचने में सफल रही थीं, तब से सहायता ले जाने वाली कोई भी नाव गाजा नहीं पहुँच पाई है। 2010 में तो इजराइली कमांडो ने ऐसी कोशिश कर रहे तुर्किये के 10 मानवाधिकार कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी थी। सीबीएस न्यूज के अनुसार 2 मई, 2025 को इजराइल ने गाजा पट्टी जा रहे इस समूह के एक जहाज पर माल्टा के तट पर अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में आधी रात को ड्रोन से हमला किया था।

न्यूज़ ब्रीफ

नेपाल : सरकार ने राजनीतिक नियुक्ति पाने वाले 2200 लोगों को एक साथ हटाने के लिए अध्यादेश राष्ट्रपति के पास भेजा गया

काठमांडू। नेपाल सरकार ने राजनीतिक नियुक्ति पाने वाले 2200 लोगों को एक साथ हटाने के लिए नया अध्यादेश राष्ट्रपति के पास भेजा है। मौजूदा सरकार ने सार्वजनिक पदाधिकारियों को पदमुक्त करने संबंधी विशेष व्यवस्था से जुड़े इस अध्यादेश में राष्ट्रपति से पिछली सरकारों के कार्यकाल में सरकारी और संवैधानिक पदों पर की गई राजनैतिक नियुक्तियों को एक साथ रद करने की सिफारिश की है। प्रधानमंत्री सचिवालय ने कहा है कि यह अध्यादेश सार्वजनिक निकायों में राजनीतिक रूप से नियुक्त और वर्तमान में कार्यरत पदाधिकारियों को पदमुक्त करने के उद्देश्य से लाया गया है। सचिवालय के अनुसार, अध्यादेश का उद्देश्य सार्वजनिक निकायों में नियुक्तियों को पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी बनाना, दलीय राजनीतिक हस्तक्षेप समाप्त करना, सार्वजनिक निर्माण कार्यों को तेज करना, सहकारी संस्थाओं के छोटे बचतकर्ताओं का पैसा वापस कराना तथा भूमि, मालपोत और नापी जैसी सेवाओं को प्रभावी बनाना है। यदि राष्ट्रपति इस अध्यादेश को स्वीकृत प्रदान करते हैं तो एक ही झटके में करीब 2200 सरकारी नियुक्तियां खारिज हो जाएंगी। यह अध्यादेश बालेन्द्र सरकार की शासकीय सुधार की कार्यसूची का हिस्सा है। सरकार गठन के बाद सत्तारूढ़ दल के अध्यक्ष रवि लामिछाने ने राजनीतिक नियुक्ति पाने वाले सभी लोगों से इस्तीफा देने की अपील की थी। इस अपील के बाद बहुत ही कम लोगों ने अपना पद छोड़ा है।

टर्किश एयरलाइंस 01 मई से दमिश्क, बेरूत और अम्मान के लिए उड़ानें बहाल करेगी

इस्तांबुल। टर्किश एयरलाइंस ने घोषणा की है कि वह एक मई से पश्चिम एशिया के तीन प्रमुख शहरों दमिश्क, बेरूत और अम्मान के लिए अपनी उड़ान सेवाएं फिर से शुरू करेगी। एयरलाइन के अनुसार, इन रूट्स पर उड़ानें 28 फरवरी से निलंबित थीं। उस समय क्षेत्र में बढ़े तनाव, विशेष रूप से ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद कई देशों के हवाई क्षेत्र प्रभावित हो गए थे, जिसके चलते उड़ानों को रोकना पड़ा था। अब क्षेत्र में स्थिति कुछ हद तक सामान्य होने के संकेत मिलने के बाद एयरलाइन ने इन महत्वपूर्ण मार्गों पर सेवाएं बहाल करने का फैसला लिया है। यह कदम यात्रियों और व्यापारिक गतिविधियों के लिए राहत भरा माना जा रहा है, क्योंकि ये तीनों शहर क्षेत्रीय संपर्क के लिहाज से बेहद अहम हैं। उड़ानों की बहाली से न केवल हवाई यातायात में सुधार होगा, बल्कि क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। साथ ही उन यात्रियों को विशेष राहत मिलेगी, जो पिछले कुछ महीनों से इन रूट्स पर यात्रा के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाओं का सहारा ले रहे थे।

ट्रंप होर्मुज को बनाएंगे हथियार, ईरान को लंबा झटका देने की बना रहे योजना

वाशिंगटन। स्ट्रेट आफ होर्मुज बीते 2 महीने से अमेरिका और ईरान के बीच शुरू हुई जंग से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। यहां से जहाजों की आवाजाही ठप पड़ी है और कई देशों में ईंधन की कमी से हालात खराब हो रहे हैं। अब खबर आ रही है कि यह रास्ता अभी लंबे समय तक बंद रह सकता है। इसकी वजह है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नया प्लान। एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि ट्रंप ईरान को लंबा झटका देने की योजना बना रहे हैं और इसके लिए वे होर्मुज को हथियार बनाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने होर्मुज में लंबे समय तक घेराबंदी की योजना बनाई है। ट्रंप ने इसके लिए अपने अधिकारियों को लान्ग-टर्म सीज के लिए तैयार रहने को कहा है। ट्रंप ने इससे पहले दो अन्य विकल्पों पर विचार किया था। इसके तहत या तो अमेरिका ईरान पर फिर से हमले शुरू कर देता या फिर युद्ध को हमेशा के लिए खत्म कर देता। हालांकि इन दोनों ही विकल्पों में अमेरिका को ज्यादा नुकसान दिखा। इसीलिए अब ट्रंप ने नाकेबंदी जारी रखते हुए ईरान पर आर्थिक दबाव बनाने का फैसला किया है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ईरान के तेल निर्यात को प्रभावित कर उसे गहरी चोट देने की कोशिश कर रहा है। होर्मुज ईरान के तेल निर्यात के लिए बेहद अहम है और इस रास्ते से ईरान के तेल टैंकरों की आवाजाही को सीमित कर अमेरिका इसी लाइफलाइन को काटने की कोशिश में है।

नेपाल में नए कस्टम नियम से सैकड़ों कंटेनर सीमा पर अटके

काठमांडू

नेपाल सरकार के 30 अप्रैल से विदेश से आयात होने वाले सामान पर भी अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) लेबल अनिवार्य किए जाने के बाद अधिकांश आयातित वस्तुओं का कस्टम क्लियरेंस ठप हो गया है। इससे सैकड़ों कंटेनर सीमा पार अटक गए हैं।

पहली अप्रैल को नेपाल के वाणिज्य विभाग ने सूचना जारी कर देश में उत्पादित और आयातित तैयार वस्तुओं पर 30 अप्रैल से एमआरपी लेबल अनिवार्य करने की जानकारी दी थी। इस समय सीमा के अनुसार, मध्य रात 12 बजे सी एमआरपी उल्लेख न होने वाले किसी भी सामान का कस्टम क्लियरेंस नहीं हो रहा है। कई कस्टम कार्यालयों ने इसकी पुष्टि की है।

उपभोक्ता संरक्षण की धारा 6(3) के अनुसार, नेपाल में उत्पादित वस्तुओं के लिए निर्माता और विदेश से आयातित वस्तुओं के लिए आयातकर्ता को नेपाली या अंग्रेजी भाषा में एमआरपी अनिवार्य रूप से अंकित करना होता है। कानून के मुताबिक, ऐसे उत्पाद जिन पर उपभोक्ता आसानी से समझ सकने वाला मूल्य अंकित न हो, उन्हें बाजार में बेचा नहीं जा सकता। मूल्य निर्धारण करते समय सभी करों को शामिल कर एमआरपी तय करना आवश्यक है।

लेबल पर मूल्य के अलावा अन्य महत्वपूर्ण विवरण भी देना अनिवार्य है, जैसे—वस्तु का वजन या मात्रा, उत्पादन तिथि, बैच नंबर, उपभोग की अंतिम तिथि और संभावित साइड इफेक्ट की जानकारी विशेष रूप से हार्डवेयर, इलेक्ट्रानिक उपकरण या मशीनरी के मामले में गारंटी/वारंटी अवधि और संभावित जोखिम (जैसे टूट-फूट या ज्वलनशीलता) की जानकारी देना जरूरी है। स्वास्थ्य के लिए हानिकारक वस्तुओं पर चेतावनी संदेश या चित्र भी अनिवार्य है।

इन कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन करने पर 3 लाख रुपये तक जुर्माना लगाया जा सकता है। हालांकि, सख्त कानून के बावजूद इसके व्यावहारिक कार्यान्वयन में चुनौतियाँ सामने आ रही हैं। सरकार ने कस्टम प्रणाली को सरल बनाने और वाणिज्य तथा उपभोक्ता संरक्षण कार्यों को अलग कर प्रभावी निगरानी के माध्यम से एमआरपी लागू करने की बात कही थी। वाणिज्य विभाग के अनुसार, खाद्य सामग्री में उत्पादन और उपभोग तिथि तथा तैयार वस्तुओं में ब्रांड और एमआरपी अनिवार्य है।

सरकार के निर्देशानुसार वीरगंज, भैरहवा, विराटनगर, रसुवा, नेपालगंज और कांकड़भिट्टा जैसे प्रमुख कस्टम नाकों पर एमआरपी और निर्धारित मानकों को पूरा न करने वाले सामान का क्लियरेंस पूरी तरह रोक दिया गया है। स्थिति यह है कि कस्टम क्लियरेंस ठप होने से 1000 से अधिक मालवाहक वाहन सीमा पर फंसे हुए हैं। इनमें से केवल वीरगंज में ही लगभग 600 कंटेनर रुके हुए हैं, जबकि अन्य स्थानों पर 20 से 100 तक कंटेनर अटके हैं।

हालांकि आवश्यक और औद्योगिक सामग्री का कस्टम क्लियरेंस जारी है। फल, हरी सब्जियां, लहसुन जैसे जल्दी खराब होने वाले सामान, कच्चा पाम आयल, औद्योगिक कच्चा माल, जलविद्युत परियोजनाओं की सामग्री और मशीनरी का क्लियरेंस नियमित रूप से हो रहा है।

वीरगंज कस्टम के अधिकारी उदय सिंह विष्ट के अनुसार, ऊपर से निर्देश मिलने के कारण मानक पूरा न करने वाले सामान का क्लियरेंस संभव नहीं है। वहीं आयातकर्ता इस बात को लेकर असमंजस में हैं कि कस्टम पहुंच चुके सामान पर अब एमआरपी लेबल कैसे लगाया जाए। भैरहवा कस्टम प्रमुख हरिहर पौडेल ने बताया कि केवल मानक पूरा करने वाले सामान का ही क्लियरेंस हो रहा है।

रसुवागढ़ी नाके पर चीन से आए कपड़े और जूते के करीब 20 कंटेनर रुके हुए हैं। सूचना अधिकारी ठाकुर गौतम के अनुसार, एमआरपी न होने के कारण व्यापारी जुर्माने के डर से कस्टम घोषणा पत्र भरने से भी बच रहे हैं। विराटनगर कस्टम प्रमुख उमेश श्रेष्ठ ने कहा कि सरकार की नीति का सख्ती से पालन किया जा रहा है और बिना एमआरपी वाले सामान का क्लियरेंस संभव नहीं है।

सरकार का कहना है कि यह नीति उपभोक्ताओं को ठगी से बचाने और बाजार मूल्य नियंत्रण के लिए लाई गई है, लेकिन व्यवसायी पूर्व तैयारी और स्पष्ट कार्यविधि की कमी का हवाला देते हुए इसका विरोध कर रहे हैं। व्यवसायियों ने कई बार उद्योग मंत्री और वाणिज्य विभाग के महानिदेशक से मुलाकात कर अपनी आपत्तियाँ दर्ज कराई हैं, लेकिन सरकार हर हाल में एमआरपी लागू करने के पक्ष में है।

व्यवसायियों का कहना है कि वे नियम के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन इसे व्यावहारिक तरीके से लागू किया जाना चाहिए। उनका सुझाव है कि पहले यह तय किया जाए कि किन वस्तुओं पर एमआरपी लगाया जा सकता है और किन पर नहीं, और कस्टम के बजाय गोदाम या बिक्री बिंदु पर लेबलिंग की अनुमति दी जाए।

अमेरिका में जेन-जी के बीच बिजनेस फर्स्ट, जाब लेटर उभरता नया ट्रेंड

वाशिंगटन

अमेरिका में 2026 के साथ ही करियर और सफलता की पारंपरिक परिभाषा तेजी से बदलती दिखाई दे रही है। जहां पहले युवाओं के लिए किसी एंट्री-लेवल नौकरी को करियर की पहली सीढ़ी माना जाता था, वहीं अब नई पीढ़ी, खासकर जेन-जी, इस सोच से हटकर सीधे उद्यमिता की ओर बढ़ रही है। बिजनेस फर्स्ट, जाब लेटर जैसी सोच अब एक उभरता हुआ ट्रेंड बन गई है, जिसमें युवा पहले अपना व्यवसाय शुरू करने को प्राथमिकता देते हैं और नौकरी को बाद में एक विकल्प के रूप में देखते हैं।

इस बदलाव का सबसे बड़ा कारण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का तेजी से बढ़ता प्रभाव है। कई बड़ी कंपनियां लागत कम करने और कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए एआई का उपयोग कर रही हैं, जिससे शुरुआती स्तर की नौकरियों में कमी दिख रही है। टेक सेक्टर में एंट्री-लेवल पदों में 10 से 40 प्रतिशत तक की कटौती की रिपोर्ट्स सामने आई हैं। इससे युवाओं में पारंपरिक नौकरी बाजार को लेकर अनिश्चितता बढ़ी है।

एक सर्वे के अनुसार, लगभग 69 प्रतिशत युवा अब अमेरिकन ड्रीम को स्थिर नौकरी से नहीं बल्कि अपने खुद के कारोबार से जोड़कर देख रहे हैं। वे स्वतंत्रता, लचीलापन और तेजी से विकास के अवसरों को अधिक महत्व दे रहे हैं। कम वेतन, धीमी करियर ग्रोथ और कारपोरेट संरचना की सीमाएं भी उन्हें पारंपरिक नौकरियों से दूर कर रही हैं।

इसके साथ ही फ्रीलांसिंग और पोर्टफोलियो आधारित काम का चलन भी तेजी से बढ़ा है। युवा अब नौकरी के आवेदन पर निर्भर रहने के बजाय अपने कौशल को सीधे बाजार और क्लाइंट्स तक पहुंचा रहे हैं। एआई आधारित टूल्स ने प्रक्रिया को आसान बनाया है, जिससे कम संसाधनों में भी बिजनेस शुरू करना संभव हो गया है। कई युवा एआई एजेंट्स का उपयोग करके अपने काम को आटोमेट भी कर रहे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव केवल एक अस्थायी प्रवृत्ति नहीं है, बल्कि करियर की एक नई दिशा है। अब सफलता का पैमाना केवल स्थिर नौकरी नहीं रह गया है, बल्कि नवाचार, जोखिम लेने की क्षमता और तकनीक के साथ तालमेल बनाकर अपना रास्ता खुद तय करने में देखा जा रहा है।

अमेरिकी पासपोर्ट पर नजर आएगी डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीर

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अपने लीक से हटकर लिए गए फैसलों को लेकर चर्चा में हैं। सरकारी संस्थानों और प्रतीकों पर अपनी निजी छाप छोड़ने की कड़ी में अब अमेरिकी पासपोर्ट में भी उनकी तस्वीर नजर आएगी। अमेरिकी अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, अमेरिका की स्वतंत्रता की 250वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में पासपोर्ट का एक लिमिटेड एडिशन जारी किया जाएगा, जिसमें राष्ट्रपति ट्रंप की फोटो और उनके हस्ताक्षर मौजूद होंगे। यह कदम अमेरिकी कूटनीतिक इतिहास में परंपराओं को तोड़ने वाला माना जा रहा है, क्योंकि आमतौर पर पासपोर्ट पर किसी जीवित राजनेता के बजाय राष्ट्रीय धरोहरों और ऐतिहासिक प्रतीकों का चित्रण होता है। इस विशेष पासपोर्ट के आंतरिक पन्नों पर दो प्रमुख छवियां प्रमुखता से अंकित होंगी। पहली तस्वीर में राष्ट्रपति ट्रंप की आधिकारिक फोटो को अमेरिकी स्वतंत्रता घोषणा-पत्र के बैकग्राउंड के साथ लगाया गया है, जिसके नीचे उनका सुनहरे रंग का डिजिटल हस्ताक्षर होगा। दूसरी तस्वीर में अमेरिका के संस्थापक पिताओं की प्रसिद्ध ऐतिहासिक पेंटिंग को जगह दी गई है। स्टेट डिपार्टमेंट के मुताबिक, यह खास डिजाइन वाले पासपोर्ट जुलाई 2026 में अमेरिका के 250वें स्थापना दिवस के मौके पर जारी किए जाएंगे। फिलहाल यह सुविधा केवल वाशिंगटन में उपलब्ध होगी और पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर सीमित स्टाक रहने तक दी जाएगी।

ईरान-अमेरिका युद्ध का रेफरी बना पाक खुद तालिबान से भिड़ गया

काबुल

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से चला आ रहा सीमा विवाद एक बार फिर हिंसक मोड़ ले चुका है। पिछले कुछ समय से सीमा पर बनी शांति उस समय भंग हो गई, जब अफगानिस्तान ने पाकिस्तान पर कुनार प्रांत में भीषण हमले करने का गंभीर आरोप लगाया। अफगान अधिकारियों के मुताबिक, कुनार प्रांत के असदाबाद और मनवर इलाकों में पाकिस्तानी फौज द्वारा किए गए मोर्टार और राकेट हमलों में अब तक 7 लोगों की जान जा चुकी है। इस हमले की सबसे भयावह तस्वीर तब सामने आई जब एक शैक्षणिक संस्थान इसकी चपेट में आ गया। बताया जा रहा है कि इस घटना में करीब 70 लोग घायल हुए हैं, जिनमें 30 छात्र शामिल हैं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंच पर खुद को एक शांति दूत के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। एक तरफ पाकिस्तान ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाने का प्रयास कर रहा है, वहीं दूसरी ओर पड़ोसी देश के शिक्षण संस्थानों पर बमबारी के आरोपों ने उसकी दोहरी नीति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, दोनों देशों के बीच यह तल्खी नई नहीं है। साल 2025 में भी कई बार सीमा पर भारी गोलीबारी हुई थी और 2026 की शुरुआत भी बारूद की गूंज के साथ हुई है। पाकिस्तान इन कार्रवाइयों को आतंकवाद के

खिलाफ जंग बताता है, जबकि अफगानिस्तान इसे अपनी क्षेत्रीय संप्रभुता का उल्लंघन करार देता है। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे नागरिक आबादी पर कायराना हमला बताया है। विरोध स्वरूप अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तानी दूतावास के प्रभारी (शाजे डी अफेयर्स) को तलब कर डूरंड लाइन के पास रिहायशी इलाकों और विशेषकर विश्वविद्यालय को निशाना बनाए जाने पर कड़ा ऐतराज जताया।

दूसरी ओर, पाकिस्तान ने इन दावों को फर्जी बताते हुए खारिज कर दिया है। पाकिस्तान का कहना है कि उसकी सैन्य कार्रवाई पूरी तरह खुफिया जानकारी पर आधारित होती है और उसने बलूचिस्तान सीमा से सटी केवल उन चौकियों को निशाना बनाया है जहाँ से सुरक्षा को खतरा था। इस बढ़ते तनाव ने चीन की चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। बीजिंग के लिए यह विवाद सिरदर्द साबित हो रहा है क्योंकि उसके अरबों डालर के रणनीतिक और आर्थिक हित इस क्षेत्र से जुड़े हैं। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा की सुरक्षा पूरी तरह इस क्षेत्र की स्थिरता पर निर्भर है। यदि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसी स्थिति बनती है, तो न केवल चीन का व्यापार और निवेश प्रभावित होगा, बल्कि उग्रवादी समूहों की सक्रियता बढ़ने से उसके शिनजियांग प्रांत में भी अस्थिरता फैलने का डर है। यही कारण है कि चीन लगातार दोनों देशों के बीच मध्यस्थता की कोशिश कर रहा है ताकि उसकी ऊर्जा परियोजनाएं और कनेक्टिविटी के सपने सुरक्षित रह सकें।

नासा ने मंगल पर कुछ ऐसा खोज निकाला है जो सीधे-सीधे जिंदगी से जुड़ा

वाशिंगटन

नासा के सबसे भरोसेमंद मिशन में से एक क्यूरियोसिटी रोवर ने मंगल ग्रह पर कुछ ऐसा खोज निकाला है जो सीधे-सीधे जिंदगी से जुड़ा है। मंगल ग्रह जिसे हम सूखा, ठंडा और बंजर ग्रह मानते हैं। वहीं से अब मिले हैं आर्गेनिक मालिक्यूल ने इस धारण को बदल दिया है।

दरअसल सीधी भाषा में ये वहीं केमिकल कंपाउंड्स हैं, जिससे धरती पर जीवन की शुरुआत हुई थी। यानी यह लाइफ के बिल्डिंग ब्लाक्स माने जाते हैं। क्यूरियोसिटी रोअ ने मंगल के इक्वेटर के पास मौजूद एक सूखी झील यानी कि गेल क्रेटर में सात अलग-अलग आर्गेनिक कंपाउंड्स डिटेक्ट किए हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यहां यह है कि इनमें से पांच कंपाउंड्स पहले भी कभी मंगल पर दिखाई नहीं दिए।

बता दें कि क्या यह मालिक्यूल्स इस बात का सबूत है कि मंगल पर कभी जिंदगी थी

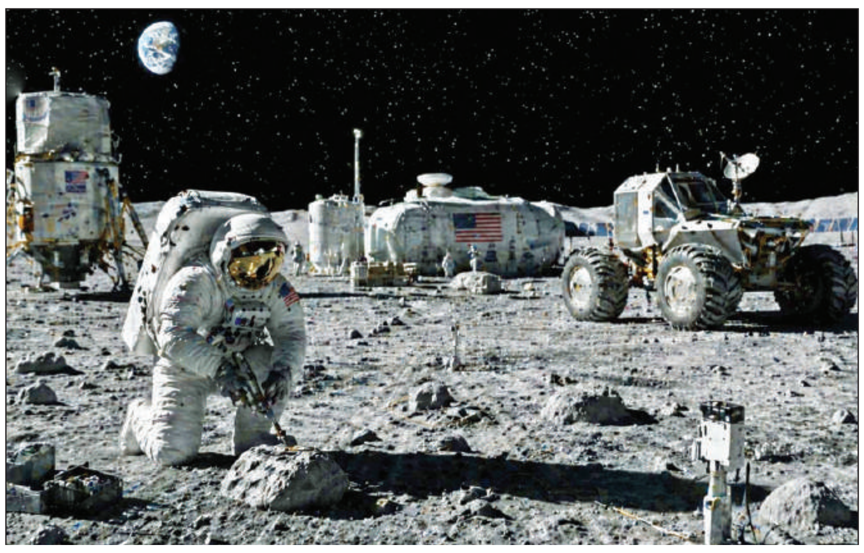

लेकिन अभी पक्का नहीं है क्योंकि यह मालिक्यूल्स तीन तरीके से आते हैं। प्राचीन माइक्रोस्कोपिक लाइफ से, मेट्राइड से या फिर जियोलाजिक प्रक्रिया से। लेकिन एक बात साफ है कि अगर मंगल पर कभी जिंदगी थी, तब उसके केमिकल निशान आज भी मौजूद है। आज मंगल का टेंपरेचर 100एसेल्सियस तक पहुंच चुका है और बहुत ही पतला एटमास्फियर है। खतरनाक सोलर रेडिएशंस हैं। लेकिन हमेशा ऐसा नहीं था। करोड़ों साल पहले वहां पानी बहता था। झीलें थी और एटमास्फयर भी थिक था। यानी बिल्कुल वैसा जैसा अर्थ पे होता है। इसलिए वैज्ञानिक मानते हैं कि मंगल पर जीवन की शुरुआत होना पूरी तरह से संभव हो सकता है।

अब सबसे बड़ा सवाल यहां ये उठता है क्या इतने पुराने केमिकल ट्रेसेस आज तक सर्वाइव कर सकते हैं और यहीं पर यह डिस्कवरी बनती है। बता दें कि क्यूरियोसिटी रोवर ने इसतरह के मालिक्यूल्स डिटेक्ट किए हैं जैसे कि बेंजोथियोफीन यानी कि सल्फर कंटेनिंग कंपाउंड और इसके साथ ही नाइट्रोजन बेस्ड कंपाउंड्स और इनका स्ट्रक्चर बिल्कुल डीएनए से जुड़ा हुआ है। यानी डीएनए से जुड़े मालिक्यूल्स जैसा मिलताजुलता है। ध्यान रखें कि ये डीएनए नहीं है लेकिन डीएनए बनाने वाली बिल्डिंग ब्लाक जरूर हो सकते हैं। क्यूरियोसिटी मिशन से जुड़ी वैज्ञानिक यानी कि साइंटिस्ट का मानना है कि हम शायद 3 बिलियन साल पुराने आर्गेनिक मैटर को देख रहे हैं। अब जरा सोचिए 3.5 अरब साल पुराना केमिकल एविडेंस आज भी मौजूद है। यूरोपियन स्पेस एजेंसी का रोजलैंड फ्रैंकलिन रोअ 2028 में लांच होगा और यह रोअ मंगल की सरफेस के 2 मीटर नीचे तक ड्रिल करेगा क्योंकि सरफेस के नीचे रेडिएशन कम होता है और आर्गेनिक मटेरियल ज्यादा सुरक्षित रहते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज प्रातः हनुमान अष्टक का पाठ करके ही दिन की शुरुआत करें। कारोबार में वृद्धि होगी। आपके सम्मान में बढोत्तरी होगी। नए काम से लाभ होगा। शत्रु पक्ष से सावधान रहें। नए व्यक्ति से मुलाकात होगी। निवेश संबंधी प्रस्ताव मिलेंगे। जरूरी फैसले जल्दबाजी में न लें। पारिवारिक जीवन खुशनुमा रहेगा। धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। जोखिम वाले करने से बचें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। गाय को गुड खिलाए पैसो की तंगी जरूर दूर होगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज सुबह ओंकार का मानसिक ध्यान और ध्वनि करें दिनभर सकारात्मकता रहेगी। मित्रों के साथ घूमने के लिए जाएंगे। पूजा पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय में प्रगति होगी।परिवार का सहयोग मिलेगा। उधार की रकम वापस मिलेगी। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। कार्यस्थल पर खुशखबरी मिलेगी। आपके ज्यादातर कार्य काम पूरे होंगे। आप बेहद खुश रहेंगे। आर्थिक लाभ होगा। सेहत ठीक रहेगी। आज किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी जो आप का मार्गदर्शक बनेगा ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

रोज सुबह शिवपूजन करके घर मे शंख की ध्वनि करें उर्जावान रहोगे आपको यात्रा पर जाना पड़ा सकता है। जोखिम ले सकते हैं। निवेश के अवसर आएंगे। आमदनी होगी। पारिवारिक कार्य सफल रहेंगे। बुजुर्गों का मार्गदर्शन मिलेगा। पारिवारिक कार्यक्रम हो सकते हैं। किसी रिश्तेदार से काफी समय बाद मुलाकात होने की संभावना है। बेरोजगारी दूर होगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सुबह हनुमानजी को चमेली का तेल अर्पित करें क्योंकि दिन सामान्य रहेगा। खर्च ज्यादा होने की संभावना है। परिवार के किसी सदस्य की सेहत बिगड़ सकती है। गैरजरूरी कार्यों में समय नष्ट करेंगे। किसी को उधार न दें। नुकसान की आशंका है। विवाद की स्थिति से दूर रहें। कर्ज की रकम फिलहाल वापस नहीं मिलेगी। ऑफिस में किसी से बहस हो सकती है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।गुस्सा करने से बचें। लाल चीटियों को आटा डाले मुसीबत दूर होगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

भविष्य के लिए नये निवेश के बारे मे प्लानिंग करेंगे जिससे आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। तनाव हो सकता है। शांत रहने का प्रयास करें। पुराने रूके हुए कार्य पूरे होंगे। उधार की रकम वापस मिल सकती है। सेहत को लेकर चिंतित रहेंगे। दफ्तर के सहयोगी से मतभेद दूर होंगे। लाभ के अवसर सामने आएंगे। व्यवसाय में प्रगति होगी। आज परिवार के खुली हवा मे घूमने जाएंगे थकान एकदम दूर होगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज किसी भी धार्मिक ग्रंथ का श्रवन करें पाठ करें आपका दिन बेहतर रहेगा। आपको सत्संग का लाभ मिलेगा। पुराने काम पूरे हो सकते हैं। आध्यात्मिकता में रुचि बढ़ेगी। विशेषज्ञ का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। अचानक किसी के साथ तनाव हो सकता है। क्रोध पर काबू रखें। आर्थिक स्थिति सुधरने की उम्मीद है। व्यवसाय में लाभ की संभावना है। विरोधियों से सावधान रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें डिनर मे हल्का भोजन करना ही उचित होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज स्त्रीवर्ग को कुछ उपहार भेंट करे कार्य सिद्धि होगी खुशखबरी मिलेगी। प्रसन्न रहेंगे। बड़ी जिम्मेदारी पूरी कर पाएंगे। परिवार के लोगों से मुलाकात होगी। आमदनी में बढ़ोतरी होगी। नए काम के लिए प्रयास कर सकते हैं। कैरियर से जुड़ी जानकारी मिलेगी। रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। छात्रों का पढ़ाई में मन लगेगा। धन लाभ होने की संभावना है। अनजान लोगों से मेलमिलाप न करें। आज यात्रा का नही हैं शाम के वक्त शिवालय मे दर्शन करे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज सुबह अन्नदान करके ही दिन शुरू करें आज दिनलड्सन में बीतेगा। तनावग्रस्त हो सकते हैं। कार्यस्थल पर खुशखबरी मिल सकती है। संतान पक्ष की सफलता से प्रसन्न रहेंगे। आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। शारीरिक दिक्कत होने की आशंका है। हड़बड़ी में जरूरी फैसला न लें। शत्रुओं से हानि होगी। यात्रा कर सकते हैं। जोखिम लेने से बचें। अपने खर्चा पर नियंत्रण रखें ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज बहुत बढीया दिन हैं रिस्क मे भी सफलता सुनिश्चित हैं अपने मित्रों के साथ समय बिता सकते हैं। विद्यार्थियों को सफलता प्राप्त होगी। परिवार में प्रसन्नता का माहौल रहेगा। नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर सकते हैं। घरेलू जिम्मेदारी पूरी करेंगे। नया मकान खरीदने का प्लान बना सकते हैं। किसी कार्य में ज्यादा खर्च होगा। सावधानी से बातचीत करें। आप भाग्य प्रबल है क्योंकि आप का लाईफ पाटनर आप को प्रत्येक परिस्थितियों मे साथ देगा आप का मनोबल बढाएगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप के सीनियर्स आप के काम से सन्तुष्ट होंगे अच्छी खबर मिलेगी। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। यात्रा पर जा सकते हैं। ऑफिस में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। तरक्की की सूचना मिलेगी। अनजान लोगों की मदद करने से पहले सोच विचार कर लें। किसी की वजह से आपको नुकसान हो सकता है। कारोबार अच्छा चलेगा। विवाद से बचें। ईश्वर की आराधना में मन लगेगा। आज बेरोजगारी दूर होगी नौकरी मे सफलता मिलेगी ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप को अपनी गुप्त बातो को सभी के सामने नही रखनी चाहिए अति विश्वास मित्र अथवा सहयोगी के साथ मंत्रणा करनी चाहिए आप काफी सकारात्मक रहेंगे। सेहत ठीक रहेगी। धन संबंधी स्थिति सुधरेगी। आपको खुशखबरी मिल सकती है। आपके स्वभाव से दूसरे प्रभावित रहेंगे। आपकी सराहना होगी। कुटिल लोगों से सतर्क रहें। आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे।युवाओं को आज सफलता मिलेगी। आप अविवाहित हैं तो हनुमानजी का पूजन करें सम्बन्ध सुनीश्चित होगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी विरोधियों से सतर्क रहना होगा अपनी निवेश की योजनाएं गुप्त रखनी पडेगी। कोई आपको नुकसान पहुंचा सकता है। किसी के बहकावे में न आएं। आर्थिक नुकसान की आशंका है। आज आपकी वजह से कई लोगों को लाभ होगा। किसी रिश्तेदार के यहां से दुखद समाचार मिल सकता है। तनाव की स्थिति निर्मित हो सकती है। अपनी वाणी पर बहुत ज्यादा नियंत्रण रखने की जरूरत हैं आप का क्रोध आप की भविष्योन्मुखी योजनाओं पर विराम लगा देगा आप के लोगों से मधुर सम्बन्ध भी धूमिल होंगे ।

आज का पंचांग

दिनांक : 01 मई 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : पूर्णिमा रात्रि 10:55 तक
नक्षत्र : स्वाति रात्रि 04:35 तक
योग : सिद्धि रात्रि 09:12 तक
करण : विष्टि प्रातः 10:03 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 05:50, सूर्यास्त 06:36 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 06:34 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:50, सूर्यास्त 06:28 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:42, सूर्यास्त 06:26 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : वैशाख पूर्णिमा पुण्य , श्री कूर्म–बुद्ध जयंती , वैशाख स्नान पूर्ण ,
भद्रा प्रातः 10:04 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

डीजल की कमी से धान कटाई में देरी, बेमौसम बारिश का खतरा

तेलंगाना में पंपों पर स्टॉक बोर्ड गायब, किसान चक्कर काट रहे

मंचेरियाल, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। डीजल की कमी के कारण धान की कटाई में देरी हो रही है और किसान बेमौसम बारिश के चलते फसल को नुकसान पहुंचने की आशंका जता रहे हैं। हालांकि जिला प्रशासन का दावा है कि जिले में डीजल, पेट्रोल और एलपीजी की कोई कमी नहीं है, लेकिन पेट्रोल पंपों पर स्टॉक बोर्ड नहीं लगे हैं। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध को इस कमी का कारण बताया जा रहा है।

कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के निर्माण के साथ ही पूर्व करीमनगर जिले में धान की खेती में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। किसान यासांगी और वनकलम दोनों मौसमों में धान की बुवाई कर रहे हैं। वर्तमान यासांगी मौसम में पुराने करीमनगर जिले में लगभग 9 लाख एकड़ और करीमनगर में 2.73 लाख एकड़ भूमि पर धान की खेती की गई। फसल की कटाई का यह सही समय होने के कारण डीजल की कमी किसानों के लिए एक चुनौती बन गई है। लगभग सभी किसान फसल काटने के लिए कटाई मशीनों का इस्तेमाल कर रहे हैं। हालांकि, डीजल की कमी इस प्रक्रिया में बाधा डाल रही है क्योंकि मशीनों को चलाने के लिए ईंधन बेहद जरूरी है।

किसान पेट्रोल पंपों के चक्कर लगा रहे हैं क्योंकि पिछले कुछ दिनों से अधिकांश पेट्रोल पंपों पर स्टॉक बोर्ड नहीं लगे हैं। किसान घंटों तक कतार में प्लास्टिक के डिब्बे रखकर इंतजार करने के अलावा डीजल लेने के लिए दूर–दराज के पेट्रोल पंपों पर भी जा रहे हैं। वीनावंका के एक किसान आर नरसैया ने बताया कि डीजल की कमी के कारण हार्वेस्टर ऑपरेटर तुरंत खेतों में नहीं आ पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने तीन एकड़ में धान की खेती की है और पूरी फसल काटने में चार से पांच घंटे लगेंगे। हालांकि वे पिछले पांच दिनों से इंतजार कर रहे हैं। एक अन्य किसान तिरुपति ने कहा कि कुछ दिनों तक इंतजार करने में कोई दिक्कत नहीं है लेकिन बेमौसम बारिश से खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर बारिश हुई तो पूरी फसल बर्बाद हो जाएगी। किसानों से टायर हार्वेस्टर से फसल काटने के लिए 2,000 रुपये प्रति घंटा वसूला जा रहा है। अगर ट्रैक (चेन) हार्वेस्टर का इस्तेमाल किया जाता है तो 3,000 रुपये लिए जा रहे हैं। कीचड़ भरे खेतों में धान की कटाई के लिए ट्रैक हार्वेस्टर का उपयोग किया जाता है।

साइबर धोखाधड़ी से सावधान, सोशल मीडिया पर भी अलर्ट रहें: देवैया

तंदूर में सामुदायिक कार्यक्रम, 40 बाइकों की जांच और जुर्माना

मंचेरियाल, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिला तंदूर सीआई देवैया ने कहा कि लोगों को साइबर धोखाधड़ी और सोशल मीडिया से सावधान रहना चाहिए। गुरुवार को रामागुंडम कमिश्नरेट के उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार तंदूर के सीआई देवैया और एसआई प्रसाद ने तंदूर पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अचलापुर गांव में एक सामुदायिक संपर्क कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम के तहत कुल 40 बाइकों की जांच की गई और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए सीआई ने सलाह दी कि अज्ञात लिंक न खोले, ओटीपी और बैंक विवरण किसी के साथ साझा न करें, फर्जी कॉल, फिशिंग संदेश और सोशल मीडिया धोखाधड़ी से सावधान रहने के लिए जागरूकता फैलाई गई। मजबूत पासवर्ड, 2–फैक्टर ऑथेंटिकेशन और संदिग्ध ऐप्स हटाने जैसे उपाय अपनाएं।

उन्होंने सलाह दी कि यातायात नियमों का पालन किया जाना चाहिए, हेलमेट पहनना और सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य है और शराब के नशे में गाड़ी नहीं चलानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आपात स्थिति में तुरंत 100 नंबर की सेवा का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने समझाया कि सभी लोगों को गांजा और नशीले पदार्थों के उन्मूलन में भागीदार होना चाहिए और गांजा और नशीले पदार्थों का सेवन स्वास्थ्य और समाज के लिए हानिकारक है। उन्होंने युवाओं से इन आदतों से दूर रहने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को देने का आग्रह किया। किसानों को नकली बीजों से सावधान रहना चाहिए और केवल प्रमाणित विक्रेताओं से ही बीज खरीदने चाहिए। उन्होंने बाल विवाह और दहेज जैसी सामाजिक बुराइयों को रोकने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि आत्मरक्षा और अपराध नियंत्रण के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाना वर्तमान में अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पुलिस सुरक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करने और अपराधों को रोकने के उद्देश्य से ऐसे कार्यक्रम जारी रखेगी। इस कार्यक्रम में प्रसाद, सौजन्या, कोटेश्वर, भास्कर राव, तंदूर, मदराम, भीमिनी, कन्नेपल्ली के सहायक पुलिस अधिकारी और सर्कल के पुलिसकर्मी शामिल हुए। ऐसे सेफ क्लिक जैसे अभियान देशभर में चल रहे हैं, जो फिशिंग, जढझ चोरी और सोशल मीडिया स्कैम से बचाव सिखाते हैं। संदिग्ध मामलों में तुरंत साइबर सेल से संपर्क करें।

पेद्दापल्ली सरकारी अस्पताल बना मुश्किल सर्जरी का केंद्र

पहली बार प्लास्टिक सर्जरी सफल

पेद्दापल्ली, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली शहर की एक 28 साल की महिला पिछले महीने जलने के घाव के साथ पेद्दापल्ली सरकारी अस्पताल आई थी। तुरंत मौके पर पहुंचे सुपरिटेंडेंट डॉ. के. श्रीधर के निर्देशों के अनुसार, डॉ. साई प्रसाद और डॉ. विष्णु चंद्रिका की देखरेख में कुछ दिनों तक पेद्दापल्ली अस्पताल में उसका इलाज किया गया। बाद में, उसे प्लास्टिक सर्जन की देखभाल के लिए हायर सेंटर में भेज दिया गया। मरीज़ के थोड़ा ठीक होने के बाद, पिछले 15 दिनों से पेड्डापल्ली अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था। आज, प्लास्टिक सर्जन डॉ. अशोक रेड्डी ने स्किन ग्राफ्टिंग करके इलाज पूरा किया। पेद्दापल्ली में पहली बार ऐसी सर्जरी की गई है। इस सफलता ने स्थानीय लोगों में अस्पताल के प्रति भरोसा बढ़ा दिया है।इस सर्जरी में शामिल मेडिकल टीम में शामिल थे डॉ. अशोक रेड्डी (प्लास्टिक सर्जन), डॉ. साई प्रसाद (जनरल सर्जन), डॉ. स्वाति (एनेस्थेटिस्ट) और डॉ. श्रीधर (सुपरिटेंडेंट)। सुपरिटेंडेंट ने बधाई दी।

वोटर लिस्ट को मजबूत बनाने में बीएलए की भूमिका अहम : दसारी मनोहर रेड्डी

पेद्दापल्ली में बीआरएस ने एसआईआर ट्रेनिंग कैंप लगाया

पेद्दापल्ली, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुरुवार को पेद्दापल्ली के पूर्व विधायक और बीआरएस पार्टी के चुनाव क्षेत्र इंचार्ज श्री दसारी मनोहर रेड्डी गारू की देखरेख में बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) के लिए एक खास ट्रेनिंग कैंप लगाया गया। इस कैंप का मकसद सेंट्रल इलेक्शन कमीशन द्वारा शुरू किए जाने वाले एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रीविजन) प्रोग्राम के बारे में बताना था।

इस मौके पर बोलते हुए, दसारी मनोहर रेड्डी गारू ने कहा कि वोटर लिस्ट की सटीकता को बेहतर बनाने में एसआईआर प्रोसेस बहुत ज़रूरी है। उन्होंने सुझाव दिया कि बीएलए को अपनी ज़िम्मेदारियों को अच्छे से निभाना चाहिए, जैसे कि यह पक्का करना कि हर योग्य व्यक्ति का नाम वोटर लिस्ट में हो, डुप्लीकेट या अयोग्य नामों को हटाना, पते में बदलाव और दूसरी डिटेल्स को ठीक से अपडेट करना। एसआईआर प्रक्रिया में बीएलए घर–घर जाकर डेटा एकत्र करते हैं, जो चुनावों को पारदर्शी बनाती है।

ट्रेनिंग कैंप के हिस्से के तौर पर, नए वोटर रजिस्ट्रेशन के लिए फॉर्म–6, नाम हटाने के लिए फॉर्म–7, डिटेल्स में सुधार के लिए फॉर्म–8, वोटर लिस्ट में बदलाव–जोड़ने का प्रोसेस, क्लेम और ऑब्जेक्शन फाइल करने का प्रोसेस और डिजिटल प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल के बारे में पूरी जानकारी दी गई। बीएलए को यह भी सलाह दी गई कि वे हर बूथ एरिया में घर–घर जाकर वोटर डिटेल्स इकट्ठा करने में एक्टिवली काम करें, युवा वोटर्स के रजिस्ट्रेशन पर खास ध्यान दें और जो लोग माइग्रेट कर चुके हैं उनकी डिटेल्स अपडेट करें। उन्होंने कहा कि इस ट्रेनिंग कैंप के ज़रिए आने वाले एसआईआर प्रोसेस को असरदार तरीके से लागू करने के लिए ज़रूरी गाइडलाइंस दी गई हैं। इस प्रोग्राम में पूर्व एमपीपी, पूर्व मंडल प्रेसिडेंट, पार्टी के मुख्य मंडल लीडर, शहरी लीडर, सरपंच, पूर्व एमपीटीसी, एक्टिविस्ट और बड़ी संख्या में बीएलए ने हिस्सा लिया।

चुनाव आयोग ने एसआईआर के तहत बीएलए को ट्रेनिंग देकर वोटर लिस्ट को 100% सटीक बनाने का लक्ष्य रखा है, जो 2026 चुनावों के लिए महत्वपूर्ण है।

कोरुटला का ऐतिहासिक धरोहर पर संकट, पार्टियों ने एकजुट हो सत्ताधारी पर दबाव बनाया

भू–माफिया की नजर, नगरपालिका पर रिश्वत का आरोपआंदोलन तेज

कोरुटला, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जगतियाल जिले के कोरुटला चुनाव क्षेत्र का इतिहास भविष्य के लिए और आने वाली पीढ़ियों को 1000 साल पुराना इतिहास को बचाये रखने के लिए कोरुटला शहर के सभी पार्टियों के नेता लोग और पब्लिक असोसिएशन की ओर से पिछले कुछ दिनों से चलाई जा रही जन जागृति यात्रा के नतीजे प्रस्तुत सत्ताधारी कांग्रेस पर निर्भर करते हैं!

जानकारी के अनुसार कोरुटला एक ऐतिहासिक शहर है जो हजार साल पहले निर्माण किया गया और कोनेर जैसे निर्माण अभी भी मौजूद हैं। इस पर कुछ भू–माफिया जैसे लोगों की नजर पड़ी और इनको बेचने के लिए नगरपालिका अधिकारियों को रिश्वत की लालच पर वीएलटी और कई दिनों से मकान नंबर बताते हुए टैक्स भी वसूली कर ली। नगरपालिका लेकिन तब इस बात का पता स्थानीय पार्टियों के नेताओं और जनता को चला तो तब से आंदोलन मचा दिया गया!

और आज इस ऐतिहासिक प्रदेश की रक्षा करने के लिए भाजपा के 06 पार्षद और बी आर एस के 08 पार्षद की हस्ताक्षर लिया गया है और अब मौजूद कांग्रेस के 18 सत्ताधारी पार्षद क्या करते हैं! शहर में चारों ओर इस बात की चर्चा सुनाई दे रही है। और इस ऐतिहासिक की रक्षा के यहां के लोग कामयाब हो जाए तो मौजूद नगरपालिका के अधिकारी जो इस ऐतिहासिक को खत्म करने के विचार से या तो पैसे कमाने के विचार से जो इस तरह का बर्ताव किया है उनको भी सब मिलकर सबक सिखाते हैं या चुप रहते हैं! देखा जाएगा! कोरुटला का इतिहास जैन राजाओं, कल्याणी चालुक्यों और राष्ट्रीयकूटों से जुड़ा है, जहां 1042–1068 ई. के शिलाशासन मिले हैं। स्थानीय नेता उम्मीद कर रहे हैं कि सत्ताधारी कांग्रेस इस धरोहर को बचाएगी, वरना आंदोलन और तेज होगा।

कांग्रेस सरकार किसानों को रोड रेज करवा रही: सुनीता महेंद्र रेड्डी

यादगिरिगुट्टा, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। कांग्रेस सरकार, जो किसानों को राजा बनाने का वादा करके सत्ता में आई थी, आज किसानों को रोड रेज करवा रही है, और किसानों की शिकायतों का बोझ यह सरकार ज़रूर उठाएगी, ऐसा पूर्व सरकारी व्हिप गोंगिडी सुनीता महेंद्र रेड्डी ने कहा। गुरुवार को, वह तुर्कापल्ली मंडल के मुलाकलापल्ली गांव में मेन रोड पर बैठीं और किसानों के साथ रास्तारोको प्रोग्राम किया। इस मौके पर बोलते हुए, उन्होंने हर कदम पर किसानों को गुमराह करने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की और कहा कि यह शर्मनाक है कि किसान पिछले दस दिनों से खरीद केंद्रों पर झूठ बोल रहे हैं और शिकायत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज कम से कम आईकेपी केंद्रों पर बैग और डिब्बे की कमी सरकार की नाकाबिलियत का सबूत है। तेलंगाना में धान खरीद प्रक्रिया में देरी की शिकायतें बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने शांति से विरोध किया है और अगर कल तक खरीद शुरू नहीं हुई, तो वे हजारों किसानों के साथ जिला कलेक्टर के ऑफिस का घेराव करेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों के मुद्दों पर धरना दे रहे बीआरएस पार्टी के नेताओं को पुलिस ने जबरन गिरफ्तार किया, जो अलोकतांत्रिक था।

पावरग्रिड
POWERGRID

सूचना

पावरग्रिड, भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत एक 'महारत्न' सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है, जो राष्ट्रीय और क्षेत्रीय विद्युत ग्रिडों की संपूर्ण अंतर–राज्यीय पारेषण प्रणाली और प्रचालन की योजना, समन्वय, पर्यवेक्षण और नियंत्रण के अधिदेश के साथ विद्युत पारेषण व्यवसाय में लगा हुआ है। पावरग्रिड दक्षिणी क्षेत्र पारेषण प्रणाली–I, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के कुछ भागों को कवर करते हुए क्षेत्र के विभिन्न कार्यालयों में देश की परिवर्तनकारी यात्रा के एक भाग के रूप में युवा और ऊर्जावान प्रोफेशनलों से आवेदन आमंत्रित करता है।

पद की आईडी	पदनाम	रिक्तियों की संख्या	रिक्तियों का वर्गवार विवरण
1	डिप्लोमा ट्रेनी (इलेक्ट्रिकल)	32 + 01*	अनारक्षित–14, ईडब्ल्यूएस–03, अ.पि.व. (एनसीएल)– 08+01*, अ.जा.–05, अ.ज.–02, #पीडब्ल्यूबीडी–02 (01–एलडी व 01–आईडी/एमडी), #भूतपूर्व–सैनिक–03, #डी–भूतपूर्व–सैनिक–01
2	डिप्लोमा ट्रेनी (सिविल)	10	अनारक्षित–04, ईडब्ल्यूएस–01, अ.पि.व. (एनसीएल)–02, अ.जा.–02, अ.ज.–01, #पीडब्ल्यूबीडी–02 (01–वीआई व 01–एचआई), #भूतपूर्व–सैनिक–01, #डी–भूतपूर्व–सैनिक–01
3	जूनियर ऑफिसर ट्रेनी (एचआर)	02	अनारक्षित–02
4	डिप्लोमा ट्रेनी (सर्वे)	01	अनारक्षित–01
5	जूनियर टेक्नीशियन ट्रेनी (सर्वे)	01	अनारक्षित–01
कुल		47	

#(पीडब्ल्यूबीडी, भूतपूर्व–सैनिक एवं डी–भूतपूर्व–सैनिक हेतु क्षैतिज आरक्षण), *बैकलॉग रिक्तियाँ
अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे अखिल भारतीय रिक्तियों से संबंधित विस्तृत विज्ञापन को हमारी वेबसाइट www.powergrid.in [Careers section → Job Opportunities →Non Executive Positions] पर देखें।

ऑनलाइन आवेदन जमा करने की विंडो 20.04.2026 को अपराह्न 05:00:00 बजे से शुरू होगी और जमा करने की अंतिम तिथि 11.05.2026 को अपराह्न 11:59:59 बजे तक है।

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
दक्षिणी क्षेत्र पारेषण प्रणाली–I
क्षेत्रीय मुख्यालय, सं. 6–6–8/32 और 395/ई, कवाडीगुडा मेन रोड, सिकंदराबाद–500080
पंजीकृत कार्यालयः बी–9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली–110 016
कॉर्पोरेट कार्यालयः "सौदामिनी", प्लॉट नंबर 2, सेक्टर–29, गुरुग्राम, हरियाणा–122 001
वेबसाइटः www.powergrid.in, सीआईएनः L40101DL1989GOI038121
एक महारत्न पीएसयू
SR-I/PR/Advt-01/FY25-26/Rect-01/Bubna

स्व–गणना से जनगणना 2027 बनेगी तेज–सटीक, कलेक्टर ने दिया प्रशिक्षण

11 मई से घरों की गणना, ऑनलाइन पोर्टल पर स्वयं दर्ज करें डेटा

मंचेरियाल, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि जनगणना–2027 में स्व–गणना (स्वयं गणना) प्रक्रिया अपनाने से कार्य में तेजी आएगी और आंकड़े अधिक सटीक मिलेंगे। वे हाजीपुर मंडल के सब्बेपल्ली गांव में आयोजित गणनाकर्मी (एन्यूमरेटर) और पर्यवेक्षक (सुपरवाइजर) के प्रशिक्षण कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने बताया कि जनगणना दो चरणों में की जाएगीपहले चरण में 11 मई से 9 जून तक घरों की गणना और दूसरे चरण में जनसंख्या गणना होगी। 26 अप्रैल से 10 मई तक नागरिक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया तेज और पारदर्शी बनेगी। यह डिजिटल तरीका 2011 की मैनुअल गणना से अलग है। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्व–गणना के प्रति व्यापक जागरूकता फैलाएं और जनप्रतिनिधियों, कर्मचारियों तथा युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सही और स्पष्ट जनसंख्या आंकड़ों के आधार पर ही सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों का प्रभावी क्रियान्वयन संभव है। इससे पहले कलेक्टर ने हाजीपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर चिकित्सा सुविधाओं की समीक्षा की और गर्मी के मौसम में लोगों को सावधानी बरतने तथा बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। जनगणना 2027 पूर्णतः डिजिटल होगी, जहां ेश.लशपींी.सीं.ळप जैसे पोर्टल पर नागरिक स्व–गणना कर सकेंगे। यह प्रक्रिया सटीकता बढ़ाएगी और

क्या आप जानते हैं कि भगवान कृष्ण की 16,000 पत्नियां क्यों थी।

संख्या पढकर चौंक गए परंतु यह सत्य है, शास्त्रों में भी इस बात का उल्लेख है कि भगवान कृष्ण की 16,000 पत्नियां थी। वास्तव में उनकी 16,108 पत्नियां थी। हम सभी जानते हैं कि प्राचीन काल में बहुविवाह प्रथा बहुत लोकप्रिय थी, फिर भी 16,108 की संख्या बहुत अधिक लगती है। भारतीय पौराणिक कथाओं में कई ऐसी कहानियाँ हैं जो काफी रोचक हैं। भगवान कृष्ण अपने चमत्कारों के लिए जाने जाते हैं जिनकी रोचक कहानियाँ हमारे मन में कुतूहल उत्पन्न करती है। राधा के साथ उनका आत्मिक प्रेम, आठ सुन्दर राजकुमारियों से विवाह तथा फिर भी 16,000 और अधिक पत्नियां निश्चित रूप से हमें आश्चर्यचकित कर यह जानने के लिए मजबूर कर देते हैं कि इन सब के पीछे क्या कारण होगा। यदि हम शास्त्रों में देखें तो हम देखेंगे कि भगवान कृष्ण से राधा से कभी भी विवाह नहीं किया था।

क्यूं पड गया श्री कृष्ण के शरीर का रंग नीला परन्तु उन्होंने आठ महिलाओं से शादी की। उनकी आठ पत्नियों के नाम रुक्मिणी, सत्यभामा, जाम्बवती, कालिंदी, मित्रविंदा, नाग्नाजिती, भद्रा और लक्ष्मणा थे। उनमें से सत्यभामा और रुक्मिणी प्रसिद्ध हैं। अब 16,000 पत्नियों की कहानी की ओर बढते हैं। हम सभी जानते हैं कि भगवान कृष्ण एक चमत्कारी राजा थे। उनके साथ जो कुछ भी हुआ उसके पीछे कोई न कोई कारण था। अत: यह कहना सही नहीं होगा कि 16,108 पत्नियां कृष्ण लीला का एक हिस्सा थी। अत: ऐसी क्या परिस्थिति हुई कि भगवान कृष्ण को 16,000 महिलाओं से विवाह करना पडा आइए देखें।

महाभारत से जुडे कुछ रोचक रहस्य नरकासुर की कहानी नरकासुर प्रग्ज्योतिषा का राजा था। यह स्थान अब असम के नाम से जाना जाता है। वह विष्णु के सूअर अवतार वराह और पृथ्वी की देवी भूमि देवी का पुत्र था। भूमि का पुत्र होने के कारण उसे भौम या भौमासुर भी कहा जाता था। उसने स्वर्ग, धरती और पाताल तीनों विश्व पर कब्जा कर लिया था। उसने पृथ्वी पर जिन 16,000 देशों पर विजय प्राप्त की थी उन देशों की राजकुमारियों को कैद कर लिया था।

स्वर्ग में उसने स्वर्ग और देवों के देव इंद्रदेव की मां अदिति के कान के बाले (इयररिंग) चुराए। पाताल में उसने पानी के देवता वरुण का शाही छाता चुरा लिया। उसने राजकुमारियों को एक पर्वत पर बंदी बना कर रखा। इसी दौरान इंद्र ने अदिति के कान के बाले वापस लाने तथा विश्व को इस राक्षस की क्रूरता से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान कृष्ण से नरकासुर के साथ युद्ध करने की याचना की। अत: भगवान कृष्ण ने राक्षस का वध कर दिया। लूट का माल नरकासुर की मृत्यु के पश्चात भूमि देवी ने सभी चुराई हुई चीजें कृष्ण को वापस कर दीं जिसमें 16,000 महिलायें भी शामिल थी। श्री कृष्ण ने उन्हें मुक्त कर दिया परन्तु उन महिलाओं से इसका पालन नहीं किया।

सामाजिक कलंक प्राचीन काल में जब कोई राजा किसी अन्य राज्य की महिला का अपहरण कर लेता था तो राजा के परास्त होने के बाद भी उस महिला को राज्य में वापस नहीं लिया जाता था। उन्हें एक कलंकित और शर्मनाक जीवन व्यतीत करना पडता था क्योंकि ऐसा माना जाता था कि किसी दूसरे व्यक्ति ने उन्हें स्पर्श किया है। नरकासुर की कैद में रहने वाली 16,108 महिलाओं को भी यह सहन करना पडा। अत: उन सभी ने भगवान कृष्ण से प्रार्थना की कि वे उन सभी को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार कर लें। 16,108 पत्नियां अत: भगवान कृष्ण ने उन सभी से विवाह कर लिया। भागवत पुराण में विवाह के बाद कृष्ण की पत्नियों के जीवन के बारे में बताया गया है। प्रत्येक पत्नी को एक घर और सौ दासियाँ दी गयी थीं। कृष्ण ने स्वयं को कई रूपों में बाँट लेते थे तथा इस प्रकार रात में प्रत्येक पत्नी के साथ रहते थे। सुबह उनके सभी रूप मिलकर कृष्ण बन जाते और वे द्वारका के राजा रूप में आ जाते। कृष्ण की प्रत्येक पत्नी व्यक्तिगत तौर पर उन्हें नहला कर, सजा कर, पंखा झलकर, उन्हें उपहार और फूलों की माला देकर उनकी पूजा करती थी।

चमत्कारी राजा एक कथा के अनुसार एक बार उपद्रवी मुनि नारद ने कृष्ण से प्रार्थना की कि वे अपनी पत्नियों में से एक पत्नी उन्हें दे दें क्योंकि वे कुंवारें हैं। कृष्ण ने उनसे कहा कि आप किसी भी पत्नी को उस समय जीत कर दिखाएँ जब मैं (कृष्ण) उनके साथ न रहूँ। नारद कृष्ण की सभी 16,108 पत्नियों के घर गए परन्तु सभी घरों में कृष्ण उपस्थित थे। इस पारकर नारद कुवारें रह गए। इस घटना को देखकर नारद आश्वस्त हो गए कि भगवान कृष्ण के रूप में एक देवत्व था, एक पूर्ण और विविध आकार वाली अभिव्यक्ति जो एक ही समय में अपनी 16,000 पत्नियों के साथ का आनंद उठा रही थी। यही कारण है कि भगवान कृष्ण को सर्वशक्तिमान माना जाता है जो किसी न किसी रूप में अपने भक्तों के साथ रहते हैं जैसे वे अपनी 16,108 पत्नियों के साथ रहते थे।

राहु दोष दूर करने के आध्यात्मिक उपाय

हिंदु धर्म में राहु और केतू दो ग्रह हैं जिन्हे दोष के रूप में जाना जाता है। राहु और केतू, एक ही असुर का नाम है जिसने अमृत मंथन के दौरान छल से अमृत पी लिया था और जब उसने आधा अमृत पी लिया तब पता चला कि वह असुर है तो भगवान विष्णु ने सुदर्शन चक्र से उसका गला काट दिया। वह मरा नहीं, लेकिन सिर और धड दो हिस्सों में बंट गया, जिसे राहु-केतु के नाम से जाना गया। ये एक ग्रह बन गए जो लोगों की कुंडली में दोष माने जाते हैं। हिंदू धर्म में इन्हे दूर करने के कई उपाय हैं, जिन्हे लोगों के द्वारा अपनाया जाता है। अगर आप भी जानना चाहते है कि जीवन से राहु-केतु का दोष किस प्रकार दूर करना है। तो इन आध्यात्मिक उपायों को जानें।

राहु दोष दूर करने के आध्यात्मिक उपाय

प्रत्येक शनिवार शाकाहारी भोजन करें: राहु और केतू दोष ग्रह है। इसके लिए आपको शनिवार को पूजा क

रनी चाहिए और इस दिन पूर्णत: शाकाहारी भोजन का सेवन करना चाहिए। भगवान शिव की पूजा करें: अगर आपकी कुंडली में राहु-केतू का दोष है तो भगवान शिव की पूजा करें। भगवान शिव, राहु-केतू और शनि के दोषों का निवारण करते है। आप प्रतिदिन 21 बार ओउम् नम: शिवाय का जाप करें। राहु शांति पूजा का प्रदर्शन करें: राहु और केतू के दोषों को शांत करने के लिए आप राहु शांति पूजा का प्रदर्शन करें। इस पूजा को आप घर पर आयोजित करवाएं, इससे आपके घर में सुख और शांति भी आएगी। श्रीकलाहस्ती मंदिर के दर्शन करें: श्रीकला हस्ती मंदिर आंध्रप्रदेश में स्थित है। जिन लोगों के जीवन में राहु-केतू दोष है वह इस मंदिर में दर्शन के लिए अवश्य जाएं। साल में भारी संख्या में लोग यहां दर्शन करने आते है।

दान: राहु-केतू दोष होने पर आप शनिवार को सरसों का तेल दान करें, गेहूं, नारियल, केला आदि को दान करें। गरीबों को भोजन खिलाएं। इससे आपको जीवन में सुकून और खुशी मिलेगी और यह ग्रह दोष भी शांत हो जाएगा।

क्यूं की जाती है गणेश-लक्ष्मी की पूजा एक साथ

दीपावली के दिन हम धन और समृद्धि की देवी माँ लक्ष्मी और बुद्धि के देवता भगवान गणेश की पूजा करते हैं। यह हम सब भली भांती जानते हैं कि कोई भी शुभ कार्य गणेश पूजन के बगैर कभी पूरा नहीं होता।

गणेश जी बुद्धि प्रदान करते हैं। वे विघ्न विनाशक और विघ्नेश्वर हैं। यदि व्यक्ति के पास खूब धन-सम्पदा है और बुद्धि का अभाव है तो वह उसका सदुपयोग नहीं कर पायेगा। इसलिए व्यक्ति का बुद्धिमान और विवेकी होना भी आवश्यक है। तभी धन के महत्व को समझा जा सकता है। गणेश लक्ष्मी की एक साथ पूजा के महत्त्व को कई कहानियों के माध्यम से बताया गया है। आइये जाने ऐसी ही कहानी।

शास्त्रों के अनुसार लक्ष्मी जी को धन और संब्रद्धि का प्रतीक माना गया है। जिसकी वजह से लक्ष्मी जी को इसका अभिमान हो जाता है। विष्णु जी इस अभिमान को खत्म करना चाहते थे इसलिए उन्हों ने लक्ष्मी जी से कहा कि स्त्री तब तक पूर्ण नहीं होती है जब तक वह माँ ना बन जाये। लक्ष्मी जी के कोई पुत्र नहीं था, इसलिए यह सुन के वे बहुत निराश हो गयी। तब वे देवी पार्वती के पास गयी मदद मांगने के लिए।

जानिए दीवाली पर क्यों किया जाता है लक्ष्मी पूजन

पार्वती जी को दो पुत्र थे इसलिए लक्ष्मी जी ने उनसे एक पुत्र को गोद लेने को कहा। पार्वती जी जानती थी कि लक्ष्मी जी एक स्थान पर लंबे समय नहीं रहती हैं। इसलिए वे बच्चे की देख भाल नहीं कर पाएंगी। लेकिन उनके दर्द को समझते हुए उन्होंने अपने पुत्र गणेश को उन्हें सौप दिया।

इससे लक्ष्मी जो बहुत प्रसन्न हुई और उन्होंने कहा कि वे गणेश का बहुत ध्यान रखेंगी। और जो सुख और संब्रद्धि के लिए लक्ष्मी जी का पूजन करते हैं उन्हें उनसे पहले गणेश जी की पूजा करनी पडेगी, तभी मेरी पूजा संपन्न होगी। तब से आज तक दीपावली पर लक्ष्मी जी की पूजा से पहले गणेश जी की पूजा की जाती है।

कुंडली में मांगलिक दोष निवारण के उपाय

मांगलिक दोष क्या है।

जन्मपत्री की कुंडली में 12 स्थान होते हैं। इनमे से यदि पहले, दुसरे, चौथे, सातवे, आठवे और बारहवें स्थान में मंगल होता है तो मांगलिक दोष होता है। मांगलिक दोष वाले व्यक्ति पर मंगल गृह की बुरी छायां होती है। यह प्रभाव शादी के समय बहुत मायने रखता है क्यों कि शादी के समय कुंडली मिलान का यह सबसे महत्वपूर्ण बिंदु है। शादी से पहले व्यक्ति की कुंडली में मांगलिक दोष को देखना और इसका निवारण करना जरूरी है।

मांगलिक दोष के लक्षण

1. स्त्री और पुरुष दोनों में मांगलिक दोष हो सकता है।

2. मंगल को उग्रता वाला गृह माना जाता है इसलिए मांगलिक दोष वाले लोगों का स्वाभाव गर्म माना जाता है।

3. मांगलिक लोगों में बहुत गर्म और उग्र ऊर्जा होता है जिसका यदि सही इस्तेमाल नहीं किया जाए तो यह कुछ ना कुछ गलत हो सकता है।

4. मांगलिक दोष के कारण शादी में देरी होती है।

5.मंगल दोष के कारण शादी में कलह और तनाव रहता है।

6. दो मांगलिक लोगों का आपस में विवाह करने से इसका बुरा प्रभाव दूर होता है।

7. ऐसा माना जाता है कि जिन्होंने पिछले जन्म में अपने पार्टनर के साथ बुरा किया उनमें यह दोष पाया जाता है।

मंगल कब समस्या पैदा करता है

1.यदि मंगल पहले स्थान में है तो शादी के बाद विवाद और हिंसा की सम्भावना रहती है।

2. जब मंगल दुसरे स्थान में रहता है तो व्यक्ति के परिवार के कारण उसका विवाह और नौकरी पेशा प्रभावित होता है।

3. जब मंगल चौथे स्थान में रहता है तो व्यक्ति व्यावसायिक तौर पर सफलता प्राप्त नहीं करता है और लगातार जॉब बदलता है।

4. यदि मंगल सातवे स्थान में होता है तो उसका स्वाभाव उग्र होता है, जिसके कारण वह अपने परिवार से भी मधुर सम्बन्ध नहीं रख पाता है।

5. यदि मंगल आठवे स्थान में होता है तो वह व्यक्ति परिवारजनों द्वारा अलग कर दिया जाता है और जायदाद से बेदखल हो जाता है।

6. जब मंगल दसवे स्थान में होता है तो व्यक्ति को दिमाग से सम्बंधित समस्याएं होती है साथ ही इससे दुश्मन पैदा होना या आर्थिक नुकसान जैसी चीजें भी हो सकती हैं।

मांगलिक दोष निवारण के उपाय

1. दो मांगलिक लोगों का विवाह करने से इसका प्रभाव खत्म हो जाता है।

2. कुम्भ विवाह भी इसका एक समाधान है। इस विवाह में व्यक्ति को शादी से पूर्व किसी पेड से या कलश से विवाह करना पडता है।

3. मंगलवार का व्रत करने से भी इसका बुरा प्रभाव कम होता है। इस व्रत में मांगलिक लोगों को तूर दाल ही खानी होती है।

4. मंगलवार को नवग्रह मन्त्र या हनुमान चालीसा का जाप करने से भी मांगलिक दोष का असर कम होता है।

5. मंगलवार को हनुमान मंदिर में जाकर पूजा करना भी मंगल दोष के निवारण का अच्छा उपाय है।

6. ज्योतिषियों के अनुसार मांगलिक दोष वाले लोगों को लाल मूंगा जडित सोने की अंगूठी दाहिने हाथ की अनामिका अंगुली में धारण करनी चाहिए।

7. मांगलिक लोगों को 28 साल की उम्र के बाद शादी करने की सलाह दी जाती है क्यों कि उम्र के अनुसार दोष का असर भी कम हो जाता है।

हिंदू धर्म में सिंदूर का महत्व

आमतौर पर सिंदूर को हिंदू महिलाओं द्वारा लगाया जाता है तथा इसका महत्व हिंदू पौराणिक कथाओं में छुपा है। सिंदूर, एक स्त्री के विवाहित होने की निशानी है तथा इसे विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी आयु की कामना करते लगाती हैं। इसे माथे पर बालों के बीच में लगाया जाता है।

हिंदू धर्म में, इसे लगाने का हक केवल विवाहित महिलाओं को दिया गया है। एक प्रचलित मान्यता के अनुसार, देवी पार्वती ने अपने पति के सम्मान के लिए अपने जीवन की आहुति दी थी जिसके कारण सिंदूर को देवी पार्वती का प्रतीक माना जाता है। अत:, माना जाता है कि जो महिला अपने माथे पर सिंदूर धारण करती है, देवी पार्वती का हाथ उसके सर पर सदैव बना रहता है तथा देवी पार्वती हर समय उसके पति की रक्षा करती है।

भारतीय महिलाएं क्यूं पहनती हैं नोज रिंग इसके अलावा सिंदूर धारण करने के कई ऐतिहासिक प्रमाण भी मौजूद हैं। तो चलें, उन महत्वपूर्ण कारणों के बारे में भी जानकारी हासिल करते हैं।

1 ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, मेष राशि का स्थान माथे पर होता है। मंगल, मेष राशि का स्वामी ग्रह है और क्योंकि मंगल ग्रह का रंग लाल होता है, इसे शुभ माना जाता है। अत: इसे सौभाग्य का संकेत भी माना जाता है।

2 सिंदूर को नारी शक्ति का प्रतीक माना जाता है। यह शक्ति एक पत्नी को किसी भी मुश्किल घडी में अपने पति की रक्षा करने में मदद करती है।

3 उत्तर भारत में नवरात्रि व संक्राति के त्योहारों पर विवाहित स्त्रियों के लिए सिंदूर लगाना अत्यंत अनिवार्य है। इससे पता चलता है कि सिंदूर धार्मिक कारणों की वजह से भी बहुत महत्व रखता है। हिंदू परंपराओं के पीछे छुपा हुआ है ये विज्ञान

4 सिंदूर लगाने का एक और दिलचस्प कारण भी है। सिंदूर को धातु पारे के साथ हल्दी व चूने के मिश्रण से तैयार किया जाता है। पारा रक्तचाप को नियंत्रित रखने में मदद करता है एवं महिलाओं की यौन इच्छा को सक्रिय करता है। जिसके कारण इसमें एक शारीरिक महत्व भी शामिल हो जाता है। इसलिए सिंदूर को हमारी भावनाओं के केन्द्र, पिट्यूटरी ग्रंथ पर लगाना चाहिए।

धन का संचय उतना ही करना चाहिए जितनी जरूरत हो

बात उस समय की है जब गुरु नानक देव लाहौर यात्रा पर थे। वह एक अजीब नियम था। वो यह कि जिस व्यक्ति के पास जितनी अधिक संपत्ति वह अपने घर के ऊपर उतने ही झंडे लगाता था।लाहौर में दुनीचंद्र के पास 20 करोड रुपए की संपत्ति थी। इसलिए उसके घर की छत पर 20 झंडे फ्हरा रहे थे। दुनीचंद्र को पता चला कि गुरु नानक जी लाहौर आए हैं तो वो उनसे मिलने गया। दुनीचंद्र ने गुरुनानक जी से सेवा का अवसर मांगा। गुरु नानक जी ने उसे एक सुई देते हुए कहा, इसे ले जाइए और अगले जन्म में मुझे वापस कीजिएगा। दुनीचंद्र ने सुई ले ली। लेकिन उसने सोचा कि अगले जन्म में यह सुई मैं कैसे ले जा सकूंगा। वह वापस गुरु नानक जी के पास गया और उसने कहा, मरने के बाद में यह सुई कैसे ले जा सकता हूं। तब गुरु नानक जी ने कहा, जब तुम एक सुई अपने अगले जन्म में नहीं ले जा सकते तो इतनी सारी संपत्ति कैसे ले जा सकोगे। दुनीचंद्र ने जब यह बात सुनी तो उसकी आंखें खुल गईं।

भोले के भैरव रूप के स्मरण से दूर होते हैं कष्ट

-**पहली** फरवरी को है कालाष्टमी

-रात्रि को जागरण कर शिव एवं माता पार्वती की कथा एवं भजन कीर्तन करें

-ब्रहमा के अपमानित करने पर शिव भगवान ने धारण किया था रौद्र रूप

कालाष्टमी का हिंदू धर्म में बडा महत्वपूर्ण स्थान है। मार्गशीर्ष मास में कृष्ण पक्ष की अष्टमी के दिन भगवान शिव, भैरव रूप में प्रकट हुए थे। कालाष्टमी का व्रत इसी उपलक्ष्य में किया जाता है। कालाष्टमी को 'भैरवाष्टमी' के नाम से भी जाना जाता है। भगवान भोलेनाथ के भैरव रूप के स्मरण मात्र से ही सभी प्रकार के पाप और कष्ट दूर हो जाते हैं। भैरव की पूजा व उपासना से मनोवांछित फल मिलता है। अत: भैरव जी की पूजा-अर्चना करने व कालाष्टमी के दिन व्रत एवं षोड्षोपचार पूजन करना अत्यंत शुभ एवं फलदायक माना गया है। शास्त्रों के अनुसार इस दिन कालभैरव का दर्शन एवं पूजन मनवांछित फल प्रदान करता है।

व्रत की विधि भगवान शिव के भैरव रूप की उपासना करने वाले भक्तों को भैरवनाथ की षोड्षोपचार सहित पूजा करनी चाहिए और उन्हें अर्घ्य देनी चाहिए। रात्रि के समय जागरण कर शिव एवं पार्वती की कथा एवं भजन कीर्तन करना चाहिए। भैरव कथा का श्रवण और मनन करना चाहिए। मध्य रात्रि होने पर शंख, नगाडा, घंटा आदि बजाकर भैरव जी की आरती करनी चाहिए। भगवान भैरवनाथ का वाहन 'श्वान' (कुत्ता) है। अत: इस दिन प्रभु की प्रसन्नता के लिए कुत्ते को भोजन कराना चाहिए। हिंदू मान्यता के अनुसार इस दिन प्रात:काल पवित्र नदी या सरोवर में स्नान कर पितरों का श्राद्ध व तर्पण कर भैरव जी की पूजा व व्रत करने से समस्त विघ्न समाप्त हो जाते हैं। भैरव जी की पूजा व भक्ति से भूत, पिशाच एवं काल भी दूर रहते हैं। शुद्ध मन एवं आचरण से जो भी कार्य करते हैं, उनमें इन्हें सफलता मिलती है।

माहात्म्य कालाष्टमी के दिन काल भैरव के साथ इस दिन देवी कालिका की पूजा-अर्चना एवं व्रत का भी विधान है। काली देवी की उपासना करने वालों को अर्धरात्रि के बाद मां की उसी प्रकार से पूजा करनी चाहिए, जिस प्रकार दुर्गापूजा में सप्तमी तिथि को देवी कालरात्रि की पूजा का विधान है। भैरव की पूजा-अर्चना करने से परिवार में सुख-शांति, समृद्धि के साथ स्वास्थ्य की रक्षा भी होती है। भैरव तंत्रोक्त, बटुक भैरव कवच, काल भैरव स्तोत्र, बटुक भैरव ब्रहम कवच आदि का नियमित पाठ करने से अनेक समस्याओं का निदान होता है।

कथा भैरवाष्टमी या कालाष्टमी की कथा के अनुसार एक समय श्रीहरि विष्णु और ब्रहमा के मध्य विवाद उत्पन्न हुआ कि उनमें से श्रेष्ठ कौन है। यह विवाद इस हद तक बढ गया कि समाधान के लिए भगवान शिव एक सभा का आयोजन करते हैं। इसमें ज्ञानी, ऋषि-मुनि, सिद्ध संत आदि उपस्थित थे। सभा में लिए गए एक निर्णय को भगवान विष्णु तो स्वीकार कर लेते हैं, किंतु ब्रहमा जी संतुष्ट नहीं होते। वे महादेव का अपमान करने लगते हैं। शांतचित शिव यह अपमान सहन न कर सके और ब्रहमा द्वारा अपमानित किए जाने पर उन्होंने रौद्र रूप धारण कर लिया। भगवान शंकर प्रलय के रूप में नजर आने लगे और उनका रौद्र रूप देखकर तीनों लोक भयभीत हो गए। भगवान शिव के इसी रूद्र रूप से भगवान भैरव प्रकट हुए। वह श्वान पर सवार थे, उनके हाथ में दंड था। हाथ में दंड होने के कारण वे 'दंडाधिपति' कहे गए। भैरव जी का रूप अत्यंत भयंकर था। उनके रूप को देखकर ब्रहमा जी को अपनी गलती का एहसास हुआ। वह भगवान भोलेनाथ एवं भैरव की वंदना करने लगे। ब्रहमा, देवताओं और साधुओं द्वारा वंदना करने पर भैरव जी शांत हो जाते हैं।

गर्मियों में सेहत के लिए वरदान है पुदीना

भीनी-भीनी सी सुगंध वाले पुदीने में कई औषधीय गुण होते हैं। यह विटामिन से भरपूर होने के कारण शरीर के लिए काफी बढिया होता है। पुदीना न केवल हमारे शरीर को निरोग रखता है बल्कि हमारे चेहरे की खूबसूरती को भी बढ़ाने में मदद करता है। आप चाहे तो इसे अपने घर पर भी पौधे के रूप में लगा सकती हैं। गर्मियों के दिनों में तो यह ओर भी फायदेमंद होता है। आइए इसके फायदे जानें...

1. पुदीने की पत्तियों को पीसकर इसका लेप माथे पर लगाने से सिर दर्द में आराम मिलता है। 2. पुदीना, तुलसी, अदरक और काली मिर्च को मिलाकर काढ़ा बना लें। जब पेट में गैस की शिकायत हो तो इस काढे का सेवन करें। लगातार इसका सेवन करने से गैस की समस्या जड़ से ही खत्म हो जाती है। 3. पुदीने की पत्तियों के चूर्ण को मिश्री के साथ मिलाकर खाने से पेट दर्द में आराम आ जाता है। 4. पुदीने के ताजे रस के सेवन से सर्दी और कफ में आराम मिलता है। 5. पुदीने और तुलसी की पत्तियों को मिलाकर काढा बनाएं। इस काढे को बुखार में पीने से बुखार जल्दी ही उतर जाता है।

जिंदगी में समस्याओं को उलझाएं नहीं बल्कि इस तरह सुलझाएं

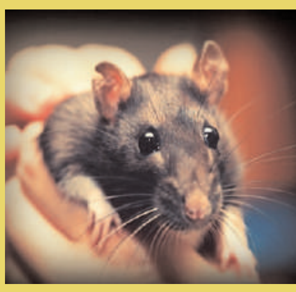

एक व्यक्ति कहीं जा रहा था उसे हार्ट अटैक आ गया लेकिन वो बच गया। इस घटना के बाद उसे हर बात से डर लगने लगा। वह मनोवैज्ञानिक के पास गया और बोला, अज्ञात भयों के कारण मेरे जीवन में आनंद नहीं रह गया है। हर समय डर में जी रहा हूं। यह सुनकर मनोवैज्ञानिक बोले, मैं अपने जीवन का एक प्रसंग सुनाता हूं। मुझे पढ़ने का बहुत शौक है और मेरे पास में ऐसी बहुत सी किताबें हैं, जिनसे मुझे बहुत प्यार है। लेकिन एक दिन घर में एक चूहा आ गया, जो मेरी किताबें चोरी से कुतर देता। मैंने बहुत उपाय किए, लेकिन चूहे को नहीं भगा पाया। मेरी रातों की नींद गायब हो गई।

थोड़ा रुककर वह बोले, वह छोटा सा चूहा मेरे मन में दानव का आकार ले लेता, इसके पहले ही मैंने जरूरी किताबें मजबूत अलमारी में बंद कर दीं और फालतू चूहे के लिए छोड़ दीं। इस तरह मैं अपने डर से मुक्त हो गया। वरना मेरा डर अभी तक राक्षस बन गया होता।

संक्षेप में : समस्या जब छोटी हो, उसी समय उसे धैर्य और समझदारी से सुलझा लेना चाहिए। बाद में वही समस्या बड़ी हो जाती है और आपकी तमाम और परेशानियों की वजह बनती है।

स्वास्थ्य

डियो-परफ्यूम नहीं, ऐसे गायब करें पसीने की बदबू

गर्मिया शुरू हो चुकी है। ऐसे में पसीना आना आम बात है लेकिन अंडरआर्म की बदबू हमे गंदगी के साथ शर्मिंदगी का भी एहसास करवाती है। ज्यादातर लोग अंडरआर्म की बदबू को दूर करने के लिए डियो या परफ्यूम का इस्तेमाल करते हैं, जिनका ज्यादा इस्तेमाल नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए डियो या परफ्यूम से पसीने की बदबू दूर करने के बजाएं, घरेलू तरीकों का इस्तेमाल करें। आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू तरीके बताएंगे, जिनसे पसीने की बदबू से छुटकारा मिला काफी आसान है।

1. अंडरआर्म को रखें साफ

अंडरआर्म के बाल समय-समय पर साफ करते रहें, ताकि इस एरिया में बैक्टीरिया और कीटाणुओं का वास न हो। गर्मी में पसीना आने के कारण नैचुरल पोर्स होता पसीने को सोख लेता है, जिससे उस हिस्से में बैक्टीरिया अपना घर बना लेते है।

2. विनेगर

विनेगर पसीने की बदबू को दूर करने में सहायक है। आप एप्पल साइडर या व्हाइट विनेगर का इस्तेमाल कर सकते है। इसको लगाने से स्किन का पीएच लेवल कम करके त्वचा के पोर्स खोलता है।

3. बेकिंग सोडा

बेकिंग सोड़ा बॉडी से पसीने को कम करके शरीर को कई घंटो तक बदबू से दूर रखता है। 1 चम्मच बेकिंग सोडा को ताजे नींबू के रस में मिलाएं और जिस जगह पर ज्यादा पसीना आता है वहां लगाएं।

4. नींबू का रस

नींबू स्किन के पीएच लेवल को भी कम करता है। साथ ही नींबू के रस का इस्तेमाल करने से बैक्टीरिया नहीं पनपते। अपने पसंदीदा परफ्यूम लगाने से पहले, प्रॉब्लम एरिया में नींबू का रस लगाएं।

5. खुद को रखें साफ

गर्मी में अपने आप को पसीने की बदबू से बताने का यह सबसे अच्छा ऑप्सन है। बदबू बैक्टीरिया के कारण होती है। ऐसे में शरीर की साफ-सफाई बहुत जरूरी है।

इस एक प्राणायाम से छूमंतर करें पेट की चर्बी

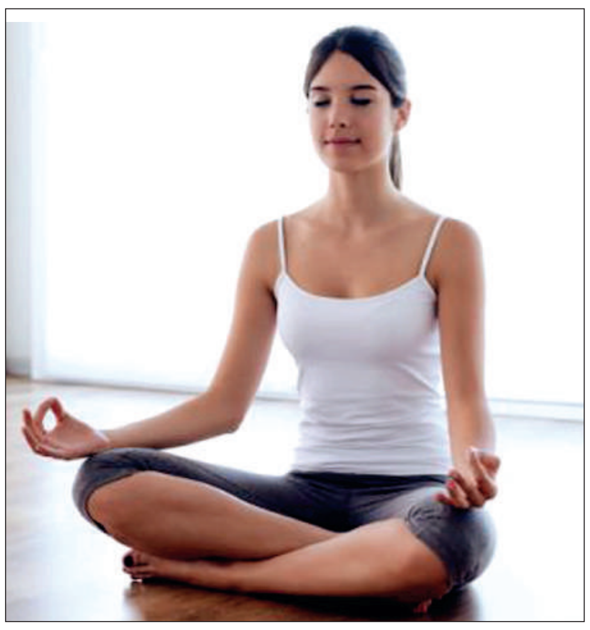

बिजी लाइफस्टाइल के चलते लोग अपने खानपान का ध्यान नहीं रखते, जिससे कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आजकल अधिकतर लोग मोटापे और डायबिटीज की समस्या से परेशान है। यदि आप इस समस्या से निजात पाना चाहते हैं तो बस शुरू करें करना यह एक प्राणायाम कपाल- भाति।

इस प्राणायाम से पेट की चर्बी कम होती है। इसके लिए, सबसे पहले पद्मासन या सुखासन जैसे आसन में बैठ जाएं। कमर व गर्दन को सीधा कर लें। इस समय छाती आगे की ओर उभरी रहेगी। हाथों को घुटनों पर ज्ञान मुद्रा में रख लें। आंखें बंद करके आराम से बैठ जाएं व ध्यान को सांसों पर ले जाएं। पेट ढीली अवस्था में होगा। अब कपालभाति प्रारंभ करें।

इसके लिए नाभि से नीचे के पेट को पीछे की ओर पिचकाएं या धक्का दें। इसमें पेट की मांसपेशियां संकुचित होंगी।साथ ही, सांस को नाक से बलपूर्वक बाहर की ओर फेंकें, इससे सांस के बाहर निकलने की आवाज भी पैदा होगी। अब अंदर की ओर दबे हुए पेट को ढीला छोड़ दें और सांस को बिना आवाज भीतर जाने दें। सांस भरने के लिए जोर न लगाएं, वह स्वयं ही अंदर जाएगी। फिर से पेट अंदर की ओर दबाते हुए तेजी से सांस बाहर निकालें।

आप इस प्राणायाम को सुबह के समय खाली पेट कर सकते हैं। आप इसे 1 मिनट में कम से कम 60 बार कर सकते हैं। आप इसे 5 मिनट से शुरू करके 15 मिनट तक बढ़ा सकते हैं। यह मोटापा तो कम करता ही है साथ ही डायबिटीज के मरीजों के लिए भी काफी फायदेमंद है। इसे रूटीन में करने से उनका शुगर लेवल कंट्रोल रहता है। लेकिन इस प्राणायाम को करते हुए ध्यान दें कि आप इसे बहुत तेजी से न करें और इसको करते हुए आपके कंधे भी न हिलें।

गर्मियों में ऐसे करें बालों की देखभाल, नहीं होगा नुकसान

गर्मियों का मौसम बाहर घूमने-फिरने जाने के लिए मुफीद समय माना जाता है. समुद्र तट पर अठखेलियां करने का यह बेहतर समय होता है, लेकिन तेज धूप से न सिर्फ त्वचा को बचाने की जरूरत है, बल्कि आपके बालों को भी बचाने की जरूरत है. गर्मी के दुष्प्रभावों से बालों को बचाने के लिए बालों में तेल लगाएं और उसे धोएं कम और जूड़ा बनाए रखें. टीजी की हेयर एजुकेटर और काया लिमिटेड की उपाध्यक्ष व प्रमुख संगीता वेलासकर ने गर्मियों में बालों को खूबसूरत बनाए रखने के संबंध में ये सुझाव दिए हैं -

» गर्मियों मे तेज धूप निकलने के दौरान बालों को किसी खास स्टाइल में मोड़ने वाले हीट प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने से बचें, क्योंकि इससे आपके बालों को नुकसान पहुंच सकता है.

» रात में अपने रूखे, उलझे बालों पर पर लीव-इन कंडीशनर लगाकर तौलिया लपेटकर छोड़ दें. सुबह आपको मुलायम और सुलझे बाल मिलेंगे.

» नारियल, जैतून और एवोकैडो तेल आसानी से बालों में समा जाते हैं. बालों को शैम्पू करके बालों की जड़ों से लेकर सिरों तक अच्छे से तेल लगाकर मसाज करें और फिर बाल धोकर कंडीशन करें. इससे आपके बाल मुलायम होंगे और बालों को नमी भी मिलेगी.

» गर्मियों के दौरान बालों को गर्मी के साथ ही तेज धूप और पसीने का सामना करना पड़ता है, इसलिए बालों में नमी बरकरार रखना बेहद जरूरी है, ऐसे में हानिकारक पराबैंगनी किरणों से बालों को सुरक्षित रखने के लिए हीट प्रोटेक्टर हेयर स्प्रे का इस्तेमाल लाभदायी होगा. यह बालों की नुकसान पहुंचने से भी बचाता है.

» बाल ज्यादा धोने से स्कैल्प में मौजूद प्राकृतिक तेल निकल सकते हैं, जिससे बाल रुखे हो सकते हैं और आपको बार-बार बाल धोने की जरूरत महसूस हो सकती है. किसी बीच पर या पूल में जाने के बाद शॉवर चलाकर सामान्य रूप से बाल को धोएं. रेगुलर शैम्पू के बजाय नेचुरल ड्राई शैम्पू का इस्तेमाल करें.

» हेयर ब्रश के बजाय चौड़े दांतों वाली कंघी का इस्तेमाल करें, गीले बालों में कंघी नहीं करें या इसे जोर से खींचे नहीं, क्योंकि इससे बाल टूटने की संभावना बढ़ जाती है.

वास्तु

निगेटिव एनर्जी को घर से दूर रखती हैं ये मूर्तियां

यदि आपको लगता है कि आपके घर में पॉजिटिव एनर्जी कम है तो आप फेंगशुई की मदद ले सकते हैं. हालांकि फेंगशुई के ऐसे कई गैजेट्स हैं, जो घर में सुख-शांति व सकारात्मक ऊर्जा के लिए प्रयोग में लाए जाते हैं, लेकिन फु डॉग का पेयर इनसे थोड़ा अलग है.

यह शेर की आकृति में आताहै और देखने में भी आकर्षक लगता है. आपअपने घर में इसे जगह देकरपॉजिटिव एनर्जी को बढ़ा सकते हैं.

- ताइपेई के नेशनल पैलेस म्यूजियम और अन्य दूसरे स्मारकों के बाहर एक फु डॉग की विशाल प्रतिमा लगी है, जिसे चीनी परंपरा का निर्वाहक माना जाता है. माना जाता है कि ये प्रतिमाएं नकारात्मक ऊर्जा से आपके घर कोदूर रखती हैं. इसे हमेशा जोड़े में ही लगाया जाना चाहिए.

-यदि मैटल की संभव न हो तो आप इसे लकड़ी या फाइबर की भी बनवा सकते हैं. इनका आकार भी आप अपनी सुविधा के अनुसार रख सकते हैं.इनमें बायां और दायां पीस अलग होता है.

-इसे फु डॉग के अलावा गार्जियन लॉयन भी कहा जाता है और कमरे केबाहर की ओर लगाया जाता है.

-आप इसे अपने बिजनेस प्लेस के दरवाजों पर भी लगवा सकते हैं. ऐसाकरने से आपके बिजनेस में बढ़ोतरी होती है.

-फु डॉग के अलावा आप घर में सकारात्मक ऊर्जा के लिए ड्रैगन, गोल्ड फिश, तीन पैरों वाला मेढक, चमगादड़, सारस, कछुए और हाथी की मूर्तियां भी लगवा सकते हैं. सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाने वाले जानवर ड्रैगन और फु-डॉग हैं. जहां ड्रैगन को घर या ऑफिस के भीतर जगह दी जाती है, वहीं फु-डॉग को दरवाजे पर बाहर की ओर प्रहरी के रूप में लगाया जाता है.

सौंदर्य

होममेड एलोवेरा साबुन से पाएं गजब का निखार

एलोवेरा का जूस हो या जैल यह सेहत और खूबसूरती निखारने के लिए बहुत फायदेमंद है। इसे चेहरे और बालों दोनों की सुंदरता बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे त्वचा का रूखापन, मुंहासे और दाग-धब्बे दूर होते हैं। बालों की जड़ों में भी एलोवेरा जैल लगाने से यह घने और मजबूत होते हैं। कई लोग घरों में भी एलोवेरा का पौधा लगाते हैं। इसके पौधे से निकले जैल का इस्तेमाल करके घर पर ही एलोवेरा साबुन बना सकते हैं। आइए जानिए घर पर इसे कैसे बनाया जाए।

सामग्री -

एलोवेरा पल्प - 110 ग्राम
कास्टिक सोडा - 110 मिली
जैतून का तेल - 750 मिली
पानी - 250 मिली
खुशबू वाला तेल - आवश्यकता अनुसार

साबुन बनाने की विधि -

» पानी को उबाल कर इसे एक प्लास्टिक के कंटेनर में डालें।

» इस कंटेनर में कास्टिक सोडा मिलाकर अच्छे से हिलाएं और 1 घंटे के लिए ठंडा होने के लिए रख दें।

» एलोवेरा पल्प को अच्छे से मैश करें और दूसरी तरफ जैतून के तेल को 5 मिनट तक गर्म करने के लिए रख दें।

» पानी और कास्टिक सोडा का मिश्रण जब ठंडा हो जाए तो उसमें जैतून का तेल डालें और गाढ़ा होने तक इसे एक ही दिशा में हिलाते रहें।

» अब इस मिश्रण में एलोवेरा जैल मिलाएं और इसके सेट होने पर खुशबू के लिए लैवेंडर या गुलाब की सुंगध का तेल डाल सकते हैं।

» जब सारा मिश्रण एक समान हो जाए तो इसे सांचे में डालें और जमने के लिए खुली हवा में रख दें।

» एक दिन के बाद जब यह ठोस हो जाए तो इसे साबुन के आकार में काट लें लेकिन इसे 15-20 दिन के बाद ही इस्तेमाल करें जब तक यह अच्छे से न बन जाए।

30 उम्र पार कर ली है तो इन 5 बीमारियों के संकेतों को पहचानें

20 से 28 वर्ष की उम्र जोश व उत्साह से भरी होती है, लेकिन 30 की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते सेहत के प्रति लंबे वक्त से चल रही अनदेखी के कारण कई प्रकार की बीमारियां पनपने लगती हैं। गाइनेकोलॉजिस्ट और ऑब्सट्रेशियन डॉ. ज्योति बाली बताती हैं कि 30 की उम्र पार करते ही महिलाओं में अनियमित पीरियड्स, पीसीओडी, थायरॉइड जैसी बीमारियां हमला करने लगती हैं। इसके अलावा कैल्शियम की कमी भी महिलाओं में इस उम्र के बाद आमतौर पर देखने को मिलती है। 30 के बाद और कौन-कौन सी बीमारियां महिलाओं को परेशान करती हैं, आइए जानें-

बच कर रहें पीसीओडी से

पॉलिसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम के कारण शरीर में तेजी से हारमोन से जुड़े बदलाव होते हैं। इसके कारण अंडे पैदा करने और गर्भधारण के लिए गर्भाशय को तैयार करने की प्रक्रिया प्रभावित होती है। यह समस्या देश में प्रजनन आयु वाली करीब 10 प्रतिशत महिलाओं में पाई जाती है। पीसीओडी में ओवरी (अंडाशय) में थैलीनुमा कोश उभर आते हैं, जिसमें एक तरल पदार्थ भरा होता है। पीसीओडी से ग्रस्त मरीज में हार्मोन का स्तर असामान्य हो जाता है। इस बीमारी से पीड़ित महिलाओं के शरीर में अत्यधिक मात्रा में इंसुलिन भी बनने लगता है, जिसकी वजह से उनके शरीर में पुरुष हार्मोन एस्ट्रोजन का उत्पादन बढ़ने लगता है। उनके चेहरे पर पुरुषों की तरह बाल आने लगते हैं।

स्तन की करें नियमित जांच

30 साल की आयु के बाद महिलाओं के स्तन में अमूमन गांठें बन जाती हैं। जरूरी नहीं है कि स्तन में बनने वाली हर गांठ कैंसर की ओर ही इशारा कर रही हों। पर, यह कैंसर का शुरुआती संकेत जरूर है। भारत में हर 28 में एक महिला को ब्रेस्ट कैंसर होने का खतरा होता है। इस बीमारी से बचने के लिए नियमित रूप से अपने स्तन की जांच करें। सही समय पर पता लगने से इस बीमारी का इलाज संभव है।

एंड्रोमेट्रियॉसिस

एंड्रोमेट्रियॉसिस बीमारी में महिला के गर्भाशय यानी यूट्रस की बाहरी परत बनाने वाला उत्तक यानी टिश्यू असामान्य रूप से बढ़कर शरीर के अन्य अंगों जैसे अंडाशय, फेलोपियन ट्यूब और अन्य आंतरिक अंगों तक फैल जाता है। इस बीमारी से पीड़ित महिला को जब पीरियड होता है तो ये टिश्यू टूट जाते और इनमें घाव हो जाता है परिणामस्वरूप पीरियड के वक्त उन्हें असहनीय दर्द होता है। यह परेशानी उन्हें हर माह झेलनी पड़ती है। इस बीमारी के कारण गर्भधारण की क्षमता भी कई बार प्रभावित हो जाती है। जांच, हार्मोन ट्रीटमेंट और सर्जरी के माध्यम से इस बीमारी का इलाज किया जाता है।

थाइरॉएड प्रभावित करता है वजन

थाइरॉएड एक बहुत ही महत्वपूर्ण ग्लैंड होता है, जो तितली के आकार का होता है। यह गले के सामने और श्वास नली के ऊपर एवं स्वर यंत्र के दोनों तरफ दो भागों में बंटा होता है। थाइरॉएड ग्रंथि शरीर में हार्मोन का स्राव करती है और मेटाबॉलिज्म को भी नियंत्रित करती है। हम जो भी खाना खाते हैं, उसको यह थाइरॉएड ग्रंथि शरीर के लिए उपयोगी ऊर्जा में बदलती है। थाइरॉएड ग्रंथि से निकलने वाले हार्मोन शरीर की लगभग सभी क्रियाओं पर अपना प्रभाव डालते हैं। ब्लड टेस्ट से थाइरॉएड से जुड़ी परेशानी का पता लगाया जाता है।

सर्वाइकल कैंसर है एक बड़ा खतरा

पूरी दुनिया में 10 में से एक महिला सर्वाइकल कैंसर की शिकार होती है। भारत में जागरूकता और इलाज की कमी की वजह से यह बीमारी जानलेवा साबित हो रही है। इसे बच्चादानी, गर्भाशय या फिर यूट्राइन सर्विक्स कैंसर भी कहा जाता है। सर्वाइकल कैंसर ह्यूमन पैपीलोमा वायरस (एचपीवी) के कारण होता है। इसके अधिकांश मामले 40 साल या इससे ज्यादा उम्र की महिलाओं में देखे गए हैं। पर, ऐसा भी नहीं है कि 40 से कम उम्र की महिलाओं को यह बीमारी अपना शिकार नहीं बनाती। पैप स्मीयर टेस्ट से समय रहते इस बीमारी के बारे में पता लगाया जा सकता है।

बच्चे की नजर तेज करने के लिए अपनाएं ये तरीके!

बदलते लाइफस्टाइल और खानपान की वजह से आंखों की नजर कमजोर होना एक आम समस्या बनती जा रही है। बड़े तो बड़े, आज छोटी उम्र के बच्चों को भी चश्मा लग जाता हैं क्योंकि ज्यादातर बच्चे अपना समय कंम्यूटर, विडियो गेम, मोबाइल फोन में निकाल देते हैं। इसी वजह से बच्चों की नजरे उम्र से पहले ही कमजोर हो जाती है। ऐसे में बच्चों के खान-पान और उनकी आदतों में सुधार करना बहुत जरूरी है। आज हम आपको कुछ घरेलू तरीके बताएंगे, जिनको आजमाने से बच्चे की आंखों की रोशनी होगी तेज।

1. गाजर का जूस

कमजोर आंखों के लिए गाजर का जूस बैस्ट है क्योंकि इसमें विटामिन ए होता है, जो आंखों के लिए फायदेमंद साबित होता है। इसलिए रोजाना अपने बच्चे को एक गिलास गाजर का जूस पिलाएं।

2. मक्खन

एक कप गर्म दूध मे 1/4 छोटा चम्मच मक्खन, आधा चम्मच मुलेठी पाऊडर और 1 चम्मच शहद को अच्छी तरह मिलाएं। बच्चों को रोज रात को सोने से पहले पिलाएं। इससे आंखों की रोशनी तेज होगी।

3. इलायची

दूध को उबालकर इसमें 2 छोटी इलायची पीसकर डाल दें। रात को बच्चे को पीने के लिए दें। इससे आंखे स्वस्थ और नजर तेज रहेंगी।

4. हथेली

बच्चों को हाथों की हथेली आपस में रगड़ने के लिए कहें जब तक वे गर्म न हो जाए। फिर उन हथेलियों से आंखों को ढ़कने के लिए कहें। इससे आंखों की मांसपेशियों का आराम मिलेगा और नजर तेज होगी।

5. आहार

बच्चे के आहार में विटामिन ए से भरपूर चीजों को शामिल करें। जैसे कि पपीता, संतरा, पालक, धनिया, आलु, और मांसाहारी भोजन अन्य आदि। इससे उनके स्वास्थ्य और आंखें दोनों को फायदा मिलेगा।

रेसिपी

घर में ही आसानी से बनाएं काजू-पिस्ता

» फूल क्रीम दूध
» पाउडर चीनी -70 ग्राम
» काजू - 15
» छोटी इलायची - 3
» पिस्ता - 14

विधि

ये आइसक्रीम बनाने के लिए सबसे पहले दूध को गर्मम करें। दूध को जब तक गर्म करें जब तक कि वह गाढ़ा न हो जाए। अब इसमें पिसे हुए अखरोट, काजू और पिस्ता डाल दें। इसके बाद इलायची और चीनी को इसमें डालकर इस मिश्रण को गाढ़ा होने तक पकाएं।

इसके बाद जब मिश्रण गाढ़ा हो जाए तो इसे ठंडा होने दें औरइसके बाद आइसक्रीम कंटेनर में रखकर फ्रीजर में रख दें। कतरे हुए काजू और पिस्ता के साथ सर्व करें

मॉर्निंग ब्रेकफस्ट में बनाएं ओट्स उपमा

ओट्स 1 कप
मटर आधा कप
बीन्स आधा कप
पत्तागोभी आधा कप (कद्दूकस की हुई)
प्यास 2 (बारीक कटा)
अदरक 1 इंच (बारीक कटा)
हरी मिर्च 4-5 (बारीक कटी)
चना दाल 2 चम्मच
सरसों का दाना 2 छोटा चम्मच
जीरा 2 छोटा चम्मच
ऑलिव ऑयल 2 चम्मच
नमक चुटकी भर
पानी 2 कप
धनिया पत्ता मुट्ठी भर
करी पत्ता थोड़ा सा

विधि

एक पैन में मध्यम आंच पर तेल गर्म करें और उसमें सरसों के दाने, जीरा और चना दाल डालकर तब तक फ्राइ करें जब तक सरसों फूटने न लगे।

» अब इसमें बारीक कटा प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें।

» हरी मिर्च और अदरक डालकर 4 से 5 मिनट तक पकाएं।

» कटी हुई सारी सब्जियां और पानी डालकर उबाल आने तक पकाएं।

» अब इसमें ओट्स और नमक डालकर अच्छी तरह से मिलाएं और पैन को कवर लगाकर ढक दें। गैस को धीमी आंच पर कर दें और ओट्स को पकन दें।

» गर्मा गर्म ओट्स उपमा को हरी चटनी के साथ सर्व करें।

संपादकीय

तेल खरीद का खुला रास्ता

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ओपेक और ओपेक प्लस से अलगाव की घोषणा की है, तो भारत के लिए कच्चे तेल की आपूर्ति का एक और निश्चित मार्ग खुल गया है। यदि 1 मई को यूएई ओपेक से अलग हो जाता है, तो अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में प्रतिस्पर्द्धा की नई शुरुआत होगी, नतीजतन तेल की कीमतें भी गिरेंगी। ओपेक तेल उत्पादक और निर्यातक देशों का संगठन है। फिलहाल सऊदी अरब उसका नेतृत्व कर रहा है। करीब 59 साल उसका हिस्सा बने रहने के बाद यूएई ने अलग होने का फैसला किया है। उसके कई कारण हैं। ईरान युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर ईरान की नाकेबंदी ने खासकर एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमरीका के देशों में गंभीर ऊर्जा-संकट पैदा कर दिया है। ऐसे में यूएई का फैसला कमोबेश भारत के लिए वरदान-सा है। फिलहाल भारत करीब 140 अरब डॉलर का तेल सालाना खरीदता है। यदि तेल के दाम 1 डॉलर कम होते हैं, तो भारत का आयात बिल 10,000 करोड़ रुपए कम हो जाता है। यूएई के फैसले पर अमल किया जाता है, तो भारत सालाना 50,000 करोड़ रुपए से 1 लाख करोड़ रुपए तक की बचत कर सकता है। यह कोई सामान्य राशि नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि यूएई स्वतंत्र रूप से, तेल की कितनी भी मात्रा, भारत को निर्यात कर सकेगा और वह आपूर्ति निर्बाध भी होगी, क्योंकि रास्ता होर्मुज से अलग होगा। भारत अभी सबसे अधिक 15.7 लाख बैरल तेल हररोज रूस से खरीद रहा है। हमारी तेल की जरूरतों में यह रूस की 38 फीसदी से अधिक की हिस्सेदारी है। सऊदी अरब से औसतन 6.22 लाख बैरल कच्चा तेल और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से 4.35 लाख बैरल तेल हररोज खरीदा जा रहा है। भारत इतना विशाल देश है और उसकी आबादी 147 करोड़ से अधिक, विश्व में सर्वाधिक है, लिहाजा हमारी तेल-जरूरतें भी व्यापक हैं। रूस, सऊदी, यूएई के अलावा, भारत को अमरीका, अल्जीरिया, अंगोला, कनाडा आदि देशों से भी कच्चा तेल आयात करना पड़ रहा है। भारत 35-50 फीसदी तेल होर्मुज के रास्ते आयात करता रहा है। करीब 42 फीसदी एलएनजी और 88 फीसदी एलपीजी का आयात भी होर्मुज के रास्ते ही होता रहा है। ईरान युद्ध के बावजूद होर्मुज के रास्ते करीब 40 लाख बैरल ईरानी तेल और अन्य टैंकर भारत पहुंचे हैं। भारत को निरंतर और निर्बाध तेल के आयात की जरूरत है, लिहाजा यूएई ओपेक से अलगाव के बाद जैसे ही अपनी तेल-नीति तय करती है, तो उसमें भारत जैसे 'रणनीतिक साझेदार' देश के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। भुगतान की शर्तें भी लचीली हो सकती हैं और खरीद भारतीय मुद्रा 'रुपए' में हो सकती है। ईरान युद्ध के दौरान जब यूएई के तेल ठिकानों और रिफाइनरियों पर हमले किए गए और होर्मुज बंद किए जाने से सप्लाई चेन बाधित हुई, तो उस दौर में ओपेक यूएई के लिए 'सुरक्षा-कवच' साबित नहीं हो पाया। सऊदी के साथ तीखी बहसें जारी रहीं, क्योंकि यूएई अपना कोटा बढ़ाने की लगातार मांग कर रहा था और सऊदी उसे खारिज करता रहा था। ओपेक में रहते हुए यूएई अपनी क्षमता का 60-65 फीसदी ही तेल बेच पा रहा था। उत्पादन काफी था और भंडारण सीमित था। अब अलगाव के बाद यूएई अधिक तेल बेच पाएगा और ज्यादा कमाई कर मुनाफा भी हासिल कर सकेगा। भारत के लिए यह शुभ और सीधा-सपाट रास्ता है, क्योंकि अब अबू धाबी क्रूड ऑयल पाइपलाइन से होते हुए सीधा फुजैरा बंदरगाह तक पहुंचेगा। फुजैरा ओमान की खाड़ी के तट पर है। वहां से तेल टैंकर सीधे अरब सागर में जाएंगे। होर्मुज पार करने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। वहां से भारत के पश्चिमी तट की बंदरगाह बहुत दूर नहीं है। यह वैश्विक ऊर्जा राजनीति के लिए भी सकारात्मक संकेत है। दरअसल ओपेक एक 'कार्टेल' है, जो तेल की सप्लाई घटा कर कीमतें ज्यादा रखता है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप लंबे समय से इसकी आलोचना करते रहे हैं। उनका आरोप है कि ओपेक तेल महंगा कर दुनिया को लूट रहा है। अब यूएई के इससे अलग होने के बाद तेल की कीमतें 5-10 डॉलर प्रति बैरल कम भी हो सकती हैं। यूएई से आपूर्ति बढ़ने पर भारत के विकल्प भी बढ़ सकते हैं और वह किसी भी स्थिति में, किसी एक देश, के दबाव में नहीं रहेगा।

ईरान युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर ईरान की नाकेबंदी ने खासकर एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमरीका के देशों में गंभीर ऊर्जा-संकट पैदा कर दिया है। ऐसे में यूएई का फैसला कमोबेश भारत के लिए वरदान-सा है। फिलहाल भारत करीब 140 अरब डॉलर का तेल सालाना खरीदता है। यदि तेल के दाम 1 डॉलर कम होते हैं, तो भारत का आयात बिल 10,000 करोड़ रुपए कम हो जाता है। यूएई के फैसले पर अमल किया जाता है, तो भारत सालाना 50,000 करोड़ रुपए से 1 लाख करोड़ रुपए तक की बचत कर सकता है। यह कोई सामान्य राशि नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि यूएई स्वतंत्र रूप से, तेल की कितनी भी मात्रा, भारत को निर्यात कर सकेगा और वह आपूर्ति निर्बाध भी होगी, क्योंकि रास्ता होर्मुज से अलग होगा। भारत अभी सबसे अधिक 15.7 लाख बैरल तेल हररोज रूस से खरीद रहा है। हमारी तेल की जरूरतों में यह रूस की 38 फीसदी से अधिक की हिस्सेदारी है। सऊदी अरब से औसतन 6.22 लाख बैरल कच्चा तेल और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से 4.35 लाख बैरल तेल हररोज खरीदा जा रहा है।

एग्जिट पोल्स : पांच राज्यों में 'पावर गेम', कहीं हैट्रिक तो कहीं सत्ता परिवर्तन के आसार

बंगाल से केरल तकः किसके पक्ष में जाएगा जनादेश?

योगेश कुमार गोयल

अब जनता का जनादेश ईवीएम में सुरक्षित है और पूरे देश की नजर 4 मई को आने वाले अंतिम परिणामों पर टिकी है लेकिन परिणामों से पहले, विभिन्न सर्वेक्षण एजेंसियों के 'एग्जिट पोल' ने राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। इन आंकड़ों ने कहीं जश्न का माहौल बना दिया है तो कहीं रणनीतियों पर फिर से विचार करने को मजबूर कर दिया है। ये एग्जिट पोल्स न केवल संभावित परिणामों का संकेत देते हैं बल्कि भारतीय लोकतंत्र की जटिलताओं, क्षेत्रीय राजनीतिक समीकरणों और मतदाताओं की बदलती प्राथमिकताओं को भी उजागर करते हैं। हालांकि एग्जिट पोल्स को लेकर हमेशा एक सावधानी भी जुड़ी रहती है कि ये अंतिम परिणाम नहीं बल्कि एक अनुमान मात्र होते हैं।

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी, इन पांच महत्वपूर्ण राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में विधानसभा चुनावों की मतदान प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही भारतीय लोकतंत्र के महापर्व का एक महत्वपूर्ण अध्याय संपन्न हो गया है। अब जनता का जनादेश ईवीएम में सुरक्षित है और पूरे देश की नजर 4 मई को आने वाले अंतिम परिणामों पर टिकी है लेकिन परिणामों से पहले, विभिन्न सर्वेक्षण एजेंसियों के 'एग्जिट पोल' ने राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। इन आंकड़ों ने कहीं जश्न का माहौल बना दिया है तो कहीं रणनीतियों पर फिर से विचार करने को मजबूर कर दिया है। ये एग्जिट पोल्स न केवल संभावित परिणामों का संकेत देते हैं बल्कि भारतीय लोकतंत्र की जटिलताओं, क्षेत्रीय राजनीतिक समीकरणों और मतदाताओं की बदलती प्राथमिकताओं को भी उजागर करते हैं। हालांकि एग्जिट पोल्स को लेकर हमेशा एक सावधानी भी जुड़ी रहती है कि ये अंतिम परिणाम नहीं बल्कि एक अनुमान मात्र होते हैं। फिर भी इन अनुमानों के जरिए हम राजनीतिक रुझानों और संभावित सत्ता संतुलन को समझने की कोशिश कर सकते हैं।

पश्चिम बंगालः 'खेला' या 'परिवर्तन'?

पश्चिम बंगाल की राजनीति हमेशा से राष्ट्रीय स्तर पर अत्यधिक महत्वपूर्ण रही है और पश्चिम बंगाल की 294 सीटों पर हुआ मुकाबला इस साल का सबसे दिलचस्प चुनाव रहा है। यहां बहुमत के लिए 148 सीटों की आवश्यकता है। एग्जिट पोल के आंकड़ों पर नजर डालें तो अपने एग्जिट पोल में चाणक्य स्ट्रैटेजीज ने भाजपा को 150-160, टीएमसी को 130-140, कांग्रेस को शून्य तथा अन्य को 6-10 सीटें दी हैं। इसी प्रकार एबीपी न्यूज-सी वोटर, मैट्रिज, पोल डायरी और प्रजापोल के एग्जिट पोल में भाजपा को क्रमशः 150-175, 146-161, 142-171, 178-208, टीएमसी को क्रमशः 118-138, 125-140, 99-127, 85-110 तथा अन्य को क्रमशः 6-10, 6-10, 5-9 तथा 0-5 सीटें मिलने का अनुमान है। केवल पीपुल्स पल्स का एग्जिट पोल ऐसा सामने आया है, जिसमें टीएमसी की सत्ता वापसी का अनुमान लगाया गया है। इस एग्जिट पोल में टीएमसी को 117-187, भाजपा 95-110, कांग्रेस 1-3, लेफ्ट 0-1 तथा अन्य को शून्य सीटें मिलने का अनुमान है। पीपुल्स पल्स को छोड़कर बंगाल के सभी एग्जिट पोल्स राज्य में सत्ता परिवर्तन की ओर इशारा कर रहे हैं। भाजपा को यहां स्पष्ट बहुमत मिलता दिख रहा है। 'प्रजापोल' जैसे सर्वेक्षण तो भाजपा को 200 के पार ले जा रहे हैं। यदि ये आंकड़े सही साबित होते हैं तो यह भारतीय राजनीति के इतिहास में एक बड़ा उलटफेर होगा। भाजपा का ध्रुवीकरण और 'परिवर्तन' का नारा जमीनी स्तर पर काम करता दिख रहा है जबकि टीएमसी के लिए सत्ता विरोधी लहर और भ्रष्टाचार के आरोप बड़ी चुनौती बन गए हैं।

असमः भाजपा की 'हैट्रिक' की तैयारी असम की 126 सीटों पर मतदान 9 अप्रैल को ही संपन्न हो गया था। यहां बहुमत का आंकड़ा 64 है। यहां हिमंत बिस्वा सरमा का नेतृत्व और विकास के साथ-साथ पहचान की राजनीति का मेल भाजपा के लिए 'विनिंग फॉर्मूला' साबित होता दिख रहा है। असम में सभी एग्जिट पोल्स एक स्वर में भाजपा की प्रचंड जीत की भविष्यवाणी कर रहे हैं। यहां भाजपा गठबंधन न केवल सत्ता बचाए रखने में सफल दिख रहा है बल्कि उसकी सीटें पिछली बार के मुकाबले बढ़ने का अनुमान है। कांग्रेस गठबंधन यहां काफी पिछड़ता नजर आ रहा है। एग्जिट पोल्स के अनुसार, भाजपा गठबंधन को 68 से लेकर 100 सीटों तक मिलने का अनुमान है जबकि कांग्रेस गठबंधन 22-36 सीटों तक सीमित दिख रहा है। यह संकेत देता है कि भाजपा यहां लगातार तीसरी बार सत्ता में लौट सकती है। असम में यह रुझान राजनीतिक स्थिरता और संगठनात्मक मजबूती का संकेत माना जा सकता है। एग्जिट पोल के आंकड़े देखें तो चाणक्य स्ट्रैटजीज ने भाजपा को 88-98, कांग्रेस 22-32, अन्य 3-5, एक्सिस माई इंडिया ने भाजपा को 88-100, कांग्रेस 24-36, अन्य 0, जेवीसी ने भाजपा को 88-101, कांग्रेस 23-33, अन्य 2-5, पी-मार्क ने भाजपा को 82-94, कांग्रेस 30-40, अन्य 1-5, मैट्रिज ने भाजपा को 85-95, कांग्रेस 25-32, अन्य 6-12, पीपुल्स पल्स ने भाजपा को 68-72, कांग्रेस 22-26, अन्य 7-15 और पोल डायरी ने भाजपा को 86-101, कांग्रेस को 15-26 तथा अन्य 3-7 सीटें दी हैं।

केरलमः एलडीएफ को झटका, यूडीएफ की वापसी?

केरलम की 140 सीटों पर भी 9 अप्रैल को मतदान हुआ था और यहां सत्ता की चाबी पाने के लिए 71 सीटों की जरूरत है। केरलम का रिवाज रहा है कि यहां हर पांच साल में सत्ता बदलती है, जिसे पिछले चुनाव में वामपंथी मोर्चे (एलडीएफ) ने तोड़ा था लेकिन इस बार के एग्जिट पोल्स संकेत दे रहे हैं कि जनता फिर से 'यूडीएफ' (कांग्रेस गठबंधन) की ओर लौट रही है। पिनाराई विजयन की सरकार को तगड़ा झटका लगने का अनुमान है। यहां पर एग्जिट पोल्स अपेक्षाकृत एकमत दिखाई देते हैं और पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाला एलडीएफ 49-65 सीटों तक सिमटता दिख रहा है जबकि यूडीएफ को 70-90 सीटों के बीच स्पष्ट बढ़त मिलती दिख रही है। यदि यह अनुमान सही साबित होता है तो केरल में परंपरागत सत्ता परिवर्तन की प्रवृत्ति एक बार फिर कायम रह सकती है। एग्जिट पोल में एक्सिस माई इंडिया ने यूडीएफ को 78-90, एलडीएफ को 49-62, भाजपा को 0-3, मैट्रिज ने यूडीएफ को 75-85, एलडीएफ को 60-65 और भाजपा 3-5, पीपुल्स पल्स ने यूडीएफ को 70-85, और एलडीएफ 55-65 सीटें दी है।

तमिलनाडुः द्रविड़ राजनीति में 'डीएमके' का दबदबा

तमिलनाडु की 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान हुआ था और यहां बहुमत का आंकड़ा 118 है। तमिलनाडु में मुकाबला हमेशा की तरह दो द्रविड़ दिग्गजों के बीच है। यहां एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाला डीएमके गठबंधन बढ़त बनाता दिख रहा है। हालांकि, एआईएडीएमके गठबंधन भी कुछ पोल्स में कड़ी टक्कर देता नजर आ रहा है लेकिन बहुमत के जादुई आंकड़े के करीब फिलहाल डीएमके ही दिख रही है। एम.के. स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके गठबंधन को 122-160 सीटें मिलने का अनुमान है जबकि एआईएडीएमके गठबंधन 65-110 सीटों के बीच रह सकता है। यहां एग्जिट पोल्स स्पष्ट तस्वीर पेश कर रहे हैं कि डीएमके गठबंधन सत्ता में वापसी कर सकता है। एग्जिट पोल के आंकड़े देखें तो अपने पोल में मैट्रिज ने डीएमके को 122-132, एआईएडीएमके को 87-100 तथा अन्य को 10-18, चाणक्य स्ट्रैटजीज ने डीएमके को 145-160, एआईएडीएमके को 50-65, अन्य को 18-26, प्रजा पोल ने डीएमके को 148-168, एआईएडीएमके को 61-81, अन्य को 1-9 और पीपुल्स पल्स ने डीएमके गठबंधन को 125-145, एआईएडीएमके को 65-80 तथा अन्य को 20-30 सीटें दी हैं।

पुडुचेरीः केंद्र शासित प्रदेश में भाजपा की उम्मीद

पुडुचेरी की 30 सीटों पर एक्सिस माई इंडिया का पोल भाजपा गठबंधन (16-20 सीटें) को स्पष्ट बहुमत दे रहा है जबकि कांग्रेस गठबंधन 6-8 सीटों पर सिमटता दिख रहा है। यह संकेत देता है कि छोटे लेकिन रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस केंद्रशासित प्रदेश में भाजपा अपनी स्थिति मजबूत कर सकती है।

सावधानी और साख का सवाल

यद्यपि एग्जिट पोल एक रोमांचक तस्वीर पेश करते हैं लेकिन इनकी विश्वसनीयता पर हमेशा प्रश्नचिह्न लगा रहता है। इतिहास गवाह है कि एग्जिट पोल कई बार पूरी तरह धराशायी हुए हैं। हाल के वर्षों में हरियाणा, महाराष्ट्र (जहां महायुति की जीत का अंतर पोल्स से कहीं ज्यादा था) और झारखंड (जहां एनडीए की हार हुई) के नतीजों ने दिखाया है कि साइलेंट वोटर की नब्ज पकड़ना सर्वे एजेंसियों के लिए कितना कठिन है। इन सर्वे की अपनी सीमाएं भी हैं। दरअसल एग्जिट पोल एक बहुत छोटे 'सैंपल साइज' पर आधारित होते हैं। करोड़ों मतदाताओं वाले राज्यों में कुछ हजार लोगों की राय पूरे प्रदेश का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकती।

देश दुनिया से

4 मई के बाद बदल जाएगी देश की राजनीति

देश के चार राज्यों- असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल एवं एक केंद्र शासित प्रदेश पुड्डुचेरी में हुए विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम एग्जिट पोल भी सामने आ चुके है। इस बार का विधानसभा चुनाव , इस मायने में बहुत खास है कि इसमें देश के दो प्रमुख राष्ट्रीय राजनीतिक दलों-कांग्रेस और बीजेपी के साथ ही तृणमूल कांग्रेस, डीएमके और एआईएडीएमके जैसे ताकतवर क्षेत्रीय दलों की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है। सबसे बड़ा सवाल तो लेफ्ट फ्रंट के दलों के सामने खड़ा हो गया है क्योंकि केरल की सत्ता हाथ से जाते ही उनके सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो जाएगा। त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में तो लेफ्ट पार्टियां पहले ही साफ हो चुकी है। जाहिर है कि इन पांच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेश के चुनावी नतीजें सिर्फ इन राज्यों के मुख्यमंत्री ही तय नहीं करेंगे बल्कि दोनों गठबंधन- एनडीए एवं इंडिया को भी प्रभावित करेंगे। यह भी एक तथ्य है कि चाहे, चुनावी नतीजे जो भी आए लेकिन इसके बाद देश के दो प्रमुख राजनीतिक दलों में तेजी से बड़े बदलाव दिखाई देने लगेंगे। बीजेपी ने नितिन नवीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर कई महीने पहले ही बदलाव की शुरुआत कर दी थी लेकिन वह बदलाव अभी संगठन के ढांचे और सरकार तक नहीं पहुंच पाया है। बताया जा रहा है कि चुनावी नतीजों के बाद नितिन नवीन की नई टीम के गठन के लिए उच्चस्तरीय बैठकों का दौर शुरू होगा। बीजेपी आलाकमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस बात की है कि वो बुजुर्ग हो चुके नेताओं को संगठन से बाहर रहने के लिए कैसे मना पाते हैं क्योंकि सबसे युवा अध्यक्ष चुनने के बाद पार्टी उनकी टीम को भी युवा नेताओं से ही भरना चाहती है। पार्टी के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में बीजेपी को पार्टी का फैसला लेने वाली सर्वोच्च ईकाई संसदीय बोर्ड, उम्मीदवारों का चयन करने वाली केंद्रीय चुनाव समिति के साथ ही राष्ट्रीय पदाधिकारियों और मोर्चों का पुनर्गठन करना है। पार्टी में नए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय महासचिव, राष्ट्रीय सचिव, राष्ट्रीय प्रवक्ता, मीडिया सहित विभिन्न विभागों की टीम के साथ ही राष्ट्रीय मोर्चों का भी पुनर्गठन करना है। इसके बाद बदलाव की यही प्रक्रिया सरकार और राज्यों में भी की जानी है। नई टीम में एक तरफ जहां युवा और अनुभवी नेताओं का संतुलन बनाना होगा वहीं महिलाओं को भी ज्यादा से ज्यादा जगह देनी होगी। बताया जा रहा है कि 4 मई को चुनावी नतीजे आने के 10-15 दिनों के अंदर नितिन नवीन की नई राष्ट्रीय टीम का ऐलान हो सकता है और इसके बाद भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय का पूरा स्वरूप ही बदला-बदला नजर आएगा। कांग्रेस में भी बड़े पैमाने पर बदलाव की शुरुआत आने वाले दिनों में होने जा रही है। मोदी-शाह की जोड़ी ने 46 वर्ष के नितिन नवीन को बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर राहुल और सोनिया गांधी के सामने दुविधा की स्थिति पैदा कर दी है। मल्लिकार्जुन खड़गे सुलझे हुए परिपक्व नेता तो हैं लेकिन 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को भी एक युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ युवा नेताओं की टीम तो खड़ी करनी ही पड़ेगी। हालांकि यह भी बताया जा रहा है कि राहुल गांधी अभी भी इस बात पर अड़े हुए हैं कि गांधी परिवार का कोई भी व्यक्ति पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बनेगा। ऐसे में जाहिर से बात है कि कांग्रेस को राहुल और प्रियंका गांधी से इतर जाकर अन्य युवा नेताओं की तरफ देखना पड़ेगा। इस रेस में फिलहाल सचिन पायलट सबसे आगे बताए जा रहे हैं। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा, दोनों के चहेते नेता सचिन पायलट को आने वाले दिनों में कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है, अगर अशोक गहलोत ने पार्टी के बुजुर्ग नेताओं के साथ मिलकर कोई और खेला नहीं कर दिया तो। ध्यान दीजिएगा कि, यह अकारण नहीं है कि पिछले कुछ दिनों से गहलोत बार-बार पायलट की बगावत का किस्सा सुनाने में लगे हुए है। लेकिन अगर पायलट का नाम पीछे छूट भी गया तो भी राहुल गांधी को पार्टी के लिए नया और वो भी युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष तो ढूंढना ही पड़ेगा। कांग्रेस के अंदर वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे को लेकर भी सुगबुगाहट शुरू हो गई है। कहा जा रहा है कि कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की गुटबाजी पर लगाम कसने के लिए खड़गे को मुख्यमंत्री बनाकर बेंगलुरू भेजा जा सकता है और उनकी जगह पर दिल्ली में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष को बैठाया जा सकता है। जाहिर सी बात है कि अगर खड़गे कर्नाटक जाएंगे तो फिर पार्टी को राज्यसभा में भी अपना नया नेता चुनना पड़ेगा। नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ राष्ट्रीय संगठन महासचिव भी किसी युवा नेता को ही बनाना पड़ेगा और उसके बाद कांग्रेस मुख्यालय में भी नए चेहरों की संख्या बढ़ जाएगी। यह तय मान कर चलिए कि बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन में मई के महीने में ही बदलाव होना तय है। हालांकि कांग्रेस में बदलाव की यह रफ्तार थोड़ी धीमी हो सकती है।

आप का नज़रिया

पंचायती मिट्टी का सवाल

हिमाचल की सामाजिक-राजनीतिक जागरूकता की परीक्षा लेते पंचायत चुनाव तपती दोपहर लिख रहे हैं। कुल 3754 पंचायतों में लोग अपने वजूद और भविष्य की निगरानी का इंतजाम करेंगे, तो करीब पचास लाख मतदाताओं के मजमून जाहिर होंगे। पंचायतों के सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक मुद्दे बहुत ही नजदीक से मुआयना करते हैं और जहां साझी विरासत में टूटती कूहलें, विकास खंड की भूमिका, कच्ची गलियों के टूटते पत्थर, बढ़ती गंदगी के अंबार, बिजली-पानी की आपूर्ति और स्कूल-अस्पताल के बुनियादी सवालों की आंच बिखरती है। इसलिए पंचायतों के मार्फत 31182 पदों पर नया आरोहण, सियासत के तजुर्बे को नई रंगत देगा। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने युवाओं को स्थानीय निकाय चुनावों के माध्यम से आजमाने का रास्ता दिखाया है, तो यहां जज्बा और जनादेश आने वाली पीढियों के मकसद बता रहा है। पिछली बार पंचायत चुनावों में एक पीढ़ी गुजर गई थी और कहीं-कहीं युवा ताजपोशियों ने यह साबित किया था कि भविष्य के वास्तुकार अगर जोश और जुनून से भरे होंगे, तो सारा परिदृश्य बदल जाएगा। हिमाचल के आंकड़ों में लिंग भेद की गुंजाइश न के बराबर है और इस बार भी 2567770 पुरुष मतदाताओं के मुकाबले 2511249 महिला मतदाता चुनावी संभावना से स्कोप तक वैचारिक समानता लाएंगे। जाहिर है ये चुनाव टोपी और घूंघट के बीच नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता के अलख जगाएंगे। कुल 52349 पहली बार के मतदाता अपने साथ, 'फूल खिले हैं गुलशन-गुलशन', जैसा मसौदा तैयार करके अपनी नई नवेली भूमिका में लोकतंत्र के पहले पाठ की प्रयोगशाला लिखेंगे। कहना न होगा कि समाज में आ रहे मानसिक बदलाव व साक्षरता दर से कहीं आगे उच्चतम पढ़ाई के अक्स से निकले युवा मतदाता चाहें तो चुनाव के किरदार को पूरी तरह बदल सकते हैं। हिमाचली विकास को 51 शहर और 3754 पंचायतों के बीच नया सामंजस्य और नया अवतार चाहिए। पंचायतों से नगर पंचायत के बीच केवल सियासी बदलाव नहीं, मानसिक उत्प्रेरणा भी चाहिए। बढ़ते शहरों के कदों में गांव के खोने का डर अगर किसी नए कर की वजह से है, तो यह मुहावरा अच्छा नहीं। अंततः नगर निगमों के अस्तित्व में जुड़ रहीं पंचायतों को आगे चल कर पूरी तरह शहर की मिट्टी ही तो मजबूत करनी है। आश्चर्य यह कि इस बार योल कैंप छावनी बोर्ड से टूटे गांव, फिर से पंचायती राज में जन्नत देख रहे हैं। जो इलाके आजादी के पहले से ही शहरी सुविधाओं की सशक्त प्रणाली के तहत एक चुस्त व्यवस्था में चल रहे थे, क्या अब पुनः पंचायतों में प्रवेश करके जन्नत हासिल कर पाएंगे। जाहिर है पंचायत चुनावों के टीले पर आवारा पशु, बंदर, वन्य प्राणी और जंगल से इनसानी रिश्तों की नई कहानी सुनाएंगे। कूहलों व खड्डों पर अतिक्रमण और रेत के खनन के विरुद्ध भी हो सकते हैं, बशर्ते राजनीतिक पार्टियां दृश्य में अपने हमसफर न खोजें। पूरे प्रदेश में चिट्टे की जड़ें अब गांव-गांव तक पहुंच रही है, तो एक नए युवा समाज के नेतृत्व को ताकतवर इच्छाशक्ति चाहिए। मतदाता अगर उम्मीदवारों के बीच परिवर्तन के लिए इच्छाशक्ति से भरपूर जनप्रतिनिधि चुन पाते हैं, तो स्थानीय निकायों की रूपरेखा में सशक्त समाज, राज्य और देश की परिकल्पना को मजबूत आधार मिलेगा। देश की नीतियों पर सर्कस करतीं सरकारों के कवच से बाहर अगर पंचायती राज संस्थाएं मौलिक संवेदना, अधिकारों के प्रति जागरूकता तथा विकास के प्रति उत्तरदायित्व पैदा करने के लिए, सामाजिक आईनों पर हस्ताक्षर कर पाएंगी, तो ही परिवर्तन आएगा, वरन चुनाव के बाद सियासी अंकगणित में ही सुर्खियां गुम हो जाएंगी।

पंचायतों के सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक मुद्दे बहुत ही नजदीक से मुआयना करते हैं और जहां साझी विरासत में टूटती कूहलें, विकास खंड की भूमिका, कच्ची गलियों के टूटते पत्थर, बढ़ती गंदगी के अंबार, बिजली-पानी की आपूर्ति और स्कूल-अस्पताल के बुनियादी सवालों की आंच बिखरती है। इसलिए पंचायतों के मार्फत 31182 पदों पर नया आरोहण, सियासत के तजुर्बे को नई रंगत देगा। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने युवाओं को स्थानीय निकाय चुनावों के माध्यम से आजमाने का रास्ता दिखाया है, तो यहां जज्बा और जनादेश आने वाली पीढ़ियों के मकसद बता रहा है। पिछली बार पंचायत चुनावों में एक पीढ़ी गुजर गई थी और कहीं-कहीं युवा ताजपोशियों ने यह साबित किया था कि भविष्य के वास्तुकार अगर जोश और जुनून से भरे होंगे, तो सारा परिदृश्य बदल जाएगा। हिमाचल के आंकड़ों में लिंग भेद की गुंजाइश न के बराबर है और इस बार भी 2567770 पुरुष मतदाताओं के मुकाबले 2511249 महिला मतदाता चुनावी संभावना से स्कोप तक वैचारिक समानता लाएंगे। जाहिर है ये चुनाव टोपी और घूंघट के बीच नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता के अलख जगाएंगे। कुल 52349 पहली बार के मतदाता अपने साथ, 'फूल खिले हैं गुलशन-गुलशन', जैसा मसौदा तैयार करके अपनी नई नवेली भूमिका में लोकतंत्र के पहले पाठ की प्रयोगशाला लिखेंगे। कहना न होगा कि समाज में आ रहे मानसिक बदलाव व साक्षरता दर से कहीं आगे उच्चतम पढ़ाई के अक्स से निकले युवा मतदाता चाहें तो चुनाव के किरदार को पूरी तरह बदल सकते हैं।

कुछ अलग

खुशी का मूल मंत्र

मनुष्य का स्वभाव है कि वह भविष्य से बहुत अपेक्षाएं बांध लेता है। हम अक्सर यह मान लेते हैं कि जो हमें अभी नहीं मिला है, वही हमें पूर्ण करेगा, और जो हमें मिल चुका है, वह बस एक सीढ़ी थी, मंजिल नहीं। मनुष्य का मन बहुत अजीब है। वह जिस चीज को पा लेता है, उसी से ऊब जाता है, और जिसे नहीं पाया, उसी को जीवन का सार समझ बैठता है। यही उसकी त्रासदी है। वह भविष्य में जीता है, वर्तमान को टालता रहता है। वह सोचता है कि जब यह मिल जाएगा, तब खुश हो जाऊंगा। और जब वह मिल जाता है, तो खुशी कहीं और खिसक जाती है। मन कहता है कि नहीं, यह नहीं, अगला चाहिए। यदि हम ईमानदारी से अपने जीवन की ओर देखें, तो एक सरल किंतु असहज सत्य सामने आता है कि हमारी अधिकांश उपलब्धियां हमें उतनी खुशी कभी नहीं दे पाईं, जितनी हमने उनसे अपेक्षा की थी। फिर भी हम उसी भूल को बार-बार दोहराते हैं, केवल पात्र बदल जाते हैं, कभी पद, कभी धन, कभी सम्मान, कभी संबंध, और कभी कोई सपना। यही मन की चाल है, और यही दुख का जन्मस्थान। हम थोड़ा सा विश्लेषण करेंगे तो पाएंगे कि हर उपलब्धि के साथ खुशी का एक छोटा-सा क्षण आता है, पर वह क्षण टिकता नहीं। जिस दिन हम उस लक्ष्य तक पहुंचते हैं, उस दिन मन थोड़ी देर के लिए तृप्त होता है, पर शीघ्र ही भीतर कोई नई आकांक्षा जन्म ले लेती है। मन फिर कहने लगता है 'अब इससे आगे।' यही मन की आदत है। वह वर्तमान को कभी पर्याप्त नहीं मानता। उसे हमेशा कुछ और चाहिए, कुछ बड़ा, कुछ अलग।

दृष्टि कोण

स्वास्थ्य योजनाओं से मिलता बेहतर इलाज

भारत में स्वास्थ्य सेवाओं का स्वरूप बीते कुछ वर्षों में तेजी से बदला है। कभी इलाज का खर्च गरीब और निम्न मध्यम वर्ग के परिवारों को कर्ज और आर्थिक संकट में धकेल देता था, लेकिन अब सरकारी योजनाओं ने इस बोझ को काफी हद तक कम करने का प्रयास किया है। हर वर्ष 30 अप्रैल को मनाया जाने वाला आयुष्मान भारत दिवस इसी बदलाव का प्रतीक है, जो देश में स्वास्थ्य सुरक्षा के नए दौर को दर्शाता है। आयुष्मान भारत योजना की शुरुआत 23 सितंबर 2018 को हुई थी। इसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराना है। इस योजना के तहत पात्र परिवारों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपए तक का कैशलेस और पेपरलेस इलाज दिया जाता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें परिवार के आकार, आयु या लिंग की कोई सीमा नहीं है, जिससे यह योजना अधिक समावेशी बनती है। आज यह दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा योजना मानी जाती है और देश की लगभग 40 प्रतिशत आबादी को कवर करने का लक्ष्य रखती है। यदि इसके प्रभाव को आंकड़ों में समझें, तो तस्वीर और स्पष्ट हो जाती है। मार्च 2026 तक 43.52 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके थे। वर्ष 2024-25 में ही इस योजना के माध्यम से लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपए के इलाज खर्च से लोगों को राहत मिली है। भारत सरकार ने 2026 में 15 जनवरी से 15 अप्रैल तक विशेष अभियान चलाकर छूटे हुए पात्र लाभार्थियों तक योजना का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया है। इस दौरान 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को 'वय वंदना कार्ड' के माध्यम से शामिल करना एक महत्वपूर्ण पहल रही है। भारत में स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत करने में राज्यों की योजनाओं की भी अहम भूमिका रही है। विभिन्न राज्यों ने अपनी परिस्थितियों के अनुसार मुफ्त या कैशलेस इलाज की योजनाएं शुरू की हैं, जो आयुष्मान भारत के साथ मिलकर एक व्यापक सुरक्षा कवच तैयार करती हैं। राजस्थान में मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य

बीमा योजना के तहत पात्र परिवारों को 25 लाख रुपए तक का इलाज मिलता है, जबकि पश्चिम बंगाल की स्वास्थ्य साथी योजना कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करती है। ओडिशा की गोपबंधु जन आरोग्य योजना में महिलाओं के लिए 10 लाख रुपए तक का कवर है। तमिलनाडु की मुख्यमंत्री व्यापक स्वास्थ्य बीमा योजना 5 लाख रुपए तक का इलाज सुनिश्चित करती है। हिमाचल प्रदेश की (हिमकेयर) मुख्यमंत्री हिमाचल स्वास्थ्य देखभाल योजना और केरल की करुण्य आरोग्य सुरक्षा पद्धति भी गरीब और जरूरतमंद वर्गों को बड़ी राहत देती हैं। महाराष्ट्र में महात्मा ज्योतिबा फुले जन आरोग्य योजना और दिल्ली में दिल्ली आरोग्य कोष भी इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। कई राज्यों में इन योजनाओं को आयुष्मान भारत के साथ जोडक़र 5 से 10 लाख रुपए तक का संयुक्त कवर दिया जा रहा है। इसी तरह पंजाब में 'मुख्यमंत्री सेहत बीमा योजना' है। यह योजना राज्य के निवासियों को प्रति परिवार सालाना 10 लाख तक का मुफ्त, कैशलेस इलाज प्रदान करती है, जो 900 से अधिक सूचीबद्ध सरकारी और निजी अस्पतालों में उपलब्ध है। इन योजनाओं का उद्देश्य राज्य के निवासियों को महंगे इलाज के वित्तीय बोझ से बचाना है। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत देशभर में 1.84 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए जा चुके हैं, जो लोगों को उनके घर के पास प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराते हैं। इससे छोटी बीमारियों का समय पर इलाज संभव हो पाता है और गंभीर बीमारियों का खतरा कम होता है।

हैदराबाद हीरोज ने सुमित कुमार रॉय 3.75 लाख शिखा यादव को दिल्ली रेड्ज ने 2.4 लाख में खरीदा

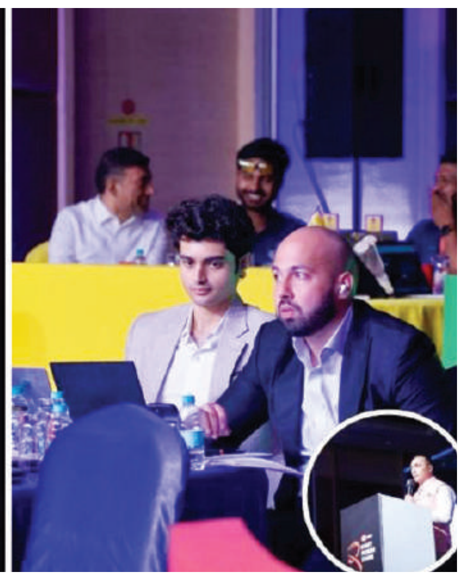

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जीएमआर स्पोर्ट्स ने रग्बी इंडिया के साथ मिलकर गुरुवार को हैदराबाद में सीजन 2 प्लेयर नीलामी और ड्राफ्ट सफलतापूर्वक संपन्न किया। सभी फ्रेंचाइजियों ने आगामी एचएसबीसी रग्बी प्रीमियर लीग सीजन के लिए मजबूत और प्रतिस्पर्धी टीमों का गठन कर लिया है।

भारतीय रग्बी के इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण के रूप में, महिला फ्रेंचाइज़ियों ने भी पहली बार ऑक्शन और ड्राफ्ट में भाग लिया, जिसमें चेन्नई बुल्स, मुंबई ड्रीमर्स, कोलकाता बंगा टाइगर्स और दिल्ली रेड्ज टीमें है। पुरुष और महिला दोनों प्रतियोगिताएँ 16 जून से 28 जून तक हैदराबाद के गाचीबौली स्टेडियम में आयोजित की जाएंगी।

नीलामी और ड्राफ्ट लीग के लिए छह पुरुष और चार महिला फ्रेंचाइज़ियों ने अनुभवी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों और उभरती भारतीय प्रतिभाओं के संतुलित संयोजन के साथ अपनी रणनीतिक टीमों का चयन किया। पुरुष वर्ग में पश्चिम बंगाल के सुमित कुमार रॉय 3.75 लाख में हैदराबाद हीरोज के साथ सबसे महंगे भारतीय खिलाड़ी बने। उनके बाद मोहित खत्री 3.5 लाख में चेन्नई बुल्स के साथ रहे, जबकि दीपक कुमार पुनिया और प्रशांत अरविंद प्रताप सिंह को क्रमशः दिल्ली रेड्ज़ और कोलकाता बंगा टाइगर्स ने 2.75 लाख में चुना।

महिला नीलामी में दिल्ली की शिखा यादव 2.4 लाख में दिल्ली रेड्ज़ के साथ सबसे महंगी भारतीय खिलाड़ी रहीं। उनके बाद भूमिका शुक्ला 2.2 लाख में मुंबई ड्रीमर्स के साथ रहीं, जबकि निर्मल्या राउत और अमनदीप कौर को क्रमशः कोलकाता बंगा टाइगर्स और चेन्नई बुल्स ने 1.6 लाख में चुना।

इस अवसर रग्बी इंडिया के अध्यक्ष राहुल बोस ने कहा, यह एक बेहद रोमांचक ऑक्शन और ड्राफ्ट था। सभी टीमें अपनी रणनीतियों के साथ बेहद तैयार होकर आई थीं। यह एचएसबीसी आरपी-ीएल को बेहद प्रतिस्पर्धी बनाएगा। 2025 में हमने पुरुष रग्बी लीग के साथ इतिहास रचा था। हमें बेहद खुशी है कि 2026 में अब महिला लीग भी इसका हिस्सा होगी।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल 2026: अभिषेक शर्मा और क्लासेन ने आरेंज कैप रेस में मारी बाजी, मलिंगा पर्पल कैप में सबसे आगे

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद की मुंबई इंडियंस पर छह विकेट की जीत के बाद आरेंज कैप और पर्पल कैप की दौड़ में बड़ा बदलाव देखने को मिला। हैदराबाद के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रन तालिका को पूरी तरह बदल दिया। आरेंज कैप: अभिषेक और क्लासेन का दबदबा मैच से पहले राजस्थान रायल्स के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी 400 रन के साथ आरेंज कैप धारक थे, लेकिन इस मुकाबले के बाद वह तीसरे स्थान पर खिसक गए। सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा ने 24 गेंदों में 45 रन की तेज पारी खेली, जबकि हेनरिक क्लासेन ने 30 गेंदों में नाबाद 65 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। इस प्रदर्शन के साथ अभिषेक शर्मा 425 रन के साथ शीर्ष पर पहुंच गए हैं, जबकि क्लासेन 414 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वैभव सूर्यवंशी अब 400 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं। उनके बाद दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल और रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। ये दोनों खिलाड़ी इस सीजन 350 रन का आंकड़ा पार कर चुके हैं। पर्पल कैप: ईशान मलिंगा सबसे आगे गेंदबाजी में ईशान मलिंगा ने एक बार फिर प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए 29 रन देकर 1 विकेट हासिल किया। उन्होंने मुंबई इंडियंस के कप्तान सूर्यकुमार यादव को अपना शिकार बनाया। इस प्रदर्शन के साथ मलिंगा अब 15 विकेट लेकर पर्पल कैप की रेस में सबसे आगे हैं। उनके पीछे रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार, राजस्थान रायल्स के जोफ्रा आर्चर और चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज 14-14 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वहीं, लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव और गुजरात टाइटंस के कगिसो रबाडा 13-13 विकेट के साथ अगली पंक्ति में बने हुए हैं।

आईपीएल में अभी किसी टीम को प्रबल दावेदार नहीं बता सकते : गांगुली

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है आईपीएल में सभी टीमें

अच्छा खेल रही हैं और ऐसे में ये नहीं कहा जा सकता है कि कौन सी टीम जीतेगी। पंजाब किंग्स अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए काफी अच्छा कर रही है। इसके अलावा राजस्थान रायल्स और रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु भी उसे कड़ी टक्कर दे रही हैं। अन्य टीमों भी उलटफेर कर रही हैं। कुल मिलाकर टूर्नामेंट अभी संतुलित हाल में है और कोई भी टीम आगे जा सकती है। इसलिए ये नहीं कहा जा सकता है ये टीम खिताब की प्रबल दावेदार है। गांगुली के अनुसार अभी करीब आधे मुकाबल बचे हुए है और ऐसे में ये टूर्नामेंट किसी भी दिशा में जा सकता है। कुल मिलाकर देखा जाये तो अभी कोई भी टीम ऊपर आ सकती है क्योंकि इस बार काफी अच्छी प्रतिस्पर्धा हो रही है। । अंक तालिका में भी टीमों के बीच कड़ा मुकाबला हो रहा है। पंजाब किंग्स अभी पहले स्थान पर चल रही है। वहीं दूसरे पर रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु है और तीसरे पर राजस्थान रायल्स वह चौथे पर सनराइजर्स हैदराबाद है। गुजरात टाइटन्स पांचवें स्थान पर है।

वैभव के पास दिल्ली कैपिल्स के खिलाफ मुकाबले में पोलार्ड का रिकार्ड तोड़ने का अवसर

मुम्बई। राजस्थान रायल्स की टीम अब दिल्ली कैपल्स से जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेलेगी। इस

मैच में सभी की नजरें राजस्थान के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी। वैभव इस मैच में सबसे तेज 100 छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं। इसके लिए उन्हें केवल एक छक्के की जरुरत है। अगर वैभव इसमें सफल रहे तो वह किरोन पोलार्ड का सबसे तेज 100 छक्के लगाने का रिकार्ड तोड़ देंगे। पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मैच में वैभव ने पांच छक्के लगाये थे। इन पांच छक्कों के साथ ही उनके अब टी20 की 27 पारियों में कुल 99 छक्के हो गए हैं। टी20 में सबसे तेज 100 छक्के लगाने का विश्व रिकार्ड अभी पोलार्ड के नाम है। उन्होंने 843 गेंद में यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं सूर्यवंशी ने अब तक 511 गेंदें ही खेली हैं। ऐसे में उनका नंबर एक पर आना तय है। वैभव ने आईपीएल सत्र की शुरुआत साल 2025 में की थी। तब वह केवल 14 साल की उम्र में खेलने उतरे थे। इस प्रकार वह सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले खिलाड़ी बने थे। तब उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेलते हुए पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। वहीं इस सत्र में उन्होंने जसप्रीत बुमरार और पैट कमिंस जैसे गेंददाजों पर भी छक्के लगाये हैं।

156 रन चेज करने में फूली गुजरात की सांस, आरसीबी को मिली तीसरी हार, शुभमन गिल की टीम ने लिया बदला

अहमदाबाद: आईपीएल 2026 के 42वें मैच में गुजरात टाइटंस की टीम ने पिछले साल की चैंपियन आरसीबी को 4 विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले बैटिंग करते हुए आरसीबी की टीम सिर्फ 155 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में गुजरात की टीम ने जैसे-तैसे 6 विकेट खोकर इस टारगेट को 16वें ओवर तक चेज कर लिया। हालांकि इस मैच के बाद भी आरसीबी की टीम पॉइंट्स टेबल में दूसरे और गुजरात की टीम 5वें नंबर पर ही मौजूद है।

गुजरात ने भी खो दिए 6 विकेट

टारगेट का पीछा करने उतरी गुजरात की टीम की शुरुआत अच्छी रही। कप्तान शुभमन गिल ने सिर्फ 18 गेंद पर 4 चौके और 3 छक्कों की मदद से 43 रन ठोक दिए। हालांकि दूसरे ओपनर साई सुदर्शन कुछ नहीं कर पाए और 6 रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन इसके बाद जोस बटलर ने 19 गेंद पर 39 रन की पारी खेली, जिसमें 4 छक्के और दो चौके रहे। यहां से गुजरात की जीत लगभग पक्की लग रही थी, लेकिन यहां से गुजरात के विकेट लगातार गिरते रहे। वाशिंगटन सुंदर 12, शाहरुख खान 8, जेसन होल्डर 12 रन बनाकर चलते बने। हालांकि राहुल तेवतिया ने नाबाद 27 रन बनाकर अपनी टीम के लिए मैच खत्म किया। आरसीबी के लिए भुवनेश्वर कुमार ने 3 और रोमारियो शेफर्ड ने 2 विकेट हासिल किए।

सिर्फ 155 पर ऑलआउट हुई जीटी

नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी आरसीबी की टीम 19.2 ओवरों में 155 रन पर सिमट गई। इस टीम को जैकब बेथेल और विराट कोहली की सलामी जोड़ी ने संभली हुई शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने पहले विकेट के लिए 16 गेंदों में 34 रन की साझेदारी की।

जैकब बेथेल 5 रन बनाकर पवेलियन लौटे। अगले ओवर में टीम ने विराट कोहली का विकेट भी खो दिया, जो 13 गेंदों में 6 बाउंड्री के साथ 28 रन बनाकर आउट हुए।

आरसीबी की टीम 3.2 ओवरों में 35 के स्कोर तक अपने दोनों ओपनिंग बल्लेबाजों के विकेट खो चुकी थी। यहां से देवदत्त पड्डिकल ने कप्तान रजत पाटीदार के साथ मोर्चा संभाला। दोनों खिलाड़ियों ने तीसरे विकेट के लिए 26 गेंदों में 44 रन की साझेदारी की। पाटीदार 15 गेंदों में 1 छक्के और 2 चौकों के साथ 19 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद पड्डिकल ने छोटी-छोटी साझेदारियां करते हुए टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। हालांकि, दूसरे छोर पर जितेश शर्मा (1), टिम डेविड (9) और क्रुणाल पांड्या (4) उनका बखूबी साथ नहीं दे सके। सातवें विकेट के लिए पड्डिकल ने रोमारियो शेफर्ड के साथ 21 गेंदों में 30 रन जुटाए। देवदत्त पड्डिकल 24 गेंदों में 40 रन बनाकर पवेलियन लौटे। उनकी इस पारी में 2 छक्के और 5 चौके शामिल रहे। वेंकटेश अय्यर ने भुवेश्वर कुमार के साथ 9वें विकेट के लिए 30 गेंदों में 29 रन जोड़कर टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया।

जॉर्जिया और आर्मेनिया मिलकर करेंगे 2029 फीफा अंडर-20 वर्ल्ड कप की मेजबानी

येरेवन/त्बिलिसी

विश्व फुटबाल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने 2029 के अंडर-20 वर्ल्ड कप की मेजबानी के लिए जार्जिया और आर्मेनिया को संयुक्त रूप से चुना है। यह पहली बार होगा जब दक्षिण काकस क्षेत्र के ये दोनों देश किसी फीफा टूर्नामेंट की मेजबानी करेंगे।

यह फैसला बुधवार को कनाडा के वैंकूवर में हुई फीफा काउंसिल की बैठक में लिया गया, जो 76वीं फीफा कांग्रेस से ठीक पहले आयोजित की गई थी। हर दो साल में आयोजित होने वाला यह टूर्नामेंट दुनिया की 24 युवा टीमों को एक मंच पर लाता है और इसे भविष्य के सितारों का मंच माना जाता है।

फुटबाल फेडरेशन आफ आर्मेनिया ने इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय फुटबाल समुदाय के भरोसे का प्रतीक है। फेडरेशन के अध्यक्ष आर्मेन मेलिकबेकयान ने कहा कि यह टूर्नामेंट स्थानीय खिलाड़ियों और प्रशंसकों को विश्व कप जैसा अनुभव देगा। वहीं, जार्जियन फुटबाल फेडरेशन के अध्यक्ष लेवन कोबियाशविली ने विश्वास जताया कि यह आयोजन क्षेत्र में फुटबाल के विकास को नई दिशा देगा। उन्होंने इसे जार्जिया के स्वतंत्र फुटबाल इतिहास का अद्वितीय क्षण बताया।इस प्रतियोगिता की शुरुआत 1977 में ट्यूनीशिया में हुई थी, तब इसे फीफा वर्ल्ड यूथ चैंपियनशिप के नाम से जाना जाता था। 2007 में इसका नाम बदलकर वर्तमान स्वरूप दिया गया। अब तक 23 संस्करण खेले जा चुके हैं, जिसमें अर्जेंटीना अंडर-20 ने सबसे ज्यादा छह खिताब जीते हैं, जबकि ब्राजील अंडर-20 पांच खिताब के साथ दूसरे स्थान पर है। हाल ही में 2025 में चिली में खेले गए टूर्नामेंट में मोरक्को ने खिताब जीता था। वहीं, 2027 का अगला संस्करण अजरबैजान और उज़्बेकिस्तान की संयुक्त मेजबानी में आयोजित होगा। फीफा के इस फैसले को क्षेत्रीय खेल विकास के लिए एक बड़ा कदम माना जा रहा है, जिससे आने वाले वर्षों में युवा फुटबाल को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है।

विनेश अगले माह राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट से वापसी करेंगी

नई दिल्ली। महिला पहलवान विनेश फोगाट अब अगले माह 10 से 12 मई तक गोंडा में होने वाले राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट में खेलती नजर आयेंगी। इसी के साथ ही 20 महीनों के बाद वह किसी प्रतियोगिता में खेलती दिखेंगी। विनेश ने इस रैंकिंग टूर्नामेंट के लिए नामंकन करा लिया है। वहीं उन्होंने इससे पहले नामांकन में आने वाली बाधा के बाद आरोप लगाया था कि महासंघ उनकी वापसी नहीं चाहता है पर बाद में उनका नामांकन हो गया। वहीं महासंघ का कहना था कि विनेश के आरोप सही नहीं थे। पंजीकरण पोर्टल में तकनीकी समस्याओं के कारण विनेश ही नहीं, कई अन्य पहलवानों को भी नामांकन में परेशानी आई थी। जिससे बाद में ठीक कर लिया गया। वहीं इसके बाद विनेश ने कहा, आगामी रैंकिंग टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए मेरा नामांकन पूरा हो गया। सभी के समर्थन के लिए आभार । 20 महीनों के बाद अपनी पहली प्रतियोगिता में उतरने को लेकर उत्साहित हूं। गौरतलब है किक पेरिस ओलंपिक 2024 में अधिक वजन के कारण खिताबी मुकाबले से बाहर किये जाने के बाद वीनेश हताश होकर कुश्ती से संन्यास ले लिया था पर इस साल के एशियाई खेलों और 2028 ओलंपिक खेलों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने संन्यास से वापसी का फैसला किया।

चैंपियंस लीग सेमीफाइनल: एटलेटिको मैड्रिड और आर्सेनल के बीच पहला मुकाबला 1-1 से ड्रॉ

मैड्रिड

यूईएफए चैंपियंस लीग 2026 के सेमीफाइनल के पहले चरण में एटलेटिको मैड्रिड और आर्सेनल के बीच मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। यह मैच जहां एक ओर रणनीतिक रूप से कड़ा रहा, वहीं गोल के मौके सीमित देखने को मिले।

पहले हाफ में आर्सेनल ने बढ़त बनाई। 44वें मिनट में विक्टर ग्योकेरेस को पेनल्टी मिली, जिसे उन्होंने शानदार तरीके से गोल में बदलते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी।

हालांकि, दूसरे हाफ में एटलेटिको मैड्रिड ने वापसी की। 56वें मिनट में वीडियो सहायक रेफरी (वीएआर) की मदद से बेन व्हाइट के हैंडबाल का फैसला हुआ, जिसके बाद जूलियन अल्वारेज़ ने पेनल्टी को गोल में तब्दील कर स्कोर 1-1 कर दिया।

इसके बाद दोनों टीमों ने मौके बनाए, लेकिन कोई भी बढ़त नहीं ले सका। एटलेटिको के एंटोनी ग्रिज़मैन का शाट क्रासबार से टकराया, जबकि आर्सेनल को मिला एक और पेनल्टी मौका वीएआर समीक्षा के बाद रद्द कर दिया गया।

मैच के बाद एटलेटिको मैड्रिड के कप्तान कोके ने कहा, हमने पूरा प्रयास किया। शुरुआती गोल पेनल्टी से मिला, जो मुझे थोड़ा संदिग्ध लगा। हमारे पास मैच जीतने के मौके थे, लेकिन अब फैसला दूसरे चरण में होगा। उनकी रक्षा मजबूत है और आगे उनके खिलाड़ी काफी तेज हैं। हम अपने मौकों को भुना नहीं सके। हमें उम्मीद है कि लंदन में होने वाला अगला मैच इस सत्र में हमारा आखिरी मुकाबला नहीं होगा।

आर्सेनल के गोलस्कोरर विक्टर ग्योकेरेस ने कहा, पहले हाफ में हमने मैच पर अच्छा नियंत्रण रखा। दूसरे हाफ में उन्होंने बेहतर खेल दिखाया और शायद गोल के हकदार भी थे। कुल मिलाकर यह एक कठिन मुकाबला रहा। घरेलू मैदान और दर्शकों के समर्थन के साथ अगला मैच अलग होगा। हमें अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा। अब दोनों टीमों के बीच दूसरा चरण 5 मई को लंदन में खेला जाएगा। इस मुकाबले का विजेता फाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन या बायर्न म्यूनिख से भिड़ेगा। फिलहाल पीएसजी को पहले चरण में 5-4 की बढ़त हासिल है।

कैफ ने की भुवनेश्वनर की टीम इंडिया में वापसी की मांग

मुम्बई

पूर्व भारतीय बल्लेबाज मोहम्मद कैफ ने कहा है कि रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते हुए आईपीएल के इस सत्र में तेज गेंदबाज भुवनेश्वनर कुमार ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इसी को देखते हुए अब उनकी भारतीय टीम में वापसी होनी चाहिये। कैफ के अनुसार भुवनेश्वर इस बार सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप के भी दावेदार हैं और उनकी गेंदबाजी काफी प्रभावी रही है। ऐसे में उनके नाम पर फिर से विचार होना चाहिये। उन्होंने का कि इस सत्र में भूवी ने अपनी स्विंग गेंदबाजी और सटीक लाइन-लेंथ से विरोधी बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया है। उन्होंने अलग-अलग हालातें में काफी अच्छी गेंदबाजी की है।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उन्होंने केवल 3 ओवर में ही 5 रन देकर 3 विकेट लिए थे। कैफ का कहना है कि जब भुवनेश्वर शुरुआत में आये थे तभी ऐसी गेंदबाजी करते थे। कैफ ने कहा: जब वह 17 साल के थे, तब मैंने उनकी स्विंग और कंट्रोल देखकर उन्हें टीम में शामिल करने की मांग की थी। रणजी फाइनल में उन्होंने सचिन तेंदुलकर का विकेट लिया था। कैफ ने साथ ही कहा: आज भी 36 साल की उम्र में बेहतरीन गेंदबाजी कर रहे हैं और दुनिया के टाप बल्लेबाजों को परेशान कर रहे हैं। इसलिए उनकी टीम इंडिया में वापसी होनी चाहिये।

रियल के स्टार खिलाड़ी एंबापे चोटिल हुए, लीग में आगे खेलना संदिग्ध

मैड्रिड। रियल मैड्रिड की ओर से ला लिगा फुटबाल में खेल रहे फ्रांस के स्टार फुटबालर कायलान एंबापे चोटिल हो गये हैं ऐसे में उनका इस लीग में आगे खेलना संदिग्ध नजर आ रहा है। अगर एंबापे बाहर होते हैं तो ये रियल के लिए एक बड़ा झटका होगा। 10 मई हो बार्सिलोना के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले में भी वह शायद ही खेल पाये। यहां तक कि जून में होने होने वाले विश्कप में भी उनके खेलने पर सवाल उठ रहे हैं। इस स्टार खिलाड़ी को रियल बेटिस के खिलाफ मैच में मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। उसी कारण वह मैच समाप्त होने से पहले ही मैदान से बाहर हो गये थे। क्लब के अनुसार, एम्बाप्पे के बाएं पैर की सेमीटेंडिनोसस मांसपेशी में चोट पाई गई है। हालांकि, उनकी वापसी को लेकर कोई निश्चित समयसीमा नहीं बताई गई है। रियल मैड्रिड ने कहा है कि खिलाड़ी की रिकवरी पर नजर रखी जा रही है और उसी के आधार पर फैसला लिया जाएगा। एम्बाप्पे ने इस सत्र में अब तक 24 गोल किये हैं। ऐसे में उनका बाहर होना टीम के लिए बड़ा झटका होगा।

फ्लेक्स फ्यूल वाहनों को बढ़ावा, सरकार ई100 एथनॉल मानकों पर लेगी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने फ्लेक्स फ्यूल वाहनों के लिए उत्सर्जन परीक्षण मानकों को ई100 (100 फीसदी एथनाल) तक बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है। इस संबंध में एक मसौदा अधिसूचना जारी की गई है, जिसका उद्देश्य देश में इन वाहनों के उत्पादन और अपनाने को गति देना है। यह कदम पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित होने और ऊर्जा सुरक्षा की बढ़ती चिंताओं के बीच उठाया गया है। वर्तमान में फ्लेक्स फ्यूल वाहनों के परीक्षण और प्रमाणन मानकों में ई85 (85 फीसदी एथनाल) को शामिल किया गया है। मंत्रालय के इस नए प्रस्ताव से अब ई100 को इन मानकों में शामिल किया जाएगा, जिससे पूर्ण एथनाल-संचालित वाहनों के विकास को प्रोत्साहन मिलेगा। यह पहल होर्मुज स्ट्रेट में संभावित व्यवधानों से उत्पन्न ऊर्जा आपूर्ति बाधाओं के जवाब में फ्लेक्स फ्यूल वाहनों को तेजी से अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ग्रेन एथनाल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (जीईएमए) ने इस मसौदा अधिसूचना को भारत के जैव ईंधन पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक प्रगतिशील और दूरदर्शी कदम बताया है। जीईएमए के अनुसार, यह एक स्पष्ट नीतिगत संकेत है कि देश ई20 से आगे बढ़कर एक संरचित और विनियमित तरीके से उच्च एथनाल मिश्रणों को अपनाने के लिए तैयार है। यह अनाज-आधारित एथनाल उद्योग के लिए उत्पादन बढ़ाने, निवेश आकर्षित करने और देश के ऊर्जा सुरक्षा एवं डीकार्बोनाइजेशन लक्ष्यों में अधिक सार्थक योगदान देने के अवसर पैदा करेगा। संगठन ने कहा कि उच्च एथनाल मिश्रण अनाज की मांग को बढ़ाएंगे, जिससे किसानों की आय मजबूत होगी और एक अधिक लचीली कृषि-मूल्य श्रृंखला बनेगी। मंत्रालय ने इस प्रस्ताव पर हितधारकों से 30 दिनों के भीतर अपनी टिप्पणियां और सुझाव मांगे हैं, जिसके आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी। हालांकि आटो उद्योग और तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने फ्लेक्स फ्यूल वाहनों को लेकर कुछ चिंताएं भी व्यक्त की हैं। पश्चिम एशिया युद्ध से ठीक पहले 1 फरवरी और फिर 28 फरवरी को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा बुलाई गई बैठकों में इन कंपनियों ने कमजोर फ्लेक्स ईंधन की मांग, देश में फ्लेक्स-फ्यूल वाहन माडल की अनुपस्थिति और इन्हें लाने के लिए स्पष्ट समय-सीमा न होने पर चिंता जताई।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय ग्राहकों को इंतजार है बीवाईडी सीगुल का

नई दिल्ली। भारतीय बाजार के इलेक्ट्रिक फोर व्हीलर सेगमेंट में चीनी आटोमोबाइल कंपनी बीवाईडी शानदार प्रदर्शन कर रही है। बीवाईडी के भारतीय पोर्टफोलियो में वर्तमान में सीलियन 7, ईमैक्स 7, अट्टो 3 और सील जैसे 4 माडल शामिल हैं। हालांकि, भारतीय ग्राहकों को कंपनी की एक ऐसी कार का बेसब्री से इंतजार है जिसे उसने वैश्विक बाजार में 2023 में लान्च किया था - जी हां, इस कार का नाम है सीगुल। सीगुल का ट्रेडमार्क भारतीय बाजार के लिए भी कराया जा चुका है, और उम्मीद है कि इसे इसी साल लान्च किया जा सकता है। यह कंपनी की बजट इलेक्ट्रिक कार है, जिसे चीन में पहले ही पेश किया जा चुका है। भारतीय बाजार में लान्च होने के बाद सीगुल इलेक्ट्रिक कार का मुकाबला टाटा टियागो ईवी, सिट्रोन ईसी3 और एमजी कामेट ईवी जैसी इलेक्ट्रिक कारों से होगा। चूंकि कई कंपनियां छोटी और किफायती ई-कारों को लान्च करने की तैयारी कर रही हैं, इसलिए इसका आगमन सही समय पर माना जा रहा है। सीगुल इलेक्ट्रिक कार के फीचर्स और स्पेसिफिकेशंस की बात करें तो इसके इंटीरियर में 5-इंच इंस्ट्रूमेंट कंसोल, 12.8-इंच इंफोटेनमेंट स्क्रीन, फ्लैट-बाटम स्टीयरिंग व्हील, लेयर्ड डैशबोर्ड, पावर्ड ड्राइवर सीट, इंटीग्रेटेड वायरलेस चार्जिंग पैड और कप होल्डर्स मिलते हैं। इसका इंटीरियर एक्सटीरियर की तुलना में अधिक प्रीमियम अहसास देता है। सीगुल एक 5-डोर इलेक्ट्रिक हैचबैक है, जिसमें प्रोजेक्टर के साथ आइस-ब्रेकिंग आइज हेडलाइट्स और कनेक्टिंग एलईडी टेल लाइट्स के साथ बेहद खूबसूरत साइड और रियर प्रोफाइल दिया गया है। इसमें नैनो की तरह सिंगल विंडशील्ड वाइपर, पुल-अप स्टाइल डोर हैंडल और स्टाइल कवर के साथ स्टील व्हील्स दिए गए हैं। यह कार बीवाईडी के ई-प्लेटफार्म 3.0 स्केटबोर्ड पर तैयार की गई है। इसका 30 किलोवाट आवर बैटरी पैक 305 किमी की रेंज देता है, जबकि 38 किलोवाट आवर बैटरी पैक से 405 किमी की शानदार रेंज मिलती है।

नई जनरेशन टोयोटा फार्च्यूनर में होंगे बड़े बदलाव, अगले साल हो सकती है लान्च

नई दिल्ली। भारतीय एसयूवी बाजार में टोयोटा फार्च्यूनर का दबदबा आज भी कायम है, भले ही मौजूदा माडल को लान्च हुए लगभग एक दशक हो चुका है। अब टोयोटा अपनी इस सबसे पापुलर एसयूवी को पूरी तरह से बदलने की तैयारी में है। खबर है कि तीसरी जनरेशन वाली बिल्कुल नई फार्च्यूनर अगले 12 महीनों के भीतर भारतीय मार्केट में दस्तक दे सकती है। इस नई फार्च्यूनर में कई ऐसे फीचर्स मिलेंगे जो अब तक इस सेगमेंट में उपलब्ध नहीं थे, जिससे यह अपने प्रतिस्पर्धियों से एक कदम आगे निकल जाएगी। नई जनरेशन टोयोटा फार्च्यूनर का डिजाइन कंपनी की नई साइबर सूमो लैंग्वेज पर आधारित होगा, जिसमें पतली एलईडी हेडलाइट्स और टेललाइट्स के साथ एक नया और आक्रामक बंपर देखने को मिलेगा। सबसे खास बात यह है कि इसमें पहली बार पैनोरमिक सनरूफ का विकल्प भी मिल सकता है, जिसकी मांग भारतीय ग्राहक लंबे समय से कर रहे थे।

इक्रा की चेतावनी- तेल, उर्वरक, गैस क्षेत्रों पर 80,000 करोड़ के घाटे का संकट

नई दिल्ली। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने आगाह किया कि भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आपूर्ति बाधाओं के कारण

वित्त वर्ष 2026-27 तक भारत के प्रमुख डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों को गंभीर वित्तीय चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। एजेंसी के अनुसार यदि वर्तमान घाटे का स्तर बना रहा, तो सरकारी तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को अकेले एलपीजी बिक्री पर लगभग 80,000 करोड़ रुपये का भारी नुकसान हो सकता है। इक्रा ने बताया कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान ने अंतरराष्ट्रीय एलपीजी, कच्चे तेल और अन्य कच्ची सामग्री की कीमतों में तेज वृद्धि की है। इन दबावों के चलते, ओएमसी को 120-125 डालर प्रति बैरल कच्चे तेल पर पेट्रोल पर 14 रुपये और डीजल पर 18 रुपये प्रति लीटर का भी नुकसान होने का अनुमान है, जिससे उनकी लाभप्रदता बुरी तरह प्रभावित होगी। उर्वरक क्षेत्र को भी सल्फर और अमोनिया की बढ़ती कीमतों से जूझना पड़ रहा है, जिससे वित्त वर्ष 2027 में सब्सिडी की आवश्यकता 2.05 ट्रिलियन रुपये से 2.25 ट्रिलियन रुपये तक जा सकती है, जो मौजूदा बजटीय आवंटन से कहीं अधिक है।

लैंड रोवर डिफेंडर जैसा अहसास देंगी ये 4 रफ एंड-टफ एसयूवी, किफायती दाम में होंगी लॉन्च

नई दिल्ली

अगर आप ऐसी गाड़ी के शौकीन हैं जो सड़क पर चलते हुए अपना दबदबा बनाए और जिसका लुक एकदम माचो हो, तो आपके लिए अच्छी खबर है। आने वाले कुछ महीनों में भारत में चार ऐसी सब-काम्पैक्ट एसयूवी एंट्री करने वाली हैं जो अपने रफ-एंड-टफ और मस्कुलर डिजाइन के लिए जानी जाएंगी। खास बात यह है कि ये गाड़ियां न केवल दिखने में दमदार होंगी, बल्कि आपके बजट में भी फिट बैठेंगी, जो आपको कम कीमत में लैंड रोवर डिफेंडर जैसा अहसास देंगी।

इनमें सबसे पहले महिंद्रा विजन एस है, जो 2026 के अंत या 2027 की शुरुआत में आ सकती है। इसका डिजाइन काफी बाक्सी और सीधा होगा, जिसमें गोल एलईडी हेडलाइट्स और थार राक्स जैसी ग्रिल मिलेगी। इसके पिछले हिस्से में लगा स्पेयर व्हील और बड़े 19-इंच तक के अलाय व्हील्स इसे एक असली आफ-रोडर लुक देंगे। इसमें पैनोरमिक सनरूफ और एडीएएस जैसे माडर्न फीचर्स भी मिलेंगे और इसकी शुरुआती कीमत 10 से 15 लाख रुपये के बीच हो सकती है। रेनाल्ट भी भारत में अपनी वापसी के लिए ब्रिजर नाम की एक नई दमदार एसयूवी ला रही है, जो 2027 के अंत तक मार्केट में आ सकती है। यह रेनाल्ट काइगर और डस्टर के बीच के सेगमेंट में होगी और इसे नए आरजीएमपी प्लेटफार्म पर बनाया जा रहा है।

इसका ग्राउंड क्लीयरेंस 200एमएम के आसपास होगा, और कंपनी इसे पेट्रोल, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक, तीनों अवतार में लान्च कर सकती है। निसान भी रेनाल्ट ब्रिजर के ही प्लेटफार्म पर अपनी एक नई एसयूवी तैयार कर रही है, जिसका लुक निसान की ग्लोबल और प्रीमियम गाड़ी पेट्रोल से मिलता-जुलता होगा। यह भी पेट्रोल और हाइब्रिड इंजन के साथ आएगी और 2028 की शुरुआत तक सड़कों पर दिख सकती है। अंत में, सबकी चहेती 3-डोर महिंद्रा थार अब एक नए फेसलिफ्ट अवतार में आने वाली है।

मारुति ग्रैंड विटारा को मिलेगा नया अपडेट, 7-सीटर एसयूवी और ब्रेजा फेसलिफ्ट भी पाइपलाइन में

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी की पापुलर एसयूवी ग्रैंड विटारा, जिसे 2022 में लान्च किया गया था, अपनी शानदार बिक्री और स्ट्रान्ग हाइब्रिड पावरट्रेन के लिए जानी जाती है। अब कंपनी इस एसयूवी को पहला बड़ा मिडलाइफ अपडेट देने की तैयारी कर रही है, जो इस साल के दूसरे छमाही में देखने को मिल सकता है। इस अपडेट में कास्मेटिक बदलावों के साथ कुछ नए फीचर्स भी शामिल किए जा सकते हैं। 2026 मारुति ग्रैंड विटारा फेसलिफ्ट में रिवाइज्ड फ्रंट ग्रिल, अपडेटेड एलईडी लाइटिंग सिग्नेचर, रीडिजाइन्ड बंपर और नए डिजाइन के अलाय व्हील शामिल हो सकते हैं, जो इसे एक नया और ताजा लुक देंगे। इंटीरियर में बड़े टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम के साथ नए ट्रिम्स और अपहोल्स्ट्री मिलने की उम्मीद है। मैकेनिकली, नई ग्रैंड विटारा में कोई बदलाव नहीं होगा; यह मौजूदा 1.5 लीटर के माइल्ड पेट्रोल हाइब्रिड और 1.5 लीटर टीएनजीए एटकिंसन स्ट्रान्ग हाइब्रिड इंजन विकल्पों के साथ आएगी। इसमें 5-स्पीड मैनुअल, 6-स्पीड आटोमैटिक और ईसीवीटी आटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ सीएनजी आप्शन भी मिलेगा। खास बात यह है कि मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा के 7-सीटर वर्जन पर भी काम कर रही है, जिसे एक नए नाम से लान्च किया जा सकता है। यह अपकमिंग 7-सीटर प्रीमियम एसयूवी, ग्रैंड विटारा के मुकाबले लंबी और बड़ी होगी, ताकि सीटों की एक अतिरिक्त रो को समायोजित किया जा सके। इसके अलावा, कंपनी अपनी ब्रेजा को भी मिड-साइकिल अपडेट देने वाली है, जिसमें रिवाइज्ड फ्रंट ग्रिल, एलईडी हेडलाइट्स, नए लोअर बंपर और रिफ्रेश्ड टेललाइट्स होंगे। ब्रेजा फेसलिफ्ट के केबिन में 10.25 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट यूनिट, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स और प्रीमियम साफ्ट-टच मटेरियल के साथ एक नया डिजाइन किया गया डैशबोर्ड देखने को मिल सकता है।

न्यूट्रिशन एनएक्सटी ने पीएआरईएनटी कैट फूड और बोनस सप्लीमेंट लॉन्च किए

भारतीय पेट केयर क्षेत्र में नए युग की शुरुआत

हैदराबाद । विज्ञान-आधारित पेट केयर स्टार्टअप न्यूट्रिशन एनएक्सटी ने आज अपनी प्रीमियम फेलिन (बिल्ली) पोषण रेंज पीएआरईएनटी किटन और एडल्ट फूड के भव्य लॉन्च की घोषणा की। इसके साथ ही कंपनी ने कुत्तों के लिए कार्यात्मक सॉफ्ट च्यू ट्रीट्स की एक विशेष शृंखला बोनस भी पेश की है।

न्यूट्रिशन एनएक्सटी के संस्थापक और सीईओ श्री प्रहर्ष चेरुकुरी के अनुसार, कंपनी का मिशन एक ऐसी दुनिया बनाना है जहां पालतू जानवर अधिक स्वस्थ, खुशहाल रहें और लंबी उम्र जिएं। भारत में जीवन के विशिष्ट चरणों के लिए डिज़ाइन किए गए उत्पादों की भारी कमी है।

हमारी रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आर एंड डी) टीम प्यार, विशेषज्ञता और पालतू जानवरों की वास्तविक जरूरतों के प्रति गहरे सम्मान के साथ इस अंतर को पाटने के लिए प्रतिबद्ध है।

कंपनी के सह-संस्थापक और मुख्य संरक्षक डॉ. वेंकट धर्मेंद्र बोप्पना, जो पशु चिकित्सा विज्ञान में पीएचडी हैं और पशु चिकित्सा इम्यूनोलॉजी में 25 से अधिक वर्षों का शोध अनुभव रखते हैं, यह सुनिश्चित करते हैं कि कंपनी के सभी फॉर्मूलेशन 100% कड़े एएएफसीओ मानकों को पूरा करते हैं। यह विशेषज्ञता उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा की गारंटी देती है।

अपनी विकास की गति को बनाए रखने के लिए, न्यूट्रिशन एनएक्सटी वारगल, तेलंगाना में एक अत्याधुनिक विनिर्माण इकाई स्थापित कर रहा है। यह संयंत्र वित्तीय वर्ष 2027 तक चालू होने की उम्मीद है, जिससे स्थानीय स्तर पर उच्च गुणवत्ता वाले पेट फूड का उत्पादन सुनिश्चित हो सकेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

EVM स्ट्रॉन्ग...

यानी बंगाल में इस वक्त हर तरफ सिर्फ और सिर्फ स्ट्रॉन्ग रूम और मशीनों की सुरक्षा को लेकर खींचतान चल रही है।

घंटों चले हंगामे के बाद खत्म हुआ धरना

कोलकाता में कुणाल घोष का धरना खत्म हुआ। घंटों चले हंगामे और धरने के बाद कुणाल घोष और शशि पांजा ने अपना प्रदर्शन खत्म कर दिया। लेकिन जाते-जाते कुणाल घोष ने चुनाव आयोग को जमकर घेरा। उन्होंने कहा, आज जो कुछ भी हुआ, वो आयोग की बड़ी लापरवाही है। तय तो यह हुआ था कि बिना बताए स्ट्रॉन्ग रूम की सील नहीं तोड़ी जाएगी, फिर आज ऐसा क्यों हुआ? जब हम गलत का विरोध कर रहे हैं, तो बीजेपी को इतनी मिर्ची क्यों लग रही है? घोष ने साफ कर दिया कि भले ही धरना खत्म हो गया हो, लेकिन उनकी टीम अब चौबीसों घंटे मशीनों की निगरानी करेगी और अब वहां ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, जिनका लाइव नजारा स्क्रीन पर दिखेगा।

पूरे घटनाक्रम पर एक्सपर्ट की राव

इस पूरे मामले को लेकर चुनाव आयोग के पूर्व ज्वाइंट डायरेक्टर मोहम्मद अमीन ने भी समझाया कि चुनाव प्रक्रिया में कुछ भी अकेले नहीं किया जाता। मशीनों की सीलिंग से लेकर शिफ्टिंग तक, हर जगह पार्टियों के एजेंट मौजूद रहते हैं और सुरक्षा में सीआरपीएफ के साथ लोकल पुलिस भी तैनात होती है।

दीदी का दावा...

मुश्किल हालात का सामना किया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान केंद्र सरकार, केंद्रीय एजेंसियों और कई राज्यों के नेताओं ने मिलकर बंगाल के लोगों को प्रभावित करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि पूरी मशीनरी का इस्तेमाल किया गया, लेकिन जनता ने वोट के जरिए इसका जवाब दे दिया। ममता बनर्जी ने दावा किया कि कुछ मीडिया संस्थानों के जरिए गलत जानकारी फैलाने की कोशिश की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि एग्जिट पोल के जरिए माहौल प्रभावित करने और लोगों का मनोबल गिराने की कोशिश की गई। उनके अनुसार, यह पहले भी 2016 और 2021 में देखा जा चुका है।

कार्यकर्ताओं को सतर्क रहने की अपील

मुख्यमंत्री ने अपने कार्यकर्ताओं और उम्मीदवारों से अपील की कि वे मतगणना तक पूरी सतर्कता बनाए रखें। उन्होंने कहा कि दिन-रात निगरानी रखें। काउंटिंग सेंटर पर मौजूद रहें। किसी भी स्थिति में लापरवाही न बरतें। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ी तो वे खुद भी निगरानी के लिए मैदान में उतरेंगी। ममता बनर्जी ने आशंका जताई कि ईवीएम मशीनों के साथ छेड़छाड़ की कोशिश हो सकती है। उन्होंने कहा कि मशीनों को स्टोर से काउंटिंग हॉल तक ले जाने के दौरान विशेष ध्यान देने की जरूरत है और किसी भी स्तर पर बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने अपने समर्थकों से संयम बनाए रखने की अपील की और कहा कि किसी भी उकसावे में आकर प्रतिक्रिया न दें। उन्होंने भरोसा जताया कि जनता का समर्थन उनके साथ है और सरकार मां, माटी, मानुष के सिद्धांत पर ही बनेगी। ममता बनर्जी ने कहा कि बंगाल की जनता ने अत्याचार के खिलाफ अपना फैसला दे दिया है और अंतिम परिणाम इसका प्रमाण होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि परिणाम उनके पक्ष में आएंगे और तृणमूल कांग्रेस फिर से सरकार बनाएगी।

पवन खेड़ा मामले...

उन्होंने कहा कि सरमा ने धमकी दी है कि खेड़ा अपनी बाकी की जिंदगी असम की जेल में बिताएंगे। सिंघवी ने दलील दी, अगर डॉ. अंबेडकर को यह अंदाजा होता कि कोई संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति इस तरह की बात करेगा, तो वह अपनी कब्र में भी करवटें बदलते रहते। सिंघवी ने आगे कहा कि इस मामले का मूल मुद्दा मानहानि और प्रतिष्ठा को हुए नुकसान के आरोप हैं, और इसमें गिरफ्तारी या हिरासत में लेकर पूछताछ करने की कोई जरूरत नहीं थी।

गिरफ्तारी की क्या जरूरत है?

सिंघवी ने आगे कहा, चलिए मान लेते हैं कि आखिरकार मुझे दोषी ठहरा दिया जाता है। लेकिन फिर भी गिरफ्तारी की क्या जरूरत है? इस मामले में ऐसा क्या है जिसे बिना गिरफ्तारी के नहीं किया जा सकता? उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त उपाय अपनाए जा सकते हैं कि खेड़ा कहीं भाग न जाएं और जांच में पूरा सहयोग करें। उन्होंने पूछा, हिरासत में लेकर पूछताछ करके किसी को अपमानित करना क्यों जरूरी है? सिंघवी ने कहा कि खेड़ा को गिरफ्तार करने के लिए असम पुलिस के लगभग 50-60 जवान निजामुद्दीन पहुंच गए थे, मानो वह कोई आतंकवादी हों। उनके अनुसार, एफआईआर में दर्ज ज्यादातर अपराध जमानती हैं।

...अगर...

चुनाव नतीजे आए तो बसपा की सत्ता चली गई और सपा को सत्ता मिली। 2011 के पश्चिम बंगाल चुनाव में कुल वोटिंग में 2.36% का इजाफा हुआ। सीपीएम की सत्ता गई और टीएमसी को सत्ता मिल गई। 1982 में पश्चिम बंगाल के ही चुनाव में वोट 20.60% का इजाफा हुआ और सीपीएम की सत्ता बरकरार। 2018 में मध्य प्रदेश के चुनाव में वोटिंग में 3.17% का इजाफा हुआ। भाजपा की सत्ता चली गई। कांग्रेस को सत्ता मिल गई। 2008 में त्रिपुरा चुनाव में 12.51% वोटिंग ज्यादा हुई। सीपीएम की सत्ता बरकरार रही।

केदारनाथ...

उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि संवेदनशील स्थलों की पहचान कर वहां विशेष सुरक्षा उपाय तत्काल लागू किए जाएं। राजा सिंह ने हनुमानगढ़ क्षेत्र में स्थानीय युवाओं द्वारा लगाए गए टेंटों के आसपास शौचालय व्यवस्था के अभाव को भी गंभीर मुद्दा बताया।

उनके अनुसार, इससे न केवल स्वच्छता प्रभावित हो रही है बल्कि पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक असर पड़ रहा है। उन्होंने यहां तत्काल शौचालय और स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है।

अपने पत्र में विधायक ने मंदिर समिति और प्रशासन द्वारा दर्शन व्यवस्था को सुचारु और संतोषजनक बताते हुए उनकी सराहना भी की है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि यात्रा मार्ग की समस्याओं का शीघ्र समाधान आवश्यक है ताकि श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित, सुगम और स्वच्छ बन सके।

विधायक राजा सिंह ने पत्र के अंत में विश्वास जताया कि सरकार और संबंधित विभाग इस मुद्दे की गंभीरता को समझते हुए जल्द आवश्यक कदम उठाएंगे।

होर्मुज नहीं ...

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और ऊर्जा सुरक्षा चिंताओं के बीच इस तरह की ब्रांडिंग ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान खींचा है। ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि नेतृत्व के संकट के बीच ईरान पतन की स्थिति में है।

होर्मुज खोलने से इनकार

एक्सियोस की एक रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के ईरान के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। इसका मतलब है कि जब तक कोई बड़ा परमाणु समझौता नहीं हो जाता, तब तक अमेरिकी नाकेबंदी जारी रह सकती है। होर्मुज जलडमरूमध्य पर नाकेबंदी के चलते कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित हुई है। आपूर्ति में कमी के कारण गुरुवार को तेल की कीमतें 7% तक बढ़कर 125 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल चली गई। वहीं अमेरिकी क्रूड (डब्ल्यूटीआई) 3.3% की बढ़त के साथ 110 डॉलर प्रति बैरल पर चला गया था।

भारत ने होर्मुज का निकाला तोड़

अमेरिका और ईरान के बीच जारी खींचतान के मद्देनजर आने वाले दिनों में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के कमर्शियल ट्रैफिक के लिए खुलने की कोई उम्मीद नहीं दिख रही है। लिहाजा, शिपिंग मंत्रालय ने विदेश मंत्रालय के साथ भारत आने वाले लगभग 40 प्राथमिकता वाले जहाजों की एक सूची साझा की है, और सुझाव दिया है कि उन्हें ओमान के समुद्री क्षेत्र से बाहर निकाला जाए। ओमान का समुद्री क्षेत्र स्ट्रेट के दक्षिण में है, जबकि ईरान का समुद्री क्षेत्र उत्तर में है। पता चला है कि इन जहाजों में से 18 में एनर्जी प्रोडक्ट्स लदे हुए हैं। 16 में खाद है और बाकी आधे दर्जन में दूसरा माल है। इन जहाजों को बाहर निकालना भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए और आने वाले खरीफ बुवाई के लिए महत्वपूर्ण है।

सरकार ने शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के लिए पश्चिमी एशिया तक सेवाएं फिर से शुरू करने की तैयारी का काम भी शुरू कर दिया है, ताकि वहां फंसे माल को लाने-ले जाने में मदद मिल सके। इस प्रस्ताव से जुड़े एक सवाल के जवाब में, शिपिंग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने कहा कि सरकार इस सेवा को शुरू करने की संभावना पर सक्रिय रूप से काम कर रही है, लेकिन उन्होंने इसके शुरू होने के लिए कोई निश्चित समय-सीमा नहीं बताई।

मंत्री खुद बैक टु बैक ले रहे मीटिंग

मंगलवार शाम को शिपिंग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल की अध्यक्षता में हुई एक समीक्षा बैठक में, जिसमें पश्चिम एशिया संघर्ष के असर और उसके असर को कम करने के लिए उठाए गए कदमों पर चर्चा हुई। वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि एससीआई का पहला जहाज 3,000-4,000 कंटेनर ले जा सकता है, जिनमें कृषि और उससे जुड़ा सामान यूएई के बंदरगाहों तक पहुंचाया जाएगा, और वहां से इन्हें सड़क मार्ग से इनकी मंजिल तक पहुंचाया जा सकता है।

शिपिंग मंत्रालय ने बताया कि सोनोवाल ने बाहरी रुकावटों से निपटने के लिए भारत की शिपिंग क्षमता को तुरंत बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया, जिसमें कंटेनर जहाज, रसोई गैस और कच्चे तेल के टैंकर, और ग्रीन टग शामिल हैं। मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने बताया कि पीएमओ 4 मई को एक लंबी अवधि की लचीलापन योजना पर बैठक करेगा, ताकि भारत को ऐसी रुकावटों से बचाया जा सके। समुद्री माल ढुलाई की दरों में तेज़ी और निजी शिपिंग कंपनियों की फ़ारसी खाड़ी तक माल पहुंचाने में हिचकिचाहट के बीच, शिपिंग क्षमता बढ़ाने पर ज़्यादा ध्यान दिया जा रहा है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

नशा मुक्त हो समाज अभियान को नई दिशा, अग्रवाल समाज की पहल तेज

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
नशा मुक्त हो समाज के दृढ़ संकल्प को साकार करने की दिशा में अग्रवाल समाज ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। श्री रामनिवास बंसल के नेतृत्व में गठित कार्यकारिणी समिति के प्रतिनिधिमंडल ने एंटी ड्रग्स टास्क फोर्स (ईगल फोर्स) के अधिकारियों से भेंट कर इस अभियान को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने की रणनीति पर चर्चा की।

प्रतिनिधिमंडल ने ईगल फोर्स के निदेशक आईपीएस अधिकारी संदीप शांडिल्य एवं सहायक आयुक्त कृष्णमूर्ति से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान समाज को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं और जनजागरण अभियानों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

समिति ने इस बात पर जोर दिया कि सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए सामूहिक प्रयासों से ही नशे जैसी गंभीर समस्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है।

बैठक में प्रतिनिधिमंडल ने अपने भावी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए ईगल फोर्स से मार्गदर्शन और सहयोग का आग्रह किया। इस पर ईगल फोर्स की टीम ने पूर्ण सहयोग और सक्रिय सहभागिता का आश्वासन दिया।

ईगल फोर्स से मुलाकात, सामूहिक जनजागरण पर जोर

अधिकारियों ने कहा कि समाज और प्रशासन के संयुक्त प्रयास से नशा मुक्त समाज का लक्ष्य निश्चित रूप से प्राप्त किया जा सकता है।

इस पहल से समाज में जागरूकता बढ़ने और युवाओं को नशे से दूर रखने की दिशा में ठोस परिणाम सामने आने की उम्मीद जताई जा रही है।

अग्रवाल समाज की यह पहल न केवल एक सामाजिक जिम्मेदारी का उदाहरण है, बल्कि अन्य संगठनों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन सकती है।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में डॉ. वंदना अग्रवाल, एडवोकेट विशाल केडिया, रामनिवास बंसल, संदीप शांडिल्य, देवेन्द्र शास्त्री, सुनील अग्रवाल, अनिल सिंह एवं सहायक आयुक्त कृष्णमूर्ति सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

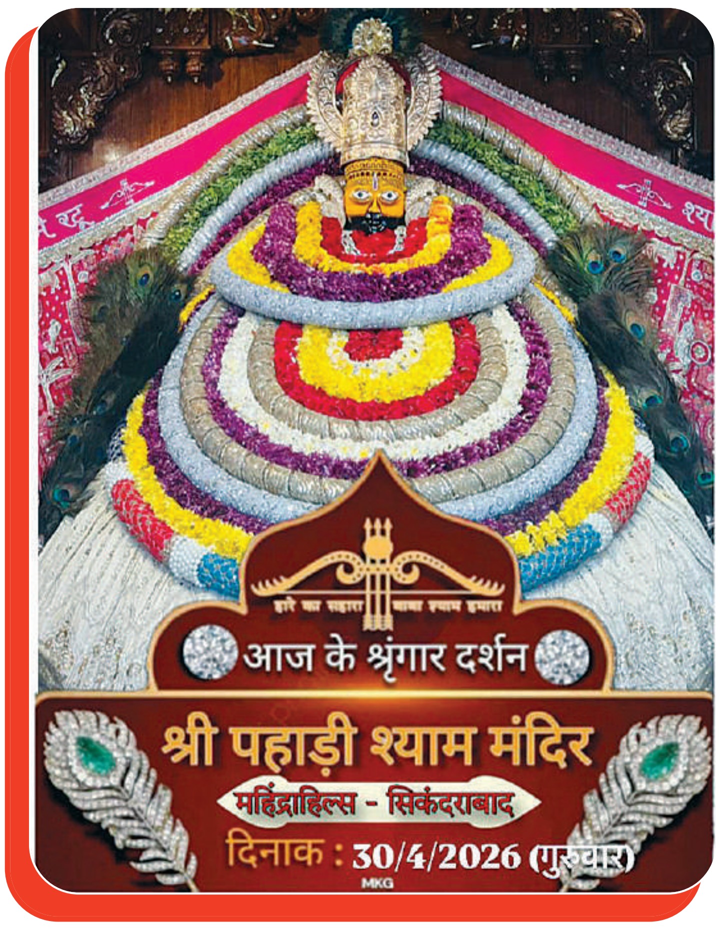

सेवा और सहयोग से समाज में सकारात्मक बदलाव संभव : महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने बुधवार को नियमित अनुदान कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंद एवं निराश्रित लोगों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम का लाभ उठाया। समूह के सदस्यों ने पूरे समर्पण और सेवा भाव के साथ जरूरतमंदों को आवश्यक सामग्री वितरित की।

कार्यक्रम के दौरान वातावरण पूरी तरह सेवा, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं से ओत-प्रोत दिखाई दिया। राधे-राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे ऐसे सेवा कार्य समाज में एक सकारात्मक संदेश दे रहे हैं और अन्य लोगों को भी प्रेरित कर रहे हैं कि वे आगे आकर जरूरतमंदों की सहायता करें।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए महेश अग्रवाल ने कहा कि सच्ची सेवा वही है, जो निस्वार्थ भाव से की जाए। उन्होंने कहा कि सेवा करना केवल एक कर्तव्य नहीं, बल्कि यह हमारे संस्कारों और मानवता का परिचायक है। जब हम किसी जरूरतमंद की सहायता करते हैं, तो हमें आत्मिक संतोष की अनुभूति होती है। उन्होंने आगे कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा किया जा रहा यह नियमित अनुदान कार्यक्रम समाज के लिए एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो यह दर्शाता है कि संगठित प्रयासों से बड़े से बड़ा कार्य भी सहजता से किया जा सकता है। उन्होंने सभी सदस्यों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के संयुक्त प्रयासों से ही यह सेवा कार्य निरंतर सफलतापूर्वक संचालित हो पा रहा है। भविष्य में भी इसी प्रकार सेवा कार्यों को और अधिक व्यापक स्तर पर करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, हरियाणा गुप्ता, रेनू शर्मा, शर्मिला अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए सेवा कार्य को सफल बनाया और जरूरतमंदों के बीच सेवा भावना का संदेश प्रसारित किया।

अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा की बैठक संपन्न

एजीएम 10 मई को, सुंदरकांड पाठ व सामाजिक कार्यक्रमों पर बनी सहमति

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा की महत्वपूर्ण बैठक भाग्यलक्ष्मी धाबा में आयोजित की गई, जिसमें संगठनात्मक गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों और सामाजिक सेवा कार्यों पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक की शुरुआत महाराजा अग्रसेन महाराज की पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके पश्चात अध्यक्ष ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। सचिव द्वारा पिछली बैठक की कार्यवाही (मिनट्स) प्रस्तुत की गई, जिसे सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया।

कोषाध्यक्ष सत्यानारायण मोदी ने वर्ष 2025-26 का आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया, जिसे सदस्यों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ पारित किया।

सदस्यों ने मासिक अन्न प्रसादम्, युवा शाखा द्वारा हनुमान जयंती पर स्नैक्स वितरण तथा महिला शाखा द्वारा सिकंदराबाद स्थित दिव्यांग गृह में लंच सेवा जैसे सफल आयोजनों के लिए आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी वार्षिक आम सभा (एजीएम) 10 मई को सैदाबाद स्थित श्री सुरेश चंद गुप्ता की आनंद बिस्किट फैक्ट्री में आयोजित की जाएगी।

इसके साथ ही अधिक मास में सुंदरकांड पाठ, अग्रवाल समाज तेलंगाना के तहत तंबोला और दंपत्ति सम्मेलन आयोजित करने पर भी सहमति बनी। अंत में संयुक्त सचिव शैलेश अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। बैठक में अध्यक्ष पंकज कुमार संघी, उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, सचिव प्रदीप बंसल, कोषाध्यक्ष सत्यानारायण मोदी, केंद्रीय समिति सदस्य गोविंद नारायण मोदी, सलाहकार महावीर प्रसाद अग्रवाल, चंद्र मोहन अग्रवाल, हरीश चंद्र बजाज, दिनेश गोयल, सुरेश गोयल, संजीव गोयल, नितिन अग्रवाल, महिला शाखा अध्यक्ष रेखा अग्रवाल, शीतल रुंगटा, युवा शाखा अध्यक्ष हर्ष बंसल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

तेलंगाना से बिहार, यूपी और झारखंड के लिए बढ़ेगी रेल कनेक्टिविटी

रेल मंत्री ने दिए उचित कार्रवाई के संकेत, प्रवासियों को मिलेगी राहत

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना में रह रहे उत्तर भारतीय प्रवासियों के लिए रेल यात्रा को अधिक सुगम बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने अहम पहल की है। केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी की पहल पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए मामले को एक्सपर्ट कमेटी को सौंपकर उचित कार्रवाई के संकेत दिए हैं।

नई ट्रेनों और फ्रीक्वेंसी बढ़ाने की मांग

हाल ही में बिहार समाज सेवा संघ, हैदराबाद के प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा था।

ज्ञापन में सिकंदराबाद से पटना, वाराणसी और रांची के लिए नई ट्रेनें शुरू करने तथा वर्तमान ट्रेनों की फ्रीक्वेंसी बढ़ाकर उन्हें नियमित करने की मांग की गई थी।

रेल मंत्री ने दिया सकारात्मक जवाब

मांग की गंभीरता को देखते हुए जी. किशन रेड्डी ने अप्रैल के प्रथम सप्ताह में रेल मंत्री को पत्र लिखकर तेलंगाना से बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड के बीच रेल संपर्क मजबूत करने का आग्रह किया।

इस पर संज्ञान लेते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 16 अप्रैल को जवाबी पत्र जारी कर बताया कि इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है और तकनीकी जांच व व्यवहार्यता के लिए इसे एक्सपर्ट कमेटी के पास भेजा गया है।

प्रवासियों और तीर्थयात्रियों को मिलेगा लाभ

रेल मंत्रालय की इस पहल से तेलंगाना में रहने वाले लाखों प्रवासी मजदूरों, कामगारों और तीर्थयात्रियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

बिहार समाज सेवा संघ ने इस कदम का स्वागत करते हुए खुशी जाहिर की है।

संघ ने जताया आभार

संघ के राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा ने केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय उत्तर भारत जाने वाले यात्रियों के लिए बेहद लाभकारी सिद्ध होगा।

उन्होंने उम्मीद जताई कि एक्सपर्ट कमेटी की रिपोर्ट के बाद जल्द ही नई ट्रेनों की घोषणा होगी, जिससे लंबी वेटिंग लिस्ट और यात्रा संबंधी असुविधाओं से निजात मिलेगी।

प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख सदस्य

इस प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष मनीष तिवारी, उपाध्यक्ष नवरत्न पासवान, कोषाध्यक्ष दीपक तिवारी, सह सचिव राकेश सिंह, कार्यकारिणी सदस्य नवल किशोर तिवारी, संदीप ओझा, नीरज सिंह, अरविंद कुमार सिंह, वरिष्ठ सदस्य अजय मिश्रा, भवनाथ मिश्रा, अभिभावक संजय सिंह एवं डॉ. देवकुमार पुखराज सहित अन्य सदस्य शामिल रहे।

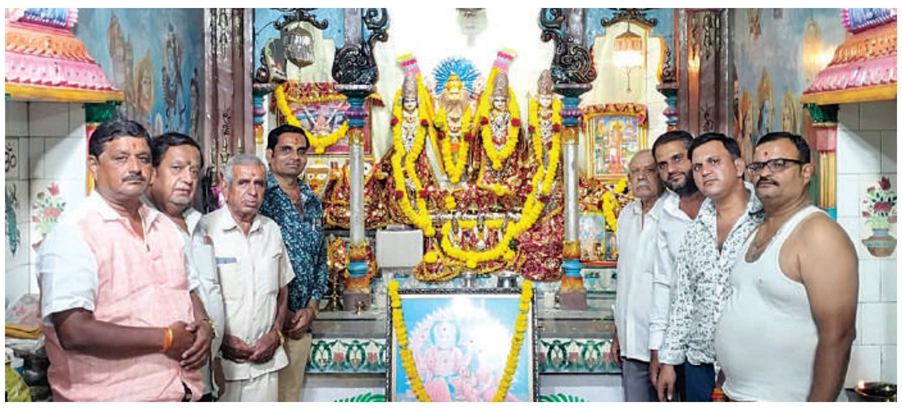

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज द्वारा श्री रामदरबार पंचायतीबाड़ा में नरसिंह जयंती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भव्य श्रृंगार व महाआरती सायं 7.11 बजे की गई। साथ ही भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में संस्था के रामदेव नागला, रामनिवास ओझा, रामदेव व्यास बिराटिया, सतवीर उपाध्याय, श्रीकिशन व्यास, लखन तिवाड़ी, श्रीकिशन व्यास व अज्जु गुरु के अलावा अन्य स्वजातिबंधु उपस्थित थे।

भगवान नरसिंह जयंती उत्सव श्रद्धा व उल्लास के साथ संपन्न

चौक नरसिंह मंदिर में भक्तों ने किए दर्शन, लिया आशीर्वाद

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भगवान नरसिंह के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर चौक स्थित नरसिंह मंदिर में भक्ति और श्रद्धा का विशेष वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया।

उत्सव के दौरान पीस कमेटी के ऑल जोन महासचिव श्रीकिशन शर्मा, तेजो विजय कुमारी, रामराजू, सत्यनारायण, गोपाल दास एवं पुजारी गोपाल लाल सहित अन्य श्रद्धालुओं ने मंदिर में उपस्थित होकर भगवान नरसिंह के दर्शन किए और सुख-समृद्धि की कामना की।

मंदिर परिसर में पूरे दिन धार्मिक अनुष्ठान, पूजा और भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और सभी ने मिलकर इस पावन पर्व को धूमधाम से मनाया।

कार्यक्रम के अंत में सभी भक्तों ने सामूहिक रूप से भगवान नरसिंह से समाज में सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की। मंदिर के पुजारी द्वारा सभी को आशीर्वाद प्रदान किया गया, जिससे वातावरण और भी आध्यात्मिक बन गया।

नालपुर में भक्त पूरणमल का पांच दिवसीय लक्खी मेला संपन्न

देशभर से उमड़ी आस्था, हजारों भक्तों ने मांगी मनौती

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राजस्थान के खेतड़ी क्षेत्र के ग्राम नालपुर (बिस्सा) में नाथ संप्रदाय के संस्थापक गुरु गोरखनाथ के परम शिष्य भक्त पूरणमल बाबा चौरंगी नाथ का पांच दिवसीय विशाल लक्खी मेला 24 से 28 अप्रैल तक श्रद्धा और उल्लास के साथ आयोजित हुआ। इस मेले में हैदराबाद, दिल्ली, जयपुर, हरियाणा सहित देश के कोने-कोने से हजारों श्रद्धालु पहुंचे और बाबा के दरबार में अपनी मनोकामनाएं मांगीं।

पांच दिवसीय धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन

मेला प्रबंध कमेटी एवं भक्त पूरणमल सेवा समिति (बिस्सा नालपुर) के संयोजक रामनारायण भक्त ने बताया कि 24 अप्रैल को धाम के पुजारियों द्वारा जात की स्थापना के साथ मेले का शुभारंभ हुआ। 25 अप्रैल को नवजात शिशुओं की माताओं एवं नवविवाहित जोड़ों ने धाम स्थित तालाबों में परंपरानुसार मिट्टी छटाई की रस्म निभाई। श्रद्धालु पांचों दिन मंदिर प्रांगण में रहकर भक्ति में लीन रहे।

चूरमा पिंडी भोग और जागरण का आयोजन

26 अप्रैल को भक्तों ने बाबा को चूरमा पिंडी का भोग अर्पित कर चमत्कारी ज्योत के दर्शन किए। 27 अप्रैल की रात्रि को भव्य जागरण का आयोजन किया गया, जिसमें हरियाणा के प्रसिद्ध लोक कलाकार जयवीर भाटी एंड पार्टी के साथ दीपा चौधरी, कंचन यादव, संजय पटेल और भारती चौधरी ने भजन प्रस्तुत कर भक्तों को भाव-विभोर कर दिया।

जड़ूला (मुंडन) और गठजोड़े की परंपरा

28 अप्रैल को प्रातः मंदिर के कपाट भक्तों के दर्शनार्थ खोले गए। इसके बाद सैकड़ों नवजात शिशुओं का जड़ूला (मुंडन) संस्कार कराया गया और नवविवाहित जोड़ों ने श्रद्धा के साथ गठजोड़े की जात दी।

धाम की विशेष मान्यता के चलते बेरोजगार युवक-युवतियों ने नौकरी के लिए मनौती मांगी।

यहां यह मान्यता प्रचलित है कि सच्ची श्रद्धा से मांगी गई मनोकामनाएं अवश्य पूर्ण होती हैं। मेले के दौरान कई श्रद्धालुओं ने अपनी मनोकामना पूर्ण होने पर उदार दान दिया। विशेष रूप से एक नव नियुक्त डायरेक्ट कैप्टन द्वारा अपनी पहली महीने की तनख्वाह एक लाख रुपये से अधिक राशि मंदिर विकास के लिए समर्पित की गई। इसके अलावा करीब 17 अन्य लोगों ने भी नौकरी मिलने पर अपनी पहली तनख्वाह दान स्वरूप अर्पित की। 28 अप्रैल को प्रातः 8 बजे विधि-विधान से बीच वाले तालाब (सर) में गोदान का आयोजन किया गया।

मेले में दूर-दराज से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए भोजन, आवास एवं अन्य सुविधाओं की निःशुल्क व्यवस्था भक्त पूरणमल सेवा समिति द्वारा की गई। गांव के हर वर्ग ने सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

मेले के दौरान विभिन्न समाजों और समितियों द्वारा तीन दिवसीय भंडारों का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। हैदराबाद सहित अन्य स्थानों से आए प्रवासी श्रद्धालुओं ने भी इसमें सक्रिय योगदान दिया।

26 अप्रैल को ग्राम नालपुर के नवयुवक मंडल द्वारा भव्य कलश एवं निशान यात्रा निकाली गई। सुबह 7 बजे चौपाल से शुरू हुई इस यात्रा में लगभग 700 महिलाओं ने कलश धारण किए और 500 नवयुवकों ने बाबा के निशान उठाए।सजाए गए दरबार रथ और अखंड ज्योत के साथ यह यात्रा अत्यंत आकर्षक और श्रद्धामय रही।मेले में सेवानिवृत्त एवं वर्तमान अधिकारी, सरकारी कर्मचारी और जनप्रतिनिधियों का भी जमावड़ा रहा। कई प्रमुख हस्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए बाबा के दरबार में शीश नवाया और सेवा कार्यों में भाग लिया।

वन विभाग में फेरबदल: एक दर्जन आईएफएस अधिकारियों का तबादला

मंचेरियाल, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारतीय सुरक्षा बल (आईएफएस) अधिकारियों के फेरबदल में प्रशासनिक कारणों से एक दर्जन वन अधिकारियों का तबादला किया गया है। इस संबंध में आदेश तेलंगाना के मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने बुधवार शाम को जारी किया।

तेलंगाना वन अकादमी के मुख्य वन संरक्षक और अतिरिक्त निदेशक एस रमेश (2004 बैच आईएफएस) का तबादला कर उन्हें हैदराबाद स्थित अनुसंधान एवं विकास सर्कल में वन संरक्षक के पद पर तैनात किया गया है। अकादमी के संयुक्त निदेशक बी प्रवीण का तबादला कर उन्हें मुलुगु स्थित वन महाविद्यालय अनुसंधान संस्थान के डीन के पद पर तैनात किया गया है।

केबीआर पार्क पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य में बड़ी संख्या में जरूरतमंद एवं निराश्रित लोगों को भोजन वितरित किया गया, जिससे उनके चेहरों पर संतोष और खुशी देखने को मिली। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने बताया कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा लगातार किए जा रहे ऐसे सेवा कार्य समाज में मानवता और सहयोग की भावना को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य है और इसी भावना के साथ यह अभियान निरंतर जारी रखा जाएगा। कार्यक्रम में सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, तेज प्रकाश अग्रवाल, मनोज डालमिया एवं जयप्रकाश सारडा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सक्रिय रूप से योगदान दिया।

रेवंत रेड्डी ने श्रमिकों के कल्याण और सम्मान के प्रति जताई प्रतिबद्धता

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने 'अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस' (मई दिवस) के अवसर पर कामकाजी वर्ग को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि ''प्रजा सरकार'' (जनता की सरकार) श्रमिकों की भावना को केंद्र में रखकर आगे बढ़ रही है।

अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमिक राज्य के विकास में सच्चे भागीदार हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार में उन्हें उचित सम्मान और गरिमा प्रदान की जाएगी।

अग्र महिला समिति, दोमलगुड़ा की पहल हर सप्ताह शीतल पेयजल सेवा

भीषण गर्मी में राहगीरों को मिलेगी राहत, 15 जून तक चलेगा सेवा अभियान

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना की दोमलगुड़ा शाखा की महिला प्रकोष्ठ अग्र महिला समिति द्वारा भीषण गर्मी को देखते हुए सराहनीय पहल की गई है। समिति के तत्वावधान में जून माह तक प्रत्येक सप्ताह राहगीरों के लिए शीतल पेयजल सेवा का आयोजन किया जाएगा, जिससे सैकड़ों लोगों को राहत मिलेगी। शाखा के सचिव प्रतीक अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, महिला समिति की प्रधान संयोजिकाएं सरला अग्रवाल और रश्मि अग्रवाल के समन्वय में 15 जून तक प्रत्येक शुक्रवार दोपहर 1:00 बजे यह सेवा संचालित की जाएगी।

इस अभियान के तहत कुल 8 दिनों में लगभग 800 से 1000 राहगीरों को शीतल पेय उपलब्ध कराया जाएगा।

दोमलगुड़ा शाखा द्वारा संचालित अग्रवाल हेल्थ क्लिनिक परिसर के बाहर आयोजित इस सेवा में ठंडी छाछ, रूह अफजा, कैरी पानी, नींबू पानी, जीरा सोडा सहित अन्य शीतल पेयों की व्यवस्था की जाएगी, ताकि गर्मी से राहत मिल सके।

महिला समिति की संयोजिकाएं सीमा अग्रवाल, शालिनी केडिया, नेहा अग्रवाल, दीप्ति झुंझुनवाला, ज्योति धानुका, ज्योति गुप्ता, दीपा डालमियां, सोनिका अग्रवाल और सोनाली गोयल सहित अन्य सदस्यों के संयुक्त प्रयास से इस सेवा की शुरुआत 24 अप्रैल को की गई, जिसमें लगभग 800 राहगीरों ने ठंडी छाछ का लाभ प्राप्त किया।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अग्रसेवा सेवा योजना के अंतर्गत शाखा द्वारा नियमित रूप से विभिन्न सामाजिक सेवा कार्य किए जाते हैं।हर माह अमावस्या के अवसर पर लगभग 500-600 जरूरतमंदों को अन्न प्रसाद वितरित किया जाता है। इसके अलावा गौशालाओं, वृद्धाश्रमों और अनाथालयों में भी समय-समय पर सेवा गतिविधियां संचालित की जाती हैं।

अग्र महिला समिति की यह पहल न केवल भीषण गर्मी में लोगों को राहत प्रदान कर रही है, बल्कि समाज सेवा और मानवीय संवेदनाओं का उत्कृष्ट उदाहरण भी प्रस्तुत कर रही है।

क्रीमस्टोन ने इतिहास में पहली बार पेश किया मैंगो सीजन स्पेशल

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
शहर के मशहूर आइसक्रीम ब्रांड क्रीमस्टोन ने इस गर्मी के सीजन को यादगार बनाने के लिए अपनी विशेष पेशकश मैंगो मलाई ताती मुंजालु, कच्ची केरी और मैंगो जामुन को लॉन्च किया है। इतिहास में यह पहली बार है जब आम, मुंजाल (ताड़गोला) और आमरस को एक साथ मिलाकर एक अनोखी आइसक्रीम तैयार की गई है।

क्रीमस्टोन ने नवाचार की सीमाओं को तोड़ते हुए एक बेहद अनूठी कच्ची केरी आइसक्रीम भी लॉन्च की है, जिसमें कच्ची केरी के वास्तविक टुकड़ों का इस्तेमाल किया गया है। गुरुवार को हैदराबाद के गच्चीबोवली स्थित क्रीमस्टोन आउटलेट पर आयोजित एक भव्य समारोह में प्रसिद्ध अभिनेत्री प्रांतिका दास और कई आइसक्रीम प्रेमियों ने मिलकर इन सीजनल स्पेशल आइसक्रीम्स का अनावरण किया।लॉन्च के अवसर पर क्रीमस्टोन के दैविक शाह और अभिनेत्री प्रांतिका दास के साथ अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। इस मौके पर दैविक शाह ने बताया कि क्रीमस्टोन हमेशा से ग्राहकों को कुछ नया देने की कोशिश करता है, और इस बार आम के साथ ताती मुंजालु का मेल निश्चित रूप से लोगों को पसंद आएगा। अभिनेत्री प्रांतिका दास ने भी इन नए फ्लेवर्स की सराहना करते हुए इन्हें गर्मियों के लिए एक बेहतरीन उपहार बताया।

सबके सहयोग से राधे-राधे ग्रुप कर रहा सराहनीय सेवा कार्य : नंदकिशोर अग्रवाल

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 के पास नियमित सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य में बड़ी संख्या में निराश्रित एवं जरूरतमंद लोगों को भोजन एवं आवश्यक सामग्री वितरित की गई, जिससे उनके चेहरे पर संतोष और खुशी देखने को मिली। कार्यक्रम के दौरान अपने विचार व्यक्त करते हुए नंदकिशोर अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का यह निरंतर सेवा कार्य समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि जब सभी लोग एकजुट होकर निस्वार्थ भाव से कार्य करते हैं, तो बड़े से बड़ा लक्ष्य भी सहज रूप से प्राप्त किया जा सकता है। सेवा केवल दान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानवता के प्रति हमारी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का प्रतीक है।

उन्होंने आगे कहा कि जरूरतमंदों की सहायता करना न केवल एक सामाजिक कर्तव्य है, बल्कि यह आत्मिक संतोष भी प्रदान करता है। ऐसे कार्यों से समाज में भाईचारा, सहयोग और एकता की भावना मजबूत होती है, जो एक स्वस्थ और समृद्ध समाज के निर्माण में सहायक होती है।इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, जगन एलाकुर्थी, प्रीतिका अग्रवाल, जय प्रकाश सारड़ा, महेश अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, गोपाल गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल एवं मनीष चिंडालिया सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

आरआर फाउंडेशन वार्षिक पुरस्कार समारोह:

शिक्षा और एआई नवाचार के क्षेत्र में हस्तियां सम्मानित

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): ब्रिटिश उप उच्चायुक्त, महामहिम गैरेथ वायन्न ओवेन ने यूनिसेफ के सहयोग से आयोजित 'आरआर फाउंडेशन वार्षिक पुरस्कार' समारोह में पुरस्कार प्रदान किए। यह भव्य आयोजन बरकस स्थित हबीब मोहसिन के आवास पर 23 तारीख को संपन्न हुआ।

समारोह के दौरान, सुश्री ताहा बेगम को 'टीचिंग एक्सीलेंस अवार्ड' (शिक्षण उत्कृष्टता पुरस्कार) से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान छात्रों के प्रति उनके उत्कृष्ट समर्पण और आने वाली पीढ़ियों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने की उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए दिया गया है। उनकी इस उपलब्धि को शिक्षा जगत में एक महत्वपूर्ण योगदान के रूप में सराहा गया।

इस अवसर पर डिजिटल एकेडमी के अध्यक्ष, मुदासिर अहमद भी मंच पर (ताहा बेगम के बाईं ओर) उपस्थित थे। उन्हें 'एआई पावर्ड डिजिफ्लुएंसर अवार्ड 2026' से नवाजा गया। मुदासिर अहमद को यह पुरस्कार आधुनिक मार्केटिंग पद्धतियों को बदलने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का लाभ उठाने, असाधारण नवाचार और रचनात्मकता प्रदर्शित करने के लिए प्रदान किया गया है।

इसी क्रम में, सैयद ख्वाजा मुस्तफा अली को 'एआई एम्पावर्ड एजुकेटर अवार्ड 2026' प्रदान किया गया। उन्हें यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के एकीकरण और इस तकनीक के माध्यम से शिक्षण प्रक्रिया को बेहतर बनाने में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया गया। यह कार्यक्रम शिक्षा और तकनीक के संगम को प्रोत्साहित करने वाला एक प्रमुख मंच साबित हुआ।

भट्टी विक्रमार्क ने तिरुमाला और श्रीकालहस्ती में की पूजा-अर्चना

तिरुपति, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने गुरुवार सुबह अपने परिवार के सदस्यों के साथ पवित्र तिरुमाला वेंकटेश्वर मंदिर में दर्शन किए और विशेष पूजा-अर्चना की।

मंदिर पहुंचने पर टीटीडी (ढढ्ढ) अधिकारियों ने उपमुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन किए और अपनी मन्नतें पूरी कीं। दर्शन के पश्चात, मंदिर के पुजारियों ने उन्हें 'वेद आशीर्वादम' प्रदान किया और तीर्थ-प्रसाद भेंट किया। इस दौरान मंदिर परिसर में भक्तों का उत्साह देखते ही बनता था; कई श्रद्धालुओं ने उनसे हाथ मिलाया और उनके साथ सेल्फी भी ली। भट्टी विक्रमार्क ने भी भक्तों और मंदिर कर्मचारियों से आत्मीयता से बातचीत की।

तिरुमाला के बाद, उपमुख्यमंत्री श्रीकालहस्तीश्वर मंदिर पहुंचे, जहाँ उन्होंने भगवान शिव की पूजा की और विशेष अनुष्ठानों में भाग लिया। यहाँ भी मंदिर के पुजारियों ने उन्हें वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आशीर्वाद दिया और पवित्र तीर्थ व प्रसाद भेंट किया।

दर्शन के बाद मीडिया से संक्षिप्त बातचीत में उपमुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने राज्य की सुख-समृद्धि और जनता के कल्याण के लिए प्रार्थना की है। उन्होंने मंदिर में किए गए प्रबंधों की सराहना की और सुचारू दर्शन के लिए अधिकारियों को धन्यवाद दिया।

आंध्र प्रदेश सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लिए 2,720 करोड़ रुपये जारी किए

विजयवाड़ा, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश सरकार ने 1 मई को पूरे राज्य में सामाजिक सुरक्षा पेंशन के वितरण के लिए 2,720.67 करोड़ रुपये की राशि जारी कर दी है।

एनटीआर भरोसा सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत गांवों, वार्डों और शहरी क्षेत्रों में लाभार्थियों के घर-घर जाकर सीधे पेंशन पहुंचाने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगों को अपनी पेंशन के लिए कहीं भटकना न पड़े। पेंशन की इस किस्त में 8,141 नए लाभार्थियों के लिए भी विशेष प्रावधान किया गया है।

इतिहास रचा गया, जम्मू से श्रीनगर रवाना हुई पहली वंदे भारत

देश से सीधे जुड़ा कश्मीर रेल सेवा से, जल्द दिल्ली से चलेगी सीधी ट्रेन

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 30 अप्रैल।

आज रेलवे के इतिहास में एक नया इतिहास रचा गया है। पहली वंदेभारत एक्सप्रेस जम्मू से सीधे श्रीनगर के लिए रवाना हुई। इसके साथ ही कश्मीर घाटी देश से सीधे जुड़ गई है। जल्द ही दिल्ली से कश्मीर के लिए सीधे ट्रेन भी चलेंगी। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज जम्मू तवी रेलवे स्टेशन से श्रीनगर के लिए पहली सीधी 20-कोच वाली वंदे भारत ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाई, जिससे कश्मीर घाटी राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जुड़ गई है।

यह सीधी ट्रेन सेवा अब जम्मू और कश्मीर के बीच आधुनिक और तेज कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। श्रीनगर-जम्मू रेल सेवाओं के शुरू होने से यात्री अब बिना किसी रुकावट के सीधे श्रीनगर से जम्मू तक यात्रा कर सकेंगे। यह सीधी रेल सेवा एक भरोसेमंद, किफायती और हर मौसम में चलने वाला परिवहन विकल्प प्रदान करेगी, जिससे अक्सर बाधित होने वाले श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर निर्भरता कम होगी, साथ ही पर्यटन और व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उचित सिंघल के अनुसार, वंदे भारत एक्सप्रेस यात्रियों को विश्व स्तरीय यात्रा अनुभव प्रदान करेगी। वे कहते थे कि इसमें यात्रियों की सुरक्षा के लिए कवच सुरक्षा प्रणाली, जीपीएस-आधारित सूचना प्रणाली और आरामदायक घूमने वाली सीटों जैसी सुविधाएं हैं। यह सेवा न केवल यात्रा के समय को कम करेगी, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और पर्यटन को भी ज़बरदस्त बढ़ावा देगी।

श्रीनगर तक ट्रेन सेवा के विस्तार से न केवल स्थानीय यात्रियों को फायदा होगा, बल्कि कश्मीर आने वाले पर्यटकों और वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी यात्रा ज्यादा आसान और सुखद हो जाएगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यात्री रेलवे काउंटरों पर या रेलवे की वेबसाइट के जरिए अपने टिकट बुक कर सकते हैं।

जम्मू हवाई जहाज से आने वाला कोई भी यात्री अब जम्मू तवी से वंदे भारत में सवार हो सकता है और उपमहाद्वीप के कुछ सबसे शानदार नजारों के बीच से गुजर सकता है, शिवालिक की तलहटियों से होते हुए, चिनाब और अंजी पुलों की इंजीनियरिंग के अजूबों को पार करते हुए, हिमालय की चट्टानों में बनी सुरंगों से गुजरते हुए, और श्रीनगर पहुंचकर डल झील, मुगल गार्डन और घाटी की मशहूर मेहमाननवाजी का अनुभव करने के लिए तैयार हो सकता है। न हाईवे पर देरी, न पहाड़ी रास्तों का डर, न ही मौसम की वजह से सड़कों के बंद होने की चिंता।

अधिकारियों के अनुसार, विशेष रूप से डिजाइन की गई वंदे भारत ट्रेन में पहली बार विंटराइजेशन तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जिससे यह शून्य से भी कम तापमान में भी आसानी से चल सकती है। भारतीय रेलवे में पहली बार, पानी की पाइपलाइनों को जमने से बचाने के लिए सेल्फ-रेगुलेटिंग हीटिंग केबल्स का इस्तेमाल किया गया है। ये केबल्स बाहर के तापमान के हिसाब से अपनी गर्मी को अपने आप कम-ज्यादा करने में सक्षम हैं।

ड्राइवर के केबिन के सामने लगे मुख्य विंडशील्ड में एक एम्बेडेड हीटिंग एलिमेंट लगाया गया है, ताकि कोहरे और बर्फबारी के दौरान विंडशील्ड पर धुंध न जमे, जिससे ड्राइवर को साफ दिखाई दे सके। यही नहीं पटरियों से उछलने वाले पत्थरों (बैलास्ट) से होने वाले संभावित नुकसान से बचाने के लिए, पानी की टंकियों के पास लगे न्यूमैटिक वाल्वों को स्टेनलेस स्टील के कवर से ढका गया है। इस वंदे भारत एक्सप्रेस में सुरक्षा बढ़ाने के लिए सीसीटीवी कैमरे और साथ ही एक ऊर्जा-कुशल रीजेनरेटिव ब्रेकिंग सिस्टम भी लगाया गया है।

श्रीनगर से कटरा के बीच चलने वाली मौजूदा वंदे भारत सेवा (ट्रेन नंबर 26403/26404) का विस्तार भी अब जम्मू तक कर दिया गया है। ये सेवाएं हफ्ते में छह दिन (बुधवार को छोड़कर) चलेंगी, जिससे केंद्र शासित प्रदेश में रेल नेटवर्क और भी मजबूत होगा। इस विस्तार के साथ, बड़े शहरों से जम्मू आने वाले यात्री बिना किसी इंटरचेंज के सीधे कटरा और श्रीनगर तक यात्रा कर सकेंगे, जबकि घाटी के यात्रियों को एक ही यात्रा में राष्ट्रीय रेल नेटवर्क तक निर्बाध पहुंच मिलेगी।

राजेंद्रनगर प्रेस एसोसिएशन की क्रिकेट प्रतियोगिता आज

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजेंद्रनगर प्रेस एसोसिएशन द्वारा आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता 1 मई, शुक्रवार को प्रातः 6:00 बजे से अट्टापुर स्थित विजय आनंद प्लेग्राउंड में खेली जाएगी। इस प्रतियोगिता को लेकर पत्रकारों में उत्साह का माहौल है और तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। प्रतियोगिता का शुभारंभ टॉस के साथ होगा, जिसे राजेंद्रनगर भाजपा प्रभारी एवं मेलरदेवपल्ली पार्षद तोकला श्रीनिवास द्वारा किया जाएगा। आयोजन समिति ने इसे यादगार बनाने के लिए विशेष तैयारियां की हैं। मीडिया मित्र बालू सुब्रमण्यम ने जानकारी देते हुए बताया कि राजेंद्रनगर क्षेत्र के सभी पत्रकार इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं, जिन्हें 5 टीमों में विभाजित किया गया है। प्रतियोगिता के दौरान खेल भावना और आपसी सहयोग का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

इस क्रिकेट प्रतियोगिता में पत्रकारों के परिवारों की भागीदारी भी सुनिश्चित की गई है। उनके लिए अलग-अलग प्रकार की मनोरंजक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिससे यह आयोजन एक पारिवारिक उत्सव का रूप लेगा।

प्रतियोगिता में विजेता टीम को ट्रॉफी एवं अन्य आकर्षक उपहार प्रदान किए जाएंगे। आयोजन समिति द्वारा कार्यक्रम को भव्य रूप देने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

इससे पहले सीनियर रिपोर्टर दामोदर और भीमैया द्वारा प्रतियोगिता के लिए टी-शर्ट एवं कैप का विमोचन किया गया। इस अवसर पर दामोदर रेड्डी, भीमैया, बालासुब्रमण्यम, बाबूराव, पवन भारती, प्रेम, चंदू, करुणाकर, सूर्यनारायण, किरण, श्रीकांत, नरसिंह, संदीप, यादगिरी, शाहिद सहित अनेक मीडिया मित्र उपस्थित रहे।

खेतों में भीषण आग से मक्के की फसल राख

एमएलए थोटा लक्ष्मी कांता राव ने मौके पर पहुंचकर लिया जायजा

बांसवाड़ा, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा डिवीजन के नी जुक्कल विधानसभा क्षेत्र के मदनूर मंडल में अचानक खेतों में आग लगने से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इस आगजनी की घटना में मक्के की फसल पूरी तरह जलकर राख हो गई, जिससे प्रभावित किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मदनूर मंडल के फसल के खेतों में अचानक आग भड़क उठी, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आग की चपेट में आकर मक्के की खड़ी फसल पूरी तरह नष्ट हो गई। इस घटना से किसानों को भारी आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ा है।

घटना की सूचना मिलते ही जुक्कल के विधायक थोटा लक्ष्मी कांता राव सुबह तत्काल गांव पहुंचे और प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर किसानों से मुलाकात की। उन्होंने खेतों का मुआयना कर स्थिति का जायजा लिया और किसानों को ढांढस बंधाया।

इस दौरान विधायक ने संबंधित अधिकारियों से बातचीत कर घटना के कारणों की विस्तृत जांच करने के निर्देश दिए। साथ ही, फसल के नुकसान का आकलन कर शीघ्र रिपोर्ट तैयार करने को कहा, ताकि आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

विधायक ने प्रभावित किसानों को आश्वस्त किया कि उनके नुकसान को सरकार के संज्ञान में लाकर उचित मुआवजा दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने अधिकारियों को भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक सावधानी बरतने के निर्देश भी दिए।

विधायक ने कहा कि सरकार हमेशा किसानों के साथ खड़ी है और किसी भी आपदा की स्थिति में उन्हें हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी। इस आश्वासन से प्रभावित किसानों को कुछ राहत मिली है।

मंचेरियाल में विकास कार्यों को रफ्तार, कलेक्टर ने अस्पताल-नर्सिंग कॉलेज का निरीक्षण किया

मंचेरियाल, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने जिले में चल रहे विकास कार्यों को तेज गति से पूरा करने के लिए अधिकारियों को समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने मंचेरियाल शहर के साइकुंटा क्षेत्र में निर्माणाधीन सरकारी नर्सिंग कॉलेज का निरीक्षण किया और कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि सरकार जनता के कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं चला रही है, जिन्हें तय समय सीमा में पूरा करना जरूरी है। उन्होंने कॉलेज रोड पर बन रहे सरकारी अस्पताल और क्रिटिकल केयर यूनिट के निर्माण कार्यों का भी जायजा लिया। बताया गया कि बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से करीब 129.25 करोड़ रुपये की लागत से अस्पताल और 23.75 करोड़ रुपये से क्रिटिकल केयर यूनिट का निर्माण किया जा रहा है।

कलेक्टर ने अधिकारियों और ठेकेदारों को आपसी समन्वय के साथ कार्यों को तेज करने और गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने राजस्व मंडल अधिकारी कार्यालय का दौरा कर लंबित आवेदनों के निस्तारण की स्थिति की समीक्षा की। साथ ही, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के तहत जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-63 और 163जी के निर्माण से संबंधित लंबित मामलों के शीघ्र समाधान के निर्देश भी दिए। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ये निर्देश मंचेरियाल जिले के विकास को नई गति देंगे, खासकर स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में। स्थानीय निवासियों ने कलेक्टर की सक्रियता की सराहना की है।

एमएचवी स्कूल में शिक्षक-शिक्षिका सम्मान समारोह आयोजित

उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों का हुआ सम्मान, 100% परिणाम पर जताई खुशी

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। एमएचवी स्कूल में आज एक प्रेरणादायी शिक्षक-शिक्षिका सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा के प्रति समर्पण और उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का माहौल उत्साह, गौरव और प्रेरणा से परिपूर्ण रहा।

समारोह में विद्यालय समिति के प्रतिष्ठित सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें डॉ. संदीप साबू (महामंत्री), रामपाल अट्टल, नन्द किशोर व्यास, विश्वनाथ अग्रवाल, डॉ. महेश शर्मा तथा अनिल अग्रवाल शामिल रहे। सभी ने शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें समाज का सच्चा निर्माता बताया।

कार्यक्रम के दौरान पूरे वर्ष विद्यार्थियों को शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट बनाने तथा उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए सभी अध्यापक-अध्यापिकाओं को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके अथक परिश्रम और समर्पण का प्रतीक रहा।

इस अवसर पर महामंत्री डॉ. संदीप साबू ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल पाठ्य-पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है, ताकि वे जीवन के हर क्षेत्र में सफल हो सकें।

विद्यालय की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि साझा करते हुए बताया गया कि इस वर्ष एसएससी परीक्षा में विद्यालय का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। इस शानदार सफलता पर समिति के सभी सदस्यों ने छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

यह समारोह न केवल शिक्षकों के मनोबल को ऊँचा करने वाला साबित हुआ, बल्कि विद्यार्थियों और अभिभावकों के बीच भी शिक्षा के प्रति नई ऊर्जा और विश्वास का संचार करने में सफल रहा।

माइनॉरिटी कोटे से को-ऑप्शन मेंबर चुनाव हेतु राजा सिंह ने भरा नामांकन

बांसवाड़ा, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बांसवाड़ा म्युनिसिपैलिटी में होने वाले को-ऑप्शन मेंबर चुनाव के लिए भाजपा एक्टिविस्ट राजा सिंह ने माइनॉरिटी कोटे के तहत अपना नामांकन दाखिल किया। इस अवसर पर पार्टी के कई प्रमुख नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। नामांकन कार्यक्रम में भाजपा टाउन प्रेसिडेंट कोनाला गंगारेड्डी, काउंसलर गज्जला महेश, पाशम भास्कर रेड्डी, समाला श्रीकांत और लीडर गुडुगुटला श्रीनिवास सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और राजा सिंह को समर्थन दिया। इस मौके पर भाजपा टाउन प्रेसिडेंट कोनाला गंगारेड्डी ने कहा कि बांसवाड़ा के लोगों की समस्याओं को उठाने के लिए एक मजबूत आवाज़ की आवश्यकता है, जो केवल भाजपा के माध्यम से संभव है। उन्होंने काउंसलरों से अपील की कि वे सोच-समझकर मतदान करें और योग्य उम्मीदवार का समर्थन करें। गंगारेड्डी ने कहा कि म्युनिसिपैलिटी के विकास के लिए लगभग 90% फंड केंद्र सरकार द्वारा प्रदान किया जाएगा। ऐसे में शहर के समग्र विकास के लिए सही नेतृत्व का चयन बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि पढ़े-लिखे युवाओं को राजनीति में आगे आकर नेतृत्व संभालना चाहिए, ताकि नगर के विकास को नई दिशा मिल सके। अंत में उन्होंने सभी काउंसलरों से अपील की कि वे विकास को प्राथमिकता देते हुए मतदान करें और शहर के हित में निर्णय लें।

सभी पात्र पत्रकारों को आज से मिलेंगे मान्यता कार्ड: श्रीनिवास रेड्डी

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ्ज्ञ ब्यूरो)। तेलंगाना के सूचना, जनसंपर्क, राजस्व और आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने राज्य के हर पात्र पत्रकार को मान्यता (अललॲशवळींरींळेप) कार्ड देने के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवा और अन्य कल्याणकारी लाभ प्रदान करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई है। गुरुवार को सूचना विभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में नए मान्यता कार्ड वितरित करते हुए मंत्री ने कहा कि देशभर की सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को अपनाने के उद्देश्य से की गई विस्तृत समीक्षा के कारण इस प्रक्रिया में देरी हुई। उन्होंने उल्लेख किया कि जहाँ पिछली सरकार ने केवल 23,352 लोगों को मान्यता दी थी, वहीं वर्तमान सरकार ने इस दायरे को बढ़ाकर 46,000 से अधिक कर दिया है। अब तक लगभग 2,800 कार्डों को मंजूरी दी जा चुकी है।

मंत्री ने घोषणा की कि 1 मई से सभी जिलों में जिला कलेक्टरों के माध्यम से मान्यता कार्डों का वितरण शुरू हो जाएगा। आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 10 मई तय की गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि तब तक जमा किए गए सभी पात्र आवेदनों को स्पष्ट कर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मान्यता एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया रहेगी, और यदि पत्रकार संस्थान बदलते हैं, तो भी उन्हें परेशानी नहीं होगी।

सीताक्का ने कांग्रेस सेवा दल कार्यक्रम में पार्टी की निस्वार्थ सेवा की विरासत को जमीनी स्तर तक ले जाने का आह्वान किया

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ्ज्ञ ब्यूरो)। तेलंगाना की पंचायती राज, ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री धनश्री अनुसूया सीताक्का ने गुरुवार को यहां के नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस सेवा दल को महात्मा गांधी के आदर्शों पर आधारित और अहिंसा के दर्शन के प्रति समर्पित एक अनुशासित संगठन बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संगठन को पार्टी कैडर को और मजबूत करने और हर गाँव तक पहुँचने के लिए अपने वैचारिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को जिला स्तर तक ले जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गांधी के सिद्धांत, जवाहरलाल नेहरू का विकास दृष्टिकोण और बी. आर. अंबेडकर का बनाया संविधान राष्ट्र की रीढ़ है।मंत्री ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है और विभाजनकारी राजनीति को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने सेवा दल के कार्यकर्ताओं से शांति और अहिंसा के मार्ग पर चलकर ऐसी प्रवृत्तियों का मुकाबला करने का आह्वान किया और कहा कि कांग्रेस पार्टी ऐतिहासिक रूप से राष्ट्र के मूल मूल्यों की संरक्षक के रूप में खड़ी रही है।

कान्हा शांति वनम में गुरु तेग बहादुर की शहादत वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आध्यात्मिक सभा

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के बाहरी इलाके में स्थित कान्हा शांति वनम में गुरुवार को गुरु तेग बहादुर की शहादत की 350वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक विशाल आध्यात्मिक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें शबद कीर्तन और सामूहिक ध्यान के माध्यम से सभी धर्मों के लोग एक साथ आए। संस्कृति मंत्रालय और हार्टफुलनेस द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम बाबूजी महाराज और तुकड़ोजी महाराज की जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया था। 30 हजार से अधिक लोग प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित हुए, जबकि कई अन्य लोग ऑनलाइन माध्यम से जुड़े।

इस कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने कहा कि भारत महान आध्यात्मिक नेताओं की भूमि है और उन्होंने गुरु तेग बहादुर के निर्भीकता, सत्यनिष्ठा और मानवाधिकारों एवं धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के उपदेशों पर प्रकाश डाला।

'हार्टफुलनेस' के गाइड कमलेश डी पटेल ने बताया कि सामूहिक ध्यान और आत्मनिरीक्षण सत्य, साहस और सेवा के मूल्यों को आत्मसात करने में सहायक होते हैं, और ऐसे आयोजन आध्यात्मिक विकास और एकता के मार्ग को मजबूत करते हैं।

इस कार्यक्रम में भक्ति संगीत, आध्यात्मिक प्रवचन, प्रदर्शनियाँ और सामूहिक ध्यान सत्र शामिल थे। आयोजकों ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य विभिन्न समुदायों में एकता, शांति और साझा मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देना है।

गोवत्स फाउण्डेशन द्वारा पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में 28 मई से 3 जून तक नुमाइश मैदान, नामपल्ली में गोवत्स श्री राधाकृष्णजी महाराज श्री के मुखार्विन्द से आयोजित 'श्रीमद् भागवत कथा' के सन्द्रभ में दिलसुखनगर में कार्यकर्ताओं के साथ आयोजित बैठक में उपस्थित अध्यक्ष सीए मुरली मनोहर पलोड़, मंत्री बद्रीविशाल लोया, प्रकाश वर्मा, बृजराज अट्टल, राधेश्याम नवाल, प्रहलाद न्याती, प्रकाशचन्द लड्डा एवं सुनील हेडा ।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का बड़ा फैसला:

कल्याणकारी छात्रावासों के लिए अब होगी केंद्रीकृत खरीद, गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कल्याणकारी छात्रावासों और स्कूलों में वस्तुओं की आपूर्ति में होने वाली अनियमितताओं पर लगाम लगाने के लिए अधिकारियों को 'केंद्रीकृत खरीद प्रणाली' अपनाने का निर्देश दिया है।

लाभार्थियों के हित सर्वोपरि, आपूर्तिकर्ताओं का एकाधिकार होगा खत्म

गुरुवार को जारी एक आधिकारिक बयान में मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि कल्याणकारी योजनाएं लाभार्थियों के लिए हैं, न कि आपूर्तिकर्ताओं के फायदे के लिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि स्कूल यूनिफॉर्म, पाठ्यपुस्तकें, नोटबुक और अन्य आवश्यक वस्तुओं की खरीद केंद्रीय स्तर पर की जानी चाहिए और उन्हें छात्रों तक कुशलतापूर्वक पहुँचाया जाना चाहिए।

गुणवत्ता पर जोर और वितरण के लिए 15 जून की समयसीमा

मुख्यमंत्री रेड्डी ने उच्च गुणवत्ता वाली आपूर्ति सुनिश्चित करने को प्राथमिकता दी और संबंधित संस्थानों को स्कूल यूनिफॉर्म वितरण के लिए 15 जून की समयसीमा तय की है। इस प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए, उन्होंने मंडल स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त करने का सुझाव दिया, जो आपूर्ति की निगरानी करेंगे और किसी भी तरह की बाधा को रोकेंगे।

समन्वय समिति और जमीनी स्तर पर निगरानी

मुख्यमंत्री ने गांवों और छात्रावासों में समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए जमीनी स्तर पर वितरण तंत्र को मजबूत करने का निर्देश दिया। उन्होंने एससी, एसटी, बीसी, अल्पसंख्यक और शिक्षा विभागों को शामिल करते हुए एक समन्वय समिति बनाने का आह्वान किया ताकि कार्यान्वयन निर्बाध रूप से हो सके। सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए रेवंत रेड्डी ने साफ किया कि छात्रों को प्रदान की जाने वाली वस्तुओं की गुणवत्ता से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा।

धान खरीद व्यवस्था ध्वस्त, किसानों को भारी संकट : भाजपा

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि राज्य में धान खरीद प्रणाली पूरी तरह चरमरा गयी है, जिससे किसान गंभीर संकट में फंस गये हैं।

श्री राव ने भुवनगिरि मंडल के हनमापुर स्थित खरीद केंद्रों के दौरे के दौरान भाजपा किसान मोर्चा नेताओं के साथ किसानों से बातचीत में कहा कि राज्य सरकार की लापरवाही और प्रशासनिक विफलता के कारण किसानों की उपज खुले में खराब हो रही है।

किसानों ने शिकायत की कि पिछले लगभग 10 दिनों से न तो ट्रकों की उपलब्धता है, न तौल व्यवस्था, और न ही फसल को बचाने के लिए तिरपाल जैसी बुनियादी सुविधाएं मौजूद हैं। इसके चलते कटे हुए धान में अंकुरण शुरू हो गया है, जिससे उसकी गुणवत्ता और बाजार मूल्य दोनों प्रभावित हो रहे हैं।

श्री राव ने नलगोंडा जिले की उस हालिया घटना का भी उल्लेख किया जिसमें एक आईकेपी केंद्र प्रभारी ने कथित तौर पर मिलरों और अधिकारियों के दबाव में आत्महत्या का प्रयास किया था। उन्होंने इसे राज्य की खरीद व्यवस्था की भयावह स्थिति का संकेत बताया।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य, परिवहन, बोरे, तिरपाल और अन्य खरीद संबंधी खर्चों के लिए वित्तीय सहायता देती है। ऐसे में सवाल यह है कि राज्य सरकार सुचारु खरीद सुनिश्चित क्यों नहीं कर पा रही।

श्री राव ने कांग्रेस पर किसानों से किए गए वादों को पूरा न करने का आरोप लगाते हुए कहा कि खरीद केंद्रों पर बुनियादी सुविधाओं का अभाव किसानों के साथ अन्याय है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ मिलर, बिचौलिए और अधिकारी मिलकर किसानों के हितों के खिलाफ काम कर रहे हैं। विशेष रूप से आदिलाबाद के मक्का उत्पादकों की स्थिति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वहां किसानों को उचित मूल्य तक नहीं मिल पा रहा।

भाजपा नेता ने किसानों से हिम्मत न हारने की अपील करते हुए कहा कि भाजपा और केंद्र सरकार उनके साथ खड़ी है। उन्होंने सभी उपज, पर्याप्त ट्रकों, बोरे, पेयजल और आश्रय की व्यवस्था की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और कृषि मंत्री थुम्मला नागेश्वर राव ने शीघ्र हस्तक्षेप नहीं किया, तो भाजपा किसान मोर्चा राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करेगा। राज्य में खरीद सीजन के बीच यह मुद्दा राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि कृषि और किसान हित तेलंगाना की राजनीति के केंद्र में बने हुए हैं।

विशाखापत्तनम आईटी हब में इंफोसिस को 7000 सीट परिसर के लिए 20 एकड़ भूमि आवंटित

विजयवाड़ा, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश का विशाखापत्तनम तेजी से देश के उभरते आईटी केंद्रों में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। स्थानीय प्रतिभा, नीतिगत समर्थन और विकसित होते टेक इकोसिस्टम के बीच राज्य सरकार ने इंफोसिस को 7,000 पेशेवरों की क्षमता वाले बड़े कैंपस के लिए 20 एकड़ भूमि आवंटित की है। पिछले दो वर्षों में इंफोसिस ने विशाखापत्तनम में अपनी उपस्थिति उल्लेखनीय रूप से बढ़ाई है। वर्ष 2024 की शुरुआत में जहां कंपनी के यहां लगभग 250 कर्मचारी थे, वहीं अब यह संख्या करीब 1,900 तक पहुंच चुकी है। निकट भविष्य में 750 अतिरिक्त सीटें भी परिचालन में आने वाली हैं।

कंपनी की दीर्घकालिक योजना 20 एकड़ के स्थायी परिसर के रूप में विकसित होने की है, जिसकी कुल क्षमता 7,000 पेशेवरों तक होगी। इसे क्षेत्र की संभावनाओं पर बड़े निवेशक विश्वास के रूप में देखा जा रहा है।

इस विस्तार की विशेषता स्थानीय प्रतिभा का उपयोग है। विशाखापत्तनम इकाई ने क्षेत्र से 1,000 से अधिक फ्रेशर्स और लगभग 500 अनुभवी पेश-वरों की भर्ती की है, जो राज्य की कौशल विकास और उद्योग-उन्मुख शिक्षा पहलों की प्रभावशीलता को दर्शाता है।

आंध्र प्रदेश सरकार ने आईटी एवं जीसीसी, लिफ्ट जैसी नीतियों, उद्योग-अकादमिक साझेदारी, बुनियादी ढांचे और कर्मचारी-अनुकूल शहरी परिवहन उपायों के माध्यम से निवेश-अनुकूल माहौल तैयार किया है।

राज्य के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री नारा लोकेश ने कहा कि विशाखापत्तनम का आईटी हब के रूप में उभार स्थानीय युवाओं की क्षमता और सरकार द्वारा विकसित किए जा रहे प्रतिभा-केंद्रित इकोसिस्टम का परिणाम है।उन्होंने कहा कि वर्षों तक आंध्र प्रदेश की प्रतिभा ने वैश्विक कंपनियों को दुनिया भर में शक्ति दी, लेकिन अब वहीं प्रतिभा राज्य के भीतर करियर निर्माण चुन रही है।

उन्होंने कहा कि उनका विज़न एक ऐसा जीवंत और प्रतिभा-केंद्रित इकोसिस्टम बनाना है, जहां उद्योग, शिक्षा जगत और सरकार मिलकर काम करें। विशाखापत्तनम में इंफोसिस का विस्तार इस दृष्टिकोण की एक मज़बूत पुष्टि है, और यह आंध्र प्रदेश को तकनीक एवं नवाचार का एक वैश्विक केंद्र बनाने के हमारे संकल्प को और भी मज़बूत करता है।

डीजीपी शिवधर रेड्डी हुए सेवानिवृत

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) शिवधर रेड्डी गुरुवार को सेवानिवृत्त हो गए, जिससे उनके 32 वर्षों के प्रतिष्ठित पुलिस करियर का समापन हो गया।

आरवीबीआर पुलिस अकादमी में वरिष्ठ अधिकारियों ने श्री रेड्डी को औपचारिक विदाई दी। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने पुलिस सेवा में अपनी लंबी यात्रा को याद किया और 1970 व 1980 के दशक से लेकर वर्तमान समय तक पुलिसिंग में आए महत्वपूर्ण बदलावों पर चर्चा की।

श्री रेड्डी ने 'फ्रेंडली पुलिसिंग' की दिशा में बढ़ते कदमों पर प्रकाश डाला, जिसका उद्देश्य पुलिस और जनता के बीच की दूरी को कम करना है। उन्होंने कहा कि पुलिसिंग सरकारी नीतियों के अनुरूप विकसित हुई है।

श्री रेड्डी ने अपने गृह राज्य में डीजीपी की भूमिका सौंपने के लिए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के प्रति आभार व्यक्त किया और अपने गुरुओं, सहकर्मियों और परिवार के सदस्यों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। टीम वर्क पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि 'पुलिस शक्ति' का अर्थ गरिमा के साथ सेवा करना है। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों ने ही उनके करियर को आकार दिया है।

निवर्तमान डीजीपी ने सी. वी. आनंद को भी बधाई दी, जिन्हें नया डीजीपी नियुक्त किया गया है। साथ ही उन्होंने उनके नेतृत्व में भी विश्वास व्यक्त किया। इस अवसर पर श्री आनंद ने निवर्तमान डीजीपी की विशिष्ट सेवा, विशेष रूप से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में उनके काम और माओवादियों के आत्मसमर्पण व हथियारों की जब्ती में उनकी भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि वह राज्य भर के अधिकारियों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं और उनके सुझावों के लिए सदैव तैयार हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के सम्मान को बनाए रखना पुलिस की जिम्मेदारी है।

डीजीपी शिवधर रेड्डी सुरक्षा सलाहकार, हनुमंत राव बीसी कल्याण विभाग के सलाहकार नियुक्त

हैदराबाद, 30 अप्रैल (आईएएनएस)। तेलंगाना सरकार ने गुरुवार को निवर्तमान पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी को राज्य सुरक्षा सलाहकार (एसएसए) नियुक्त किया।

एक सरकारी आदेश में कहा गया है कि वह पदभार ग्रहण करने की तारीख से तीन साल की अवधि के लिए पुलिस, कानून-व्यवस्था, आंतरिक सुरक्षा, अपराध नियंत्रण, नशीले पदार्थों के नियंत्रण और सड़क सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर सरकार को सलाह देंगे।

उन्हें सरकार के मुख्य सचिव का दर्जा और रैंक प्राप्त होगा। सरकारी आदेश (जीओ) के अनुसार, उन्हें प्रति माह 2.25 लाख रुपये का निश्चित वेतन दिया जाएगा।

बता दें कि शिवधर रेड्डी गुरुवार (30 अप्रैल) को सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। सरकार ने पहले ही सी.वी. आनंद को अगला डीजीपी नियुक्त कर दिया है।

सरकारी आदेश के अनुसार, शिवधर रेड्डी कार्यालय आवास के हकदार हैं। वह किराए के या अपने घर के बदले में किराया-मुक्त आवास या 50,000 रुपये के एचआरए (मकान किराया भत्ता) के भी हकदार हैं।

एसएसए (विशेष सुरक्षा सलाहकार) को एक सरकारी वाहन उपलब्ध कराया जाएगा। गृह विभाग उन्हें एक ओएसडी, एक निजी सचिव, एक निजी सहायक, दो ड्राइवर और चार कार्यालय सहायक उपलब्ध कराएगा।

इस बीच, राज्य सरकार ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता वी. हनुमंत राव को पिछड़े वर्गों (बीसी) के कल्याण और विकास के लिए सरकार का सलाहकार भी नियुक्त किया है। उन्हें राज्य में राज्य मंत्री का दर्जा और रैंक प्राप्त होगा। मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने इस संबंध में एक सरकारी आदेश जारी किया है। सरकारी आदेश में कहा गया है कि उन्हें वारंट ऑफ प्रेसिडेंस (वरीयता क्रम) के अनुच्छेद 18 में स्थान दिया जाएगा। यह व्यवस्था केवल इस विशिष्ट व्यक्ति के लिए उनके कार्यकाल की अवधि तक लागू होगी, और इसके लिए राज्य वरीयता क्रम तालिका' में किसी औपचारिक संशोधन की आवश्यकता नहीं होगी। पूर्व सांसद और कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में से एक हनुमंत राव, तेलंगाना से राज्यसभा की दो सीटों के लिए हाल ही में हुए चुनावों में इस सीट के लिए एक प्रबल दावेदार थे। हालाँकि, पार्टी ने अभिषेक मनु सिंघवी और वेम नरेंद्र रेड्डी को चुना। दोनों सर्वसम्मति से संसद के उच्च सदन (राज्यसभा) के लिए चुने गए।

किसानों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त मात्रा में बीज उपलब्ध हैः राव

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के कृषि मंत्री थुम्माला नागेश्वर राव ने गुरुवार को कहा कि किसानों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए राज्य के पास बीज का पर्याप्त भंडार मौजूद है।

खरीफ मौसम को लेकर अधिकारियों और बीज कंपनियों के साथ हुई एक समीक्षा बैठक में श्री राव ने बताया कि 134.66 लाख एकड़ ज़मीन पर खेती के लिए लगभग 19.42 लाख क्विंटल बीजों की ज़रूरत है, जबकि 38.21 लाख क्विंटल से ज़्यादा बीज पहले से ही उपलब्ध हैं जो कि मांग से लगभग दोगुना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि किसानों तक केवल उच्च गुणवत्ता वाले बीज ही पहुंचें।

इस दौरान उन्होंने नकली बीजों के उत्पादन तथा बिक्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया। इसमें विशेष प्रवर्तन टीमें बनाना और सीमाओं पर निरीक्षण करना शामिल है। शून्य-सहिष्णुता नीति पर ज़ोर देते हुए मंत्री ने निर्देश दिया कि बीजों का वितरण 15 मई से शुरू किया जाए।

भीषण गर्मी में बिजली की मांग बढ़ने पर निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करें : भट्टी विक्रमार्क

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री और ऊर्जा मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि पूरे तेलंगाना में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाये। उन्होंने बिजली इकाइयों को निर्देश दिया कि आने वाले दिनों भीषण गर्मी की वजह से बिजली की मांग बढ़ने की स्थिति से निपटने के लिये वे मिलकर काम करें। प्रजा भवन में गुरुवार को ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित एक समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि वातानुकूलित यंत्रों, कूलरों के बढ़ते उपयोग और कृषि भार ने मांग को काफी बढ़ा दिया है। अधिकारियों ने उन्हें सूचित किया कि पूरे देश में बिजली प्रणाली दबाव में है, लेकिन आश्वासन दिया कि राज्य पूरी तरह तैयार है। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आवश्यकता पड़ने पर केंद्रों के माध्यम से अतिरिक्त बिजली खरीदने का निर्देश दिया और इस बात पर जोर दिया कि अस्पतालों और पेयजल आपूर्ति जैसी आवश्यक सेवाओं में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सभी उपलब्ध बिजली उत्पादन इकाइयों को पूरी क्षमता से चलाया जाए और जल विद्युत संसाधनों का कुशलतापूर्वक प्रबंधन किया जाए।

श्री भट्टी विक्रमार्क ने अग्रिम योजना बनाने पर जोर देते हुये बिजली इकाइयों को आने वाले दिनों में मांग में और वृद्धि से निपटने के लिए निकट समन्वय के साथ काम करने को कहा। बैठक में विशेष मुख्य सचिव (ऊर्जा) नवीन मित्तल और बिजली इकाइयों के प्रमुखों सहित कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुये।

सरकारी अस्पताल में मुफ्त आई.वी.एफ. से 10 साल के इंतजार के बाद हुए जुड़वा बच्चे

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के एक दंपत्ति के लिए एक दशक लंबा इंतजार खुशियों में बदल गया, जब बुधवार को एक सरकारी अस्पताल में मुफ्त आई.वी.एफ. उपचार के बाद उन्हें जुड़वां बच्चे (लड़का और लड़की) नसीब हुए। बूयागुड़ा के निवासी गद्दाम त्रिवेणी और मस्तान राव दस साल से संतान प्राप्ति की कोशिश कर रहे थे। निजी अस्पतालों में 13 ओव्यूलेशन चक्र और एक आई.यू.आई. प्रक्रिया सहित कई प्रयासों के बावजूद, वे असफल रहे। बाद में दंपत्ति ने गांधी अस्पताल के आई.वी.एफ. केंद्र में संपर्क किया, जहां डॉक्टरों ने समस्या की पहचान की और आई.वी.एफ. के माध्यम से उनका सफल उपचार किया।अस्पताल ने आई.वी.एफ. प्रक्रिया से लेकर प्रसव तक का पूरा उपचार, दवाओं सहित मुफ्त में उपलब्ध कराया। निजी अस्पतालों में आमतौर पर इसी उपचार पर 10-12 लाख रुपये खर्च होते हैं। मां और नवजात शिशु दोनों का स्वास्थ्य अच्छा बताया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने इस सफल परिणाम के लिए अधीक्षक डॉ. वाणी और आई.वी.एफ. केंद्र की प्रमुख डॉ. टी. शोभा सहित चिकित्सा दल को बधाई दी।

बुधवार रात जारी एक अस्पताल के बयान के अनुसार, उन्होंने कहा कि गांधी और पेटला बुर्ज जैसे सरकारी अस्पतालों में उन्नत प्रजनन सेवाएं जनता को लाभ पहुंचा रही हैं, जो बिना किसी वित्तीय बोझ के गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की सरकार की प्रतिबद्धता को पुख्ता करती हैं।

रिश्वत लेते वन अधिकारी गिरफ्तार

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने गुरुवार को भद्राद्री कोठागुडेम जिले में वन विभाग के बीट अधिकारी को 10,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। आरोपी की पहचान नदिमिगुडेम में कार्यरत बानोथ नरेश के रूप हुई है। वह गुंडाला वन रेंज के सायनपल्ली का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे थे।

आरोपी ने वेंकटपुरम राजस्व गांव में पांच एकड़ आवंटित पोडू भूमि पर खेती में हस्तक्षेप न करने के बदले में एक शिकायतकर्ता से कथित तौर पर रिश्वत की मांग की थी। एसीबी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, अधिकारी को गुंडाला स्थित उसके कार्यालय में रिश्वत लेते समय जाल बिछाकर पकड़ा गया और उसके पास से रिश्वत की राशि बरामद कर ली गई।

कविता की नयी पार्टी को चुनाव आयोग की मंजूरी, नाम होगा तेलंगाना रक्षणा सेना

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। चुनाव आयोग ने सुश्री के. कविता की नयी राजनीतिक पार्टी को आधिकारिक मान्यता देते हुए उसके लिए तेलंगाना रक्षणा सेना (टीआरएस) नाम को मंजूरी दे दी है। सुश्री कविता ने शुरुआत में 'तेलंगाना राष्ट्र सेना' नाम प्रस्तावित किया था, लेकिन आयोग ने विचार-विमर्श के

बाद 'तेलंगाना रक्षणा सेना (टीआरएस)' को स्वीकृति प्रदान की। आधिकारिक अनुमोदन पत्र बंजारा हिल्स स्थित उनके आवास पर सौंपा गया।

इस नाम की घोषणा पहले 25 अप्रैल को मेडचल में आयोजित बैठक में की गयी थी।

सुश्री कविता ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, तेलंगाना रक्षणा सेना (टीआरएस), यही है! उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी तेलंगाना के लोगों की सेवा और संरक्षण के लिए उसी समर्पण के साथ काम करेगी, जैसा पिछले दो दशकों से तेलंगाना जागृति के माध्यम से किया गया।

उन्होंने चुनाव आयोग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी सभी नियमों और प्रक्रियाओं का पालन करेगी। सुश्री कविता के अनुसार जनवरी 2026 में प्रोटोकॉल के तहत पांच नाम विकल्प भेजे गये थे, जिनमें आयोग ने तीसरे विकल्प को मंजूरी दी, जो टीआरएस संक्षिप्त नाम वाला एकमात्र विकल्प था।

सुश्री कविता ने इसे 'किस्मत का दिलचस्प मोड़' बताया और कहा कि तेलंगाना की राजनीति में टीआरएस नाम फिर से लौट आया है।यह नाम विशेष महत्व रखता है, क्योंकि टीआरएस संक्षिप्त नाम पहले से तेलंगाना की राजनीतिक पहचान का बड़ा हिस्सा रहा है। ऐसे में इसका पुनः उपयोग राज्य की राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और प्रतीकात्मक संदेश दोनों को प्रभावित कर सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.